FOCUS NEWS
फोकस न्यूज
...आपका अपना अखबार
राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। सोमवार 22 सितंबर 2025। प्रतिपदा, आश्विन माह, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 13। अंक : 67

हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा, जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे : पीएम मोदी

जीएसटी सुधारों की पूर्व संध्या पर मोदी का स्वदेशी पर जोर, त्योहारी सत्र को बताया बचत उत्सव

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू होगा और आयकर छूट के साथ यह ज्यादातर लोगों के लिए ''दोहरा लाभ'' होगा। संशोधित जीएसटी दरों के लागू होने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी देश की समृद्धि को उसी तरह मजबूती देगा, जिस तरह इसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को शक्ति दी थी। उन्होंने कहा, ''हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा। हमें हर दुकान को स्वदेशी (सामान) से सजाना होगा।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे। उन्होंने राज्यों से 'आत्मनिर्भर भारत' और स्वदेशी अभियानों को ध्यान में रखते हुए विनिर्माण को गति देने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, ''नवरात्रि के पहले दिन, देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कल सूर्योदय के साथ, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। कल से 'जीएसटी बचत (शेष पेज दो पर)

यह सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : शाह

जोधपुर, फोकस न्यूज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि दिव्यांग समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसके तहत यह सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी बने कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें और जीवन में आगे बढ़ें। शाह यहां पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय की तीन परियोजनाओं की आधारशिला रखने आए थे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और राज्य के मंत्री भी मौजूद थे। दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने में संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए शाह ने बताया कि किस (शेष पेज दो पर)

सुबह 6:09 से शाम 8:06 तक घट स्थापना का शुभ मुहूर्त, हाथी पर सवार होकर आएंगी मां

नई दिल्ली। फोकस न्यूज। शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व 22 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है। वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 22 सितंबर रात 1:23 से 23 सितंबर रात 2:55 तक रहेगी। इस वर्ष घट स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6:09 से शाम 8:06 तक है। इसके अतिरिक्त, अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 11:49 से 12:38 के बीच भी घट स्थापना की जा सकती है। प्रथम दिवस मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की जाएगी। सनातन धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व वर्ष में चार बार आता है – चैत्र माह में वासंतिक नवरात्रि, आश्विन माह में शारदीय नवरात्रि, तथा माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि। इस वर्ष विशेष योग है (शेष पेज दो पर)

उत्तराखंडः धामी ने जनप्रतिनिधियों से जीएसटी पर जागरूकता बढ़ाने को कहा

धामी ने जीएसटी की नई दरों और स्वदेशी अभियान पर जनप्रतिनिधियों से जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा।

भारत अंडर–19 ने ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 को सात विकेट से हराया

सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों के बाद विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू और वेदांत त्रिवेदी के नाबाद अर्धशतकों से भारत अंडर–19 क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 को सात विकेट से हरा दिया।

ग्लोबल अय्यप्पा संघ अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने व्यक्त की आशा

केरल देवस्वओम मंत्री वी. एन. वासवन ने 'ग्लोबल अयप्पा संगम' में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजा गया संदेश शनिवार को पढ़ा, जिसमें उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संगम अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा।

शारदीय नवरात्र : प्रकृति को मातृभाव से पूजने का अनुपम अवसर

दुर्गा सप्तशती में भगवती स्वयं कहती हैं कि 'शारदीय नवरात्र में जो वार्षिक महापूजा का अनुष्ठान किया जाता है, उस अवसर पर देवी माहात्म्य अर्थात दुर्गा सप्तशती का पाठ व श्रवण करने से सभी मनुष्यों पर मेरी कृपा दृष्टि बनी रहती है।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बाद दीपिका ने शाहरुख के साथ शुरू की 'किंग' की शूटिंग

दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ अपनी आगामी फिल्म ''किंग'' की शूटिंग शुरू करने पर सोशल मीडिया पर दिल को छू जाने वाली एक पोस्ट लिखी। दीपिका और शाहरुख की यह छठी फिल्म होगी।

महलों का शहर मैसूर दशहरा उत्सव के लिए तैयार

वर्ष का वह समय एक बार फिर आ गया है, जब यह ऐतिहासिक नगरी सालाना दशहरा उत्सव की तैयारियों में रंग–बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सज उठती है।

जीएसटी कटौतीः साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी, तेल सस्ते होंगे

रोजमर्रा की जरूरतों का सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने के लिए अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की है।

'परमात्मा' शब्द नहीं;
जो तुम्हें पुस्तक में मिलेगा।
'परमात्मा' मूर्ति नहीं;
जो तुम्हें मंदिर में मिलेगी।
'परमात्मा' मनुष्य नहीं;
जो तुम्हें समाज में मिलेगा।
'परमात्मा' जीवन है;
जो तुम्हें अपने भीतर मिलेगा।

ग्राहक : वैसे आपके होटल में सफाई बहुत ध्यानपूर्वक की जाती है..
मैनेजर (खुश होकर) : धन्यवाद !
आपको किस बात से ऐसा एहसास हुआ ?
ग्राहक : ऐसा आभास तब हुआ जब किसी ने होटल में घुसते ही मेरी जेब की सफाई कर दी !!

रायसेन जिले के जनप्रतिनिधियों ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के समर्थन में प्रस्ताव पारित कियाः शिवराज

रायसेन, फोकस न्यूज, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के सभी जनप्रतिनिधियों ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया और ऐसा करने वाला यह देश का पहला जिला है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को जल्द ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा जाएगा क्योंकि लगातार होने वाले चुनाव भारत की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा हैं। चौहान ने एक बयान में कहा, "रायसेन की सभी पंचायत, परिषद, पालिका और जिला पंचायत ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कराने का अलग–अलग संकल्प पारित किया। इनमें 1 जिला पंचायत, 521 पंचायत, तीन नगर पालिका और नौ (शेष पेज दो पर)

सीएम सैनी ने राज्य की सड़क अवसंरचना को मजबूत करने के लिए नयी पहल शुरू की

हिसार, फोकस न्यूज, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बताया कि राज्य की सड़क अवसंरचना को मजबूत करने की एक नयी पहल के तहत सरकार 9,410 किलोमीटर लंबी 4,227 सड़कों की मरम्मत और उन्नयन के लिए 4,827 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मुख्यमंत्री ने यहां राज्य–स्तरीय कार्यक्रम में 'प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना' की शुरुआत की और इसे हरियाणा के बुनियादी ढांचे के विकास में ''स्वर्णिम अध्याय'' बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम करेगी, नागरिकों की पहुंच और राज्य की आर्थिक, सामाजिक एवं वाणिज्यिक प्रगति को गति देगी। परियोजना की शुरुआत के साथ ही 410 सड़कों का मरम्मत कार्य रविवार से प्रारंभ किया गया। सैनी ने कहा कि (शेष पेज दो पर)

युवा नशे की लत से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देंः सीएम मोहन चरण

भुवनेश्वर, फोकस न्यूज, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य के युवाओं से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आग्रह किया और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वे राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे। भुवनेश्वर में 'नमो युवा दौड़' की शुरुआत करते हुए माझी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नशा मुक्त भारत का आह्वान युवाओं को जागरुक करेगा। मुख्यमंत्री ने 'नमो युवा दौड़' को शुरू करते हुए नशामुक्त राष्ट्र का संदेश दिया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के अनेक संकल्पों ने देश की अनेक समस्याओं का समाधान किया है। गरीबी अब अपने न्यूनतम स्तर पर है। हम हर गांव तक बिजली और पेयजल पहुंचा रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि (शेष पेज दो पर)

विशेष अनुष्ठान देखने के लिए हजारों लोग समलेश्वरी मंदिर पहुंचे

संबलपुर (ओडिशा), फोकस न्यूज, महालय के अवसर पर देवता के 'धबलामुखी बेशा' (सफेद पोशाक) अनुष्ठान की एक झलक पाने के लिए रविवार को हजारों भक्त संबलपुर शहर के समलेश्वरी मंदिर में एकत्र हुए। देवी समलेश्वरी महालय को छोड़कर साल भर लाल पोशाक में रहती हैं। महालय के दिन लोग अपने पूर्वजों के लिए "पिंडदान" करते हैं। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए मंदिर के दरवाजे सुबह पांच बजे खोल दिए गए। जिले और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु देवी की 'धवल वेश' देखने के लिए तड़के से ही मंदिर के सामने कतार में खड़े हो गए। समलेश्वरी मंदिर न्यास बोर्ड के अध्यक्ष संजय बाबू ने बताया, ''महालय के दिन, देवी 'धबलामुखी बेशा' का श्रृंगार करती हैं, जिसे 'गंगा दर्शन' भी कहा जाता है। श्वेत स्वरूप में देवी का श्रृंगार करने में छह घंटे से ज्यादा का समय लगता है। देवी समलेश्वरी मंगलवार दोपहर तक 'धबलामुखी बेशा' में रहेंगी।" उन्होंने कहा कि पश्चिमी ओडिशा और पड़ोसी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, देवी के शांतिपूर्ण दर्शन के लिए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था भी (शेष पेज दो पर)

मोदी सरकार के नए जीएसटी रिफार्म्स आम आदमी की जिंदगी को खुशहाल कर देंगे : बिप्लब देब

नई दिल्ली, फोकस न्यूज, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मोदी सरकार के नए जीएसटी रिफार्म्स आम आदमी की जिंदगी को खुशहाल कर देंगे। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से लागू हो रहे नए जीएसटी सुधार से देश का आर्थिक विकास होगा साथ ही गरीब, मध्यमवर्ग, किसान, छात्र, व्यापारी और कारोबारियों को लाभ पहुंचेगा और आम लोगों को बड़ी बचत होगी। बिप्लब कुमार देब ने नवरात्रि पर्व की देशवासियों को शुभकामनाएं भी दी। बिप्लब देब ने कहा कि दशकों से देश की जनता अलग–अलग टैक्स के जाल में उलझी हुई थी। देश में दर्जनों टैक्स थे, कारोबारियों, व्यापारियों को टैक्सों के इस जाल से परेशानियों का सामना करना पड़ता था। श्री देब ने कहा कि जनता ने 2014 में भाजपा की सरकार बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनहित को ध्यान में रखते हुए आजाद भारत का सबसे बड़ा कर सुधार लागू कर दर्जनों करों के जाल से मुक्ति दिलाई। बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मोदी सरकार के लिए जनता सर्वोपरि है, इसलिए मोदी सरकार ने नए जीएसटी सुधार करके आम जन को राहत पहुंचाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किला की प्राचीर से जो वादा किया था वह पूरा किया। नवरात्रि के पहले दिन से ही नए जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। उन्होंने (शेष पेज दो पर)

शारदीय नवरात्रि में दिन के अनुसार पहनें वस्त्र, जानें दुर्गा मां के नौ रूपों के 9 प्रिय रंग और इनका महत्व

शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों में भक्त नवदुर्गा पूजन करते हैं। इन नौ दिनों में पूजा के साथ ही आपको दिन के अनुसार रंग पहनने चाहिए। माता दुर्गा के नौ रूपों को नौ अलग–अलग तरह के रंग पसंद हैं। ऐसे में अगर आप माता के प्रत्येक रूप के अनुसार वस्त्र करते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा आपको प्राप्त होती है। आइए जान लेते हैं नवदुर्गा के प्रिय रंगों के बारे में।

मां शैलपुत्री का प्रिय रंगः मां दुर्गा का पहला स्वरूप शैलपुत्री माता हैं। नवरात्रि के पहले दिन इनकी पूजा की जाती है। मां शैलपुत्री को प्रसन्न करने (शेष पेज दो पर)

पहले दिन ऐसे करें मां शैलपुत्री की पूजा, मंत्र से आरती तक सब कुछ है यहां

दुर्गा पूजा के दौरान नवरात्रि में पहले दिन मां शैलपुत्री के स्वरूप को पूजा जाता है. ऐसी मान्यता है कि माता शैलपुत्री की पूजा से मनोकामनाएं पूरी होती हैं. आइए हम आपको बताते हैं कि शारदीय नवरात्रि के पहले दिन देवी शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा कैसे की जानी चाहिए, पूजा की विधि क्या है, माता का मंत्र और उन्हें किस चीज का भोग लगाना चाहिए. मां दुर्गा सभी दुखों को हरने वाली हैं. वे अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करती तथा उनकी हर मनोकामना पूरी करती हैं. इतना ही नहीं दुर्गा मां का नाम लेने से ही सारे कष्टों का निवारण अपने आप ही हो जाता है. नवरात्रि में दुर्गा पूजा के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है. मार्कण्डेय पुराण के (शेष पेज दो पर)

हर घर.... (पेज एक का शेष) उत्सव' शुरू होगा।'' उन्होंने आगे कहा, ''आप अपनी पसंद की वस्तुएं ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे... इससे गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवा, किसान, महिलाएं, व्यापारी और दुकानदार लाभान्वित होंगे।'' मोदी ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी की खुशियां बढ़ेंगी। उन्होंने अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लिए सभी को बधाई दी। मोदी ने कहा, ''ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत ने 2017 में जीएसटी सुधारों की ओर कदम बढ़ाया, तो इतिहास रचने की एक नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने 'एक राष्ट्र–एक कर' के सपने को साकार किया। मोदी ने इस बात का उल्लेख भी किया कि कैसे करों और टोल के जाल ने व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए कठिनाइयां पैदा की हैं। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट और जीएसटी सुधारों का हवाला देते हुए कहा कि यह गरीबों, नव–मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए दोहरा लाभ है। उन्होंने कहा कि इन दोनों फैसलों से नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी सुधारों से छोटे और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बड़ा लाभ होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों से स्वदेशी सामान बेचने और खरीदने में गर्व महसूस करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी आंदोलन की तरह, भारत की समृद्धि भी स्वदेशी के मंत्र से मजबूत होगी। जीएसटी सुधारों के लागू होने से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, दवाओं और उपकरणों से लेकर ऑटोमोबाइल तक, लगभग 375 वस्तुओं पर दरें सोमवार से घट जाएंगी। उपभोक्ताओं को एक बड़ा तोहफा देते हुए, केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर, यानी नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी की दरें कम करने का फैसला किया था। मोदी ने अपने 19 मिनट से ज्यादा के संबोधन में कहा कि संशोधित जीएसटी दरें उनकी सरकार के ''नागरिक देवो भवः'' के मंत्र को दर्शाती हैं, क्योंकि इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम कम होंगे और निर्माण एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों में खर्च में कटौती होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भारत के सूक्ष्म, लघु और कुटीर उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और उन्होंने देश में ही यथासंभव विनिर्माण का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपने विकल्पों को लेकर अधिक जागरूक होने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विदेशी मूल की वस्तुएं अनजाने में लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई हैं, और उन्होंने लोगों से स्वदेशी पृष्ठभूमि वाले उत्पाद खरीदने का आह्वान किया। मोदी ने जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में उद्योग जगत की अग्रणी भूमिका पर भी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि नए ढांचे के तहत, मुख्य रूप से केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत के कर स्लैब ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत के खाद्य पदार्थ, दवाएं, साबुन, मंजन, टूथपेस्ट, स्वास्थ्य और जीवन बीमा या तो कर–मुक्त होंगे या उन पर केवल पांच प्रतिशत कर लगेगा। उन्होंने कहा कि पहले 12 प्रतिशत कर वाली लगभग 99 प्रतिशत वस्तुएं अब पांच प्रतिशत कर दायरे में आती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों से नागरिक और व्यापारी करों के एक जटिल जाल में उलझे हुए थे। मोदी ने 2014 में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद एक विदेशी समाचार पत्र में पढ़ी एक खबर का जिक्र किया, जिसमें लिखा था कि एक कंपनी को करों की अधिकता के कारण 570 किलोमीटर की दूरी पर बेंगलुरु से हैदराबाद तक माल पहुंचाना, अपने उत्पादों को यूरोप भेजने और फिर वापस हैदराबाद लाने की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण लगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्यों सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर उनकी चिंताओं को दूर करने और 2017 में ''एक राष्ट्र एक कर'' लागू करने के लिए उन्हें सहमत करने का काम किया।

यह सुनिश्चित... (पेज एक का शेष) प्रकार विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के योगदान से छोटे–छोटे प्रयास बड़े बदलाव लाते हैं। शाह ने कहा, "इस तरह, एक दिन हम निश्चित रूप से उनके (दिव्यांगों) लिए एक अच्छा जीवन और करियर सुनिश्चित कर पाएंगे।" गृह मंत्री ने दिव्यांग समुदाय से जुड़े मुद्दों के समाधान और उनके प्रति नजरिया बदलने के लिए सरकार के प्रयासों का भी जिक्र किया। साल 2015 में "विकलांग" शब्द की जगह "दिव्यांग" शब्द इस्तेमाल किया गया, जिसका अर्थ है दिव्य शरीर। शाह ने कहा, "शब्द के इस एक परिवर्तन ने लोगों और सरकारों के दृष्टिकोण को बदल दिया।" उन्होंने कहा, "हमें एक ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिसके तहत यह सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी हो कि दिव्यांग राष्ट्र निर्माण में योगदान दें और जीवन में आगे बढ़ें।"

विशेष अनुष्ठान... (पेज एक का शेष) की गई है। महालय के बाद सोमवार से समलेश्वरी मंदिर में नवरात्र पूजा शुरू होगी और नौ दिनों तक चलेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और विपक्ष के नेता एवं बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने महालय के अवसर पर ओडिशा के लोगों को शुभकामनाएं दीं और मां दुर्गा के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना की।

युवा नशे... (पेज एक का शेष) मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाएं देश को आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे ले जा रही हैं। माझी ने युवाओं से शराब, धूम्रपान या नशे की लत से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि यह न केवल एक व्यक्ति को बर्बाद करता है बल्कि परिवारों को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा, ''नशे की लत पढ़ाई में असफलता, स्वास्थ्य पर बुरा असर और आपराधिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती है। नशे में डूबा युवा अपने माता–पिता के सपनों को चकनाचूर कर समाज और देश के लिए बोझ बन जाता है।"

मोदी सरकार... (पेज एक का शेष) कहा कि देश की जनता को मोदी सरकार का यह बड़ा उपहार है। यह जीएसटी उत्सव जनता की बचत को बढ़ाएगा, प्रदेश के हर गरीब, मध्यम वर्ग, किसान व सभी परिवार को इसका लाभ मिलेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से तरक्की कर रहा है। अब जीएसटी रिफार्म से भारत की अर्थ व्यवस्था विश्व मे तजी से आगे बढ़ेगी। सामान्य लोगों की खरीद पॉवर बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने की दिशा में मोदी सरकार का यह बहुत बड़ा कदम है।

शारदीय नवरात्रि... (पेज एक का शेष) के लिए आपको नारंगी रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग ऊर्जा और प्रसन्नता का प्रतीक माना गया है।

मां ब्रह्मचारिणी का प्रिय रंगः माता ब्रह्मचारिणी का प्रिय रंग सफेद है। इसलिए नवरात्रि के दूसरे दिन आपको सफेद रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग पवित्रता का प्रतीक माना जाता है।

मां चंद्रघंटा का प्रिय रंगः माता दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा को लाल रंग अतिप्रिय है। नवरात्रि के तीसरे दिन आपको लाल रंग के कपड़े धारण करने से ऊर्जा और शक्ति प्राप्त होती है।

मां कुष्मांडा का प्रिय रंगः नवरात्रि के चौथे दिन नीले रंग के वस्त्र आपको धारण करने चाहिए। माता कुष्मांडा को यह रंग अतिप्रिय है। यह रंग स्थिरता और न्याय का प्रतीक माना जाता है।

स्कंदमाता का प्रिय रंगः माता स्कंदमाता की पूजा नवरात्रि के पांचवे दिन की जाती है। स्कंदमाता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपको पांचवे दिन पीले रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग माता को अतिप्रिय है। इस रंग को ज्ञान और शुभता का प्रतीक माना जाता है।

मां कात्यायनी का प्रिय रंगः मां कात्यायनी को हरा रंग बेहद प्रिय है, इसलिए नवरात्रि के छठे दिन हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए। हरे रंग को विकास, समृद्धि और प्रकृति का प्रतीक माना जाता है।

मां कालरात्रि का प्रिय रंगः नवरात्रि के सातवें दिन आपको स्लेटी रंग के कपड़े धारण करने चाहिए। यह रंग माता कालरात्रि को प्रिय है। यह रंग इंद्रिय संतुलन का प्रतीक माना जाता है।

मां महागौरी का प्रिय रंगः माता महागौरी की पूजा नवरात्रि के आठवें दिन की जाती है। इस दिन मां महागौरी के प्रिय बैंगनी रंग के कपड़े आपको धारण करने चाहिए। यह रंग आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

मां सिद्धिदात्री का प्रिय रंगः माता सिद्धिदात्री को प्रसन्न करने के लिए नवरात्रि के अंतिम दिन आपको जामुनी रंग के कपड़े धारण करने चाहिए। यह रंग माता को प्रिय है। इस रंग को पूर्णता और सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

सीएम सैनी... (पेज एक का शेष) सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी ठेकेदार या अधिकारी की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और यह भी दोहराया कि जनता का धन केवल जनता के हित में ही खर्च होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर दिया गया सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन सेवा, समर्पण और दृढ़ संकल्प का जीवंत उदाहरण है। मोदी 17 सितंबर को 75 साल के हो गये। इस राज्यव्यापी पहल को शुरू करते हुए सैनी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश में सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा, ''रक्षा गलियारा से लेकर मालवाहक गलियारा तक और भारतमाला से लेकर सागरमाला तक सरकार सड़क, रेल और हवाई पहुंच का विस्तार मिशन मोड में कर रही है।'' सैनी ने कहा कि यह परियोजना परिवहन लागत कम करेगी, प्रदूषण घटाएगी, ईंधन की बचत करेगी और उद्योग एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देगी। हरियाणा में बीते 11 वर्षों के दौरान सड़क और रेल अवसंरचना में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 43,703 किलोमीटर सड़कों का 28,651 करोड़ रुपये की लागत से सुधार किया गया है, जबकि 2,417 किलोमीटर नयी सड़कें 2,534 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अतिरिक्त 2,432 किलोमीटर सड़कें 1,077 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गईं। सैनी ने बताया कि रेल अवसंरचना के बारे में उन्होंने कहा कि हरियाणा में कुल 759 रेलवे क्रॉसिंग हैं, जिनमें से 167 स्वचालित हैं। उन्होंने बताया कि बीते 11 वर्षों में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास बनाए गए हैं, जबकि 1,026 करोड़ रुपये की लागत से 47 और का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि ''डबल इंजन'' सरकार के तहत हरियाणा में 21 नए राष्ट्रीय राजमार्गों को मंजूरी मिली है, जिनमें से 12 राजमार्गों का काम पूरा हो चुका हैं।

रायसेन जिले... (पेज एक का शेष) नगर परिषद शामिल हैं।" उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, "भारत के विकास और प्रगति में सबसे बड़ी बाधा लगातार होने वाला चुनाव है। इसलिए संविधान में संशोधन कर लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ कराया जाना चाहिए।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "ये सभी प्रस्ताव राष्ट्रपति जी के पास भेजे जाएंगे। अगर सभी चुनाव एक साथ कराए जाएं तो जातिवाद और भाषावाद जैसी चीजें कम होंगी।" चौहान ने माल एवं वस्तु कर (जीएसटी) की दरों में सुधार पर व्यापारियों व किसानों से चर्चा की और कहा कि इस कदम से अलग–अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमत में 23 हजार रुपये से लेकर 63 हजार रुपये तक की भारी कमी होगी।

पहले दिन.... (पेज एक का शेष) अनुसार देवी का यह नाम हिमालय के यहां जन्म होने से पड़ा. हिमालय हमारी शक्ति, दृढ़ता, आधार व स्थिरता का प्रतीक है. मां शैलपुत्री को अखंड सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है. नवरात्रि के पहले दिन भक्त, श्रद्धालु और देवी के उपासक योग साधना भी करते हैं.

माता का मंत्र : शैलपुत्री का आराधना करने से जीवन में स्थिरता आती है हिमालय की पुत्री होने से यह देवी प्रकृति स्वरूपा भी है. माता को पीला रंग पसंद है. स्त्रियों के लिए उनकी पूजा करना ही श्रेष्ठ और मंगलकारी है. मां शैलपुत्री का मंत्र इस प्रकार हैः–

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्

अर्थात्– देवी वृषभ पर विराजित हैं. शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल है और बाएं हाथ में कमल पुष्प सुशोभित है. यही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं. नवरात्रि के प्रथम दिन देवी उपासना के अंतर्गत शैलपुत्री का पूजन करना चाहिए. इसके अलावा ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ॐ शैलपुत्री देव्यै नमः मंत्र का जाप भी कर सकते हैं.

हमारे जीवन प्रबंधन में दृढ़ता, स्थिरता व आधार का महत्व सर्वप्रथम है. इसलिए नवरात्रि के पहले दिन हमें अपने स्थायित्व व शक्तिमान होने के लिए माता शैलपुत्री से प्रार्थना करनी चाहिए.

माता शैलपुत्री पूजन विधि : सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद साफ और स्वच्छ वस्त्र धारण करें. सबसे पहले गणेश भगवान का आह्वान कीजिए, इसके बाद लाल रंग का फूल लेकर माता शैलपुत्री का आह्वान करें. माता को अक्षत, सिंदूर, धूप, गंध, पुष्प चढ़ाएं. शैलपुत्री मंत्रों का जप करें. घी से दीपक जलाइए. माता की आरती करें. शंख–घंटी बजाएं, माता को प्रसाद अर्पित करें.

मां शैलपुत्री का भोग : माता शैलपुत्री को गाय के घी से बनी शुद्ध सात्विक चीजों का भोग लगाना चाहिए. ऐसी मान्यता है कि माता दुर्गा को गाय के घी से बने खाद्य पदार्थ बेहद प्रिय हैं. गाय के घी से बने हलवे से मां शैलपुत्री को भोग लगा सकते हैं.

देवी शैलपुत्री जी की आरती

शैलपुत्री माँ बैल असवार। करें देवता जय जय कार॥
शिव–शंकर की प्रिय भवानी। तेरी महिमा किसी ने न जानी॥
पार्वती तू उमा कहलावें। जो तुझे सुमिरे सो सुख पावें॥
रिद्धि सिद्धि परवान करें तू। दया करें धनवान करें तू॥
सोमवार को शिव संग प्यारी। आरती जिसने तेरी उतारी॥
उसकी सगरी आस पुजा दो। सगरे दुःख तकलीफ मिटा दो॥
घी का सुन्दर दीप जला के। गोला गरी का भोग लगा के॥
श्रद्धा भाव से मन्त्र जपायें। प्रेम सहित फिर शीश झुकायें॥
जय गिरराज किशोरी अम्बे। शिव मुख चन्द्र चकोरी अम्बे॥
मनोकामना पूर्ण कर दो। चमन सदा सुख सम्पत्ति भर दो॥

दुर्गा शब्द का अर्थ

देवी पुराण में दुर्गा शब्द का व्यापक अर्थ बताया गया है उसके अनुसार–

दैत्यनाशार्थवचनो दकारः परिकीर्तितः
उकारो विघ्ननाशस्य वाचको वेदसम्मतः
रेफो रोगघ्नवचनो गच्छ पापघ्नवाचकः
भयशत्रुघ्नवचनश्चाकारः परिकीर्तितः

इस श्लोक के अनुसार दुर्गा शब्द में द अक्षर दैत्यनाशक, उ अक्षर विघ्ननाशक, रेफ रोगनाशक, ग कार पापनाशक तथा आ कार शत्रुनाशक है. इसीलिए मां दुर्गा को दुर्गतिनाशिनी भी कहते है. जो भी मां दुर्गा की सच्चे मन से भक्ति करता है माता उसके सभी दुःख दूर कर उसे अपनी शरण में ले लेती हैं.

सुबह... (पेज एक का शेष) कि मां जगदंबा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं और नरवाहन पर विराजमान होंगी। शास्त्रों के अनुसार यह योग सुख–शांति का प्रतीक माना गया है। नवरात्रि का यह पावन पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है और विजयादशमी के साथ इसकी पूर्णाहुति होती है।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

उत्तराखंडः धामी ने जनप्रतिनिधियों से जीएसटी पर जागरूकता बढ़ाने को कहा

देहरादून, फोकस न्यूज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 22 सितंबर से लागू होने वाली जीएसटी की नई दरों और स्वदेशी अभियान पर जनप्रतिनिधियों से जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये प्रदेश के मंत्रियों, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि नई दरों का लाभ आम जनता और व्यापारिक समुदाय तक तेजी से पहुंचाने के लिए प्रदेश में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से 22 से 29 सितंबर तक अपने–अपने क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रभारी मंत्री अपने जिलों में तथा विधायक अपनी विधानसभाओं में अभियान का नेतृत्व करेंगे। देश और राज्य की आर्थिक शक्ति को बढ़ाने में प्रत्येक नागरिक के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए धामी ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि स्वयं इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं और इसे जन अभियान का स्वरूप दें। मुख्यमंत्री ने नए कर ढ़ाचे को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नयी जीएसटी दरों से उत्तराखंड के अंब्रेला ब्रांड ''हाउस ऑफ हिमालयाज'' और जीआई टैग प्राप्त 27 उत्पाद, एक जनपद दो उत्पाद योजना तथा अन्य स्थानीय हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे आत्मनिर्भर उत्तराखंड की परिकल्पना को साकार करने में सहयोग मिलेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मोटर दुर्घटना दावों के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का डैशबोर्ड लॉन्च किया

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार को मध्यप्रदेश की न्यायपालिका के लिए एक डिजिटल डैशबोर्ड लॉन्च किया, जो मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए मुआवजे से संबंधित सभी सूचनाएं प्रदान करने वाले मंच के रूप में काम करेगा।एक बयान के मुताबिक, "शीर्ष अदालत के 22 अप्रैल 2025 के आदेश के अनुपालन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने 'मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के लिए दावेदार प्रतिपूर्ति और जमा प्रणाली की खातिर डैशबोर्ड' विकसित किया है।" उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि "ई–कोर्ट परियोजना के केंद्रीय परियोजना समन्वयक, या उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार (कंप्यूटर/आईटी), संबंधित राज्य सरकारों की सहायता से एक डिजिटल डैशबोर्ड बनाएंगे।" बयान में कहा गया है, "डैशबोर्ड एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा, जहां मोटर वाहन अधिनियम और कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के तहत दिए गए मुआवजे के संबंध में जमा की गई राशि से जुड़ी जानकारी को पूर्ण विवरण के साथ नियमित रूप से अपलोड किया जाएगा।" न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह मंच आम नागरिकों को न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया को तीव्र, सरल और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। उन्होंने कहा, "जो परिवार पहले से ही दुर्घटना के दर्द से जूझ रहे हैं, उन्हें उनका हक पाने के लिए देरी या जटिल प्रक्रियाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। मध्यप्रदेश की न्यायपालिका ने इस प्रणाली को शीघ्रता और प्रभावी ढंग से लागू करने में उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखाई है। उनका कदम अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।"

टिकाऊ स्टार्टअप के लिए उद्योग संपर्क, निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्यः जितेंद्र सिंह

जम्मू, फोकस न्यूज, भारत के टिकाऊ स्टार्टअप और आर्थिक वृद्धि के लिए उद्योग संपर्क और निजी क्षेत्र की भागीदारी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को यह बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने यहां 'लीड इम्पैक्ट कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने और भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप आजीविका के एक आकर्षक और स्थायी स्रोत के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, ''1.70 लाख स्टार्टअप के साथ, भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इनमें से लगभग 60,000 स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं, जो सफल कृषि उद्यमी बन गई हैं।'' मंत्री ने प्रासंगिक क्षेत्रों में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने आने वाले वर्षों में प्रासंगिक विषयों पर शोध की वकालत करते हुए कहा कि अगली क्रांति जैव–चालित होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया आने वाले समय में भारत से नेतृत्व की भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की प्रगति की समीक्षा की

अहमदाबाद, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद जिले के लोथल में निर्माणाधीन राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो में मोदी एनएमएचसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिखाई दिए, जिसका विकास 4,500 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। लोथल कभी सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था, और 5,000 वर्ष पूर्व एक संपन्न बंदरगाह और जहाज मरम्मत केंद्र था। अधिकारियों ने बताया कि एनएमएचसी का विकास देश की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के लिए किया जा रहा है।

हिमाचल सरकार बिजली बोर्ड में 2600 युवाओं की भर्ती करेगी

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश सरकार ने बिजली बोर्ड में फील्ड कर्मचारियों की कमी को दूर करने और बिजली सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए 2,600 से अधिक युवाओं की नियुक्ति को मंजूरी दी है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि 1,602 चयनित अभ्यर्थियों को 'बिजली उपभोक्ता मित्र' तथा 1,000 को टी–मेट्स के रूप में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) में भर्ती किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''वर्तमान में टी–मेट्स के 4,009 स्वीकृत पद हैं जिनमें से 3,049 रिक्त हैं, जिससे संचालन और सेवाओं की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने सर्कल स्तर पर खाली पदों के लिए 1,602 बिजली उपभोक्ता मित्र और 1,000 टी–मेट्स की भर्ती करने का निर्णय लिया है।'' प्रवक्ता ने बताया कि बिजली उपभोक्ता मित्र की नियुक्ति एक अधिकृत सरकारी एजेंसी द्वारा उन पात्र उम्मीदवारों में से की जाएगी, जिन्होंने मैट्रिक उत्तीर्ण कर रखी है और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से विद्युत/वायरमैन ट्रेड में आईटीआई प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। आवेदकों के लिए निर्धारित आयु सीमा 18 से 30 वर्ष है। उन्होंने कहा कि फील्ड कर्मचारी एचपीएसईबीएल की रीढ़ है, जो बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है और आपदाओं के दौरान क्षतिग्रस्त ढांचे की मरम्मत कर बिजली बहाल करने में अहम भूमिका निभाता है।

दिल्ली को शिक्षा केंद्र के रूप में परिवर्तित किया जाएगाः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी को शिक्षा के केंद्र में बदलना है। उन्होंने कहा कि यहां भारी उद्योगों पर प्रतिबंधों के कारण इसे औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित नहीं किया जा सकता, लेकिन यह सीखने के लिए सबसे प्रमुख स्थान बन सकता है। रेखा गुप्ता ने करमपुरा स्थित बी.आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) के परिसर में स्वामी विवेकानन्द भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा, ''हम दिल्ली को शिक्षा केंद्र बनाने पर काम कर रहे हैं। शिक्षा के लिए सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहे विद्यार्थियों को सबसे पहले दिल्ली के बारे में सोचना चाहिए। हमें अपनी व्यवस्था को इतना मजबूत बनाना होगा कि हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की ज़रूरत ही न पड़े।'' उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे गर्व है कि हमने अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आंबेडकर विश्वविद्यालय के विवेकानंद भवन का उद्घाटन किया है।'' शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विश्वविद्यालय की संपर्क संबंधी पहल जिक्र करते हुए कहा, ''एयूडी केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है। इसने सात झुग्गी बस्तियों और गांवों को गोद लिया है। बच्चों को शिक्षा और विकास प्रदान कर रहा है।''

तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने पन्नीरसेल्वम व दिनाकरण को राजग में वापस लाने पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई

सेलम, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने रविवार को यहां अन्नाद्रमुक महासचिव ई. के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम और एएमएमके को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस लाने की संभावना पर कोई प्रतिबद्धता जताने से इनकार कर दिया। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख के साथ बैठक को ''शिष्टाचार भेंट'' बताया और उनके साथ राजनीति पर चर्चा करने से इनकार किया। पत्रकारों ने नागेंद्रन से पूछा कि पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक नेता एस. रामदास का गुट कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का समय मांग रहा है और आरोप लग रहे हैं कि भाजपा अन्य दलों के अंदरूनी मामलों में दखल दे रही है। इस पर नागेंद्रन ने कहा, "भाजपा किसी भी राजनीतिक दल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।"

राजकीय सम्मान के साथ जुबीन का अंतिम संस्कार किया जाएगाः असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी, (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार 23 सितंबर को गुवाहाटी के पास एक गांव में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।शर्मा ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि उनके परिवार की इच्छा थी कि जुबीन का अंतिम संस्कार गुवाहाटी या उसके आसपास किया जाए। इसे ध्यान में रखते हुए कैबिनेट बैठक में कमरकुची एनसी गांव में अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि ऊपरी असम के जोरहाट शहर के लोगों की ओर से भी मांग उठी थी कि जुबीन का अंतिम संस्कार वहीं किया जाए। इस क्षेत्र में जुबीन ने अपने जीवन के शुरुआती कुछ पल बिताए थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने दोनों प्रस्तावों पर चर्चा की। जुबीन सरकार से संबंधित नहीं थे, इसलिए उनके परिवार की इच्छा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।'' राज्य सरकार ने पहले 22 सितंबर तक तीन दिन का शोक घोषित किया था लेकिन जुबीन के अंतिम संस्कार की तारीख के मद्देनजर राजकीय शोक को एक और दिन के लिए बढ़ा दिया गया। शर्मा ने बताया कि सिंगापुर सरकार ने गायक का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया है, जिसमें मृत्यु का कारण डूबना बताया गया है।

जीएसटी कटौतीः पतंजलि फूड्स ने उत्पादों की कीमत घटाई, सोयाबीन बड़ी 20 रुपये किलो सस्ती

नयी दिल्ली, (भाषा) पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने सोमवार से सोयाबीन बड़ी सहित विभिन्न उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में कमी की है। कंपनी ने जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने के तहत यह कदम उठाया। पतंजलि फूड्स ने रविवार को एक बयान में जीएसटी युक्तिकरण के अनुरूप अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के एमआरपी को कम करने की जानकारी दी। बयान में कहा गया कि संशोधित कीमतें खाद्य और गैर–खाद्य श्रेणियों की पूरी श्रृंखला पर लागू होंगी। पतंजलि फूड्स ने सोयाबीन बड़ी की कीमतें भी घटाई हैं। न्यूट्रेला चंक्स, मिनी चंक्स और ग्रैन्यूल्स (एक किलो पैक) सोमवार से 190 रुपये में बिकेंगे, जो अभी 210 रुपये में मिलते हैं। इसके अलावा 200 ग्राम वाले पैक में तीन रुपये की छूट मिलेगी। बिस्कुट और कुकीज श्रेणी में दूध बिस्कुट (35 ग्राम) की एमआरपी पांच रुपये से घटाकर 4.5 रुपये कर दी गई है। नूडल्स में पतंजलि ट्विस्टी टेस्टी नूडल्स (50 ग्राम) अब 10 रुपये की जगह 9.35 रुपये में बेचा जाएगा। पतंजलि फूड्स ने दांतों और बालों की देखभाल के उत्पादों की दरें भी कम कर दी हैं। दंत कांति नेचुरल टूथपेस्ट 200 ग्राम की एमआरपी 120 रुपये से घटाकर 106 रुपये कर दी गई है। केश कांति आंवला हेयर ऑयल (100 मिली) की खुदरा कीमत सोमवार से 48 रुपये से घटकर 42 रुपये हो जाएगी। इसी प्रकार, स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पादों में आंवला जूस (एक लीटर) सोमवार से 140 रुपये में बेचा जाएगा, जबकि वर्तमान में इसकी कीमत 150 रुपये है। सोमवार से स्पेशल च्यवनप्राश के एक किलोग्राम पैक की कीमत 337 रुपये होगी, जो अभी 360 रुपये है। डेयरी उत्पादों में पतंजलि ने गाय के घी (900 मिली) की कीमत 780 रुपये से घटाकर 732 रुपये कर दी है।

अभिनेता विजय ने रैलियों के लिए शर्तें थोपने पर द्रमुक सरकार की आलोचना की

नागपट्टिनम (तमिलनाडु), (भाषा) अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम के संस्थापक विजय ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर उनके दल की राजनीतिक बैठकों के लिए कथित तौर पर कई शर्तें लगाने का आरोप लगाया साथ ही प्रश्न किया कि क्या सरकार प्रधानमंत्री या गृह मंत्री की यात्राओं के दौरान ऐसी शर्तें थोपने का साहस करेगी। विजय ने यहां पुथुर में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी स्वतंत्र आवाजाही पर रोक लगा दी है और यहां तक कि बिजली आपूर्ति भी बाधित की है। विजय ने कहा, '' मुख्यमंत्री महोदय, क्या आप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के दौरे के दौरान शर्तें लगाएंगे या बिजली आपूर्ति बाधित करेंगे जैसा टीवीके के साथ किया ? मुझ पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं...।'' उन्होंने कहा कि अगर द्रमुक सरकार प्रधानमंत्री या गृह मंत्री के दौरे में इस तरह के हथकंडे अपनाएगी तो उसे मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, '' मैं लोगों से मिलना चाहता हूं, आप मुझ पर शर्तें क्यों थोप रहे हैं । मैं आपको फिर से बता दूं कि 2026 में मुकाबला सिर्फ़ टीवीके और द्रमुक के बीच है।''

धरती का सच और हमारा कल

इंसान का इतिहास दो तस्वीरों में बँटा है। पहली तस्वीर– जिसमें इंसान खेतों में अनाज उगाता है, पुल बनाता है, नदियों पर बाँध खड़ा करता है, बीमार का इलाज करता है, और बच्चों को पढ़ाता है। दूसरी तस्वीर– जिसमें वही इंसान धरती के टुकड़े करता है, दूसरों को नीचा दिखाने के लिए हथियार बनाता है, और अपने छोटे स्वार्थों के लिए लाखों की जान लेता है। हमारी सभ्यता की शुरुआत सहयोग से हुई थी। जब हम शिकारी–फ़सल काटने वाले समाज से आगे बढ़े, तो एक–दूसरे पर निर्भर रहने की आदत बनी लेकिन समय बीतते–बीतते हमने अपनी पहचान को छोटे–छोटे खाँचों में बाँट दिया– जाति, धर्म, भाषा, प्रांत और देश। अब यह खाँचे दीवारों में बदल गए हैं और उन दीवारों को गिराने की जगह हम उन्हें और ऊँचा कर रहे हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक छोटा गाँव। गली के नुक्कड़ पर चायवाले की केतली हमेशा खौलती रहती है। **यहीं एक दिन एक बाहरी आदमी आया। उसने धीरे–धीरे कुछ घरों में बैठना शुरू किया। वह कहता–** "तुम्हारा धर्म अलग है, तुम्हारी पूजा अलग है। पड़ोसी तुम्हारे भाई नहीं हो सकते।"उनका धर्म अलग है । हम लोगों का धर्म अलग है। हमलोग गाय की पूजा करते हैं, वे लोग उसे काटकर खाते हैं। इसी तरह की बहुत सारी एकदूसरे धर्म वाले से नफ़रत की बातें करते ।

पहले लोग हँसकर बात टाल देते, लेकिन बीज बो दिया गया था। महीनों में शक की बेल फैल गई। त्योहारों की मिठाई का आदान–प्रदान बंद हो गया। एक दूसरे के पर्व त्योहार पर आना जाना खत्म सा हो गया। एक दिन किसी छोटी बात पर मारपीट हो गई। गाँव के बीच दीवार खिंच गई। जो कल तक एक–दूसरे की फसल काटने में मदद करते थे, अब बात तक नहीं करते। यह कहानी सिर्फ़ उस गाँव की नहीं– यह हर जगह हो रही है।

इंसान ने चाँद पर झंडा गाड़ दिया, मंगल की मिट्टी का नमूना ला लिया, और समुद्र की गहराई में कैमरे उतार दिए लेकिन यही इंसान अगर चाह ले, तो एक बटन दबाकर पूरी धरती को राख में बदल सकता है।

दुनिया में इतने परमाणु हथियार जमा हो चुके हैं कि धरती को सौ बार नष्ट किया जा सकता है। यह वही इंसान है जिसने कभी आग जलाना सीखा था ताकि खाना पका सके।

अब वही आग, बस्तियाँ जलाने में लग रही है। हथियार बनाने की दौड़ ऐसी है कि हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं जबकि लाखों बच्चे भूख से मरते हैं।

ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की 1% आबादी के पास 90% संपत्ति है। मतलब, अगर 100 लोगों का एक गाँव हो तो सिर्फ़ एक आदमी के पास सब खेत, कुएँ और गोदाम हों और बाकी 99 लोग रोटी के लिए तरसें।

एक रात मैंने अपने आँखों से देखा– एक होटल के पीछे, जहाँ बचे खाने के डिब्बे फेंके जा रहे थे, एक माँ अपने बच्चे को उस जूठन से निकाल कर अपने खुद खा रही और बच्चे को खिला रही है।

यह सिर्फ भूख की कहानी नहीं, यह इंसानियत की नाकामी है।

इतिहास गवाह है– जंग में जीत कोई नहीं पाता। हार हर किसी की होती है।

1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराया गया। पलक झपकते ही शहर खाक हो गया। जो बचे, उनके शरीर जल गए और आने वाली पीढ़ियाँ विकलांग पैदा हुईं।

शांति में, हम मिलकर बैठते हैं, विवाद सुलझाते हैं, और ऐसा भविष्य बनाते हैं जहाँ बच्चों को डरकर सोना न पड़े। लेकिन शांति के लिए हिम्मत चाहिए– कृजंग छेड़ना आसान है, शांति बनाना कठिन।

हममें से ज़्यादातर लोग अपने–अपने छोटे फायदे में उलझे रहते हैं। कोई पद के लिए लड़ रहा है, कोई ठेके के लिए, कोई मुनाफ़े के लिए।

इन छोटे स्वार्थों में हम भूल जाते हैं कि इंसान होने का एक बड़ा मक़सद भी हैकृ धरती को समझना, उसके रहस्यों को जानना, और उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सँभालकर रखना।

विज्ञान का मतलब केवल मोबाइल, कार या मशीन बनाना नहीं है। विज्ञान का असली मक़सद है– प्रकृति को समझना और इंसानियत की भलाई करना।

जब न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण खोजा, तो उसका मक़सद युद्ध नहीं था। जब लुई पाश्चर ने टीके बनाए, तो उनका लक्ष्य बीमारी मिटाना था।

आज हमें विज्ञान को हथियार की फैक्ट्रियों से निकालकर खेतों, स्कूलों और अस्पतालों में लाना होगा।

मैंने सांसद और किसान नेता राजाराम सिंह को कहते सुना– "अगर मेरे पास उतनी ताक़त होती जितनी बड़े देशों के पास है, तो मैं उससे हर खेत तक पानी पहुँचाता, सूखी ज़मीन को हरा करता, और हर भूखे को खाना देता।"

यही असली ताक़त है– किसी को गिराने के लिए नहीं, बल्कि सबको उठाने के लिए। बिहार का एक गाँवकृजहाँ एक डॉक्टर ने अपनी क्लिनिक मुफ्त खोल दी क्योंकि पास का अस्पताल बंद था।

राजस्थान का कस्बाकृजहाँ सब धर्मों के लोग मिलकर तालाब की खुदाई करते हैं। ये छोटी मिसालें बताती हैं कि शांति और सहयोग कोई सपना नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की मेहनत है।

हम अपने बच्चों को क्या देंगे?

हथियारों से भरी दुनिया या हरे–भरे खेतों वाली धरती?

निर्णय आज करना होगा, कल देर हो जाएगी।

धरती का सच यही है कि यह सबकी है। हमारा कल तभी सुरक्षित होगा जब हम इसे सबके लिए बचाए रखेंगे।

विज्ञान और इंसानियत साथ चलेंगे तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें धन्यवाद देंगी वरना वे हमें श्राप देंगी कि हमने उनके लिए सिर्फ राख और आँसू छोड़े।

उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान में सैन्य अभियान में सात आतंकवादी मारे गएः सेना

पेशावर, (भाषा) उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक खुफिया–आधारित अभियान के दौरान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान' के सात आतंकवादी मारे गए। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद दक्षिणी वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले में शनिवार को यह अभियान चलाया गया। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि सुरक्षाबलों द्वारा मारे गए सात आतंकवादियों में से तीन अफगान नागरिक और दो आत्मघाती हमलावर थे। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगान तालिबान द्वारा संचालित अंतरिम सरकार अपनी जिम्मेदारियां निभाएगी और अपने इलाके का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियां करने के लिए नहीं होने देगी। इससे पहले, 13–14 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग–अलग मुठभेड़ों में कम से कम टीटीपी के 31 आतंकवादी मारे गए थे।

गोवा में आतिथ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए बनेगा उत्कृष्टता केंद्र

पणजी, (भाषा) गोवा में आतिथ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की जाएगी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह केंद्र कनाडा स्थित पैसिफिक लिंक कॉलेज के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहल गोवा की 'एआई मिशन 2027' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को बदलना है, जिसमें पर्यटकों की संतुष्टि बढ़ाना, संचालन को सुव्यवस्थित करना और गोवा के युवाओं के लिए भविष्य के अनुरूप रोजगार के अवसर उत्पन्न करना शामिल है। अधिकारी ने बताया कि परियोजना पर शुक्रवार को सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार मंत्री रोहन खाउंटे और पैसिफिक लिंक कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठकों में चर्चा हुई। एक अधिकारी ने बताया कि कनाडा के प्रतिनिधिमंडल ने उत्कृष्टता केंद्र की विस्तृत योजना प्रस्तुत की और स्थानीय स्टार्टअप, इनक्यूबेटर, शैक्षणिक संस्थानों तथा उद्योग जगत के साथ सहयोग में रुचि व्यक्त की। खाउंटे ने कहा, ''इस सहयोग के साथ हम केवल पर्यटन के भविष्य की कल्पना नहीं कर रहे, बल्कि उसे गढ़ भी रहे हैं। यह केंद्र गोवा के युवाओं को एआई की अत्याधुनिक क्षमताओं से लैस करेगा और राज्य को एआई–संचालित पर्यटन का अग्रणी राज्य बनाएगा।''

प्रमोद भगत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता, सुकांत कदम को दो रजत पदक

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के प्रमोद भगत, सुकांत कदम और कृष्णा नागर ने चीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए पुरुषों के एकल एसएलडब्ल्यू3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान से कड़ी चुनौती का सामना करते हुए प्रमोद पहला गेम 15–21 से हार गए लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21–19, 21–16 से जीतकर रोमांचक मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। पेरिस पैरालंपिक में तीन बार डोपिंग जांच में विफल होने के कारण बाहर होने के बाद यह प्रमोद के लिए एक भावुक जीत थी जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्किट में वापसी करने में मदद की। पुरुषों के युगल में उन्होंने कदम के साथ जोड़ी बनाई और इस जोड़ी ने हमवतन जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को रोमांचक फाइनल में 18–21, 22–20, 18–21 से हारकर रजत पदक जीता। दुनिया के नंबर एक पैरा खिलाड़ी सुकांत कदम ने पुरुषों के एकल एसएल4 वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया और कड़ी चुनौती का सामना करते हुए रजत पदक जीता। वह फाइनल में फ्रांस के लुकास माजूर से 9–21, 8–21 से हार गए। तोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा ने भी पुरुषों के एकल एसएच6 वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने थाईलैंड के नाथपांग मीचाई को कड़ी टक्कर दी लेकिन तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 22–20, 7–21, 17–21 से हारकर दूसरा स्थान हासिल किया।

सात्विक और चिराग चीन मास्टर्स के फाइनल में कड़े मुकाबले में हारे

शेनझेन, (भाषा) सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14–7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19–21, 15–21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा। किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था और किम तथा सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। कोरियाई टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3–0 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार दमदार स्मैश के साथ वापसी की और स्कोर 6–6 कर दिया। चिराग के नेट पर सटीक शॉट ने भारतीय जोड़ी को ब्रेक तक 11–7 की बढ़त दिला दी और जल्द ही उन्होंने इसे 14–8 कर दिया। हालांकि कुछ गलतियां हुईं। एक वीडियो चैलेंज के असफल होने से सात्विक और चिराग की लय टूटी और कोरियाई जोड़ी ने अगले नौ में से आठ अंक जीतकर स्कोर 15–15 से बराबर कर दिया। नेट पर चिराग की गलती ने कोरियाई जोड़ी को 19–17 की बढ़त दिला दी लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए सियो की गलती से स्कोर 19–19 कर दिया। बाएं हाथ के किम ने एक तेज विनर शॉट के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और चिराग ने इसके बाद शॉट बाहर मार दिया जिससे कोरियाई टीम ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 3–2 की बढ़त बनाई और फिर स्कोर 8–6 कर दिया। कोरियाई जोड़ी ने 9–9 पर बराबरी हासिल की और ब्रेक तक एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही। खेल फिर से शुरू होने पर सियो ने नेट पर सर्विस मार दी लेकिन अगले ही प्वाइंट पर सात्विक की कमजोर सर्विस पर अंक जुटाया। चिराग के एक बार फिर शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने 15–11 के स्कोर पर चार अंक की बढ़त हासिल की। सियो ने अगले ही प्वाइंट पर फ्लैट शॉट लगाया लेकिन चिराग फिर से चूक गए और कोरियाई टीम 17–14 से आगे हो गई। एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट ने कोरियाई टीम की बढ़त को 18–15 कर दिया। चिराग के दो बार शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किए जिसके बाद सात्विक ने बाहर शॉट मारकर खिताब कोरियाई टीम की झोली में डाल दिया।

प्रणवी, हिताशी ला सेला ओपन में संयुक्त 47वें स्थान पर

एलिकांटे (स्पेन), (भाषा) प्रणवी उर्स और हिताशी बख्शी यहां 2025 ला सेला ओपन में संयुक्त रूप से 47वें स्थान पर हैं। प्रवणी ने पार 72 जबकि हिताशी ने एक ओवर 73 का स्कोर बनाया। प्रणवी ने 13वें से 18वें होल के बीच दो बर्डी और दो बोगी की। हिताशी ने चार बर्डी की लेकिन वह तीन बोगी और एक डबल बोगी भी कर गईं। अन्य भारतीयों में दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक, अवनि प्रशांत, रिद्धिमान दिलावरी और वाणी कपूर कट हासिल करने में नाकाम रहे।

पाइक्रॉफ्ट कोई स्कूल शिक्षक या प्रिंसिपल नहीं हैं: अश्विन

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों का पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाने के विवाद के बीच मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट का समर्थन करते हुए कहा कि जिम्बाब्वे का अधिकारी कोई 'स्कूल शिक्षक' नहीं है और वह केवल अनावश्यक तमाशे से बचने के लिए अपनी भूमिका को अच्छी तरह से निभा रहे थे। पिछले रविवार को जब भारतीय खिलाड़ियों ने नीतिगत फ़ैसले के तहत एशिया कप मैच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, तब पाइक्रॉफ्ट मैच रेफ़री थे। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया जिसके बाद पाइक्रॉफ्ट को इस विवाद में घसीटा गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दो ईमेल भेजे। उसने पहले पाइक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से हटाने का अनुरोध किया और फिर उन्हें अपने मैचों से बाहर करने की मांग की। आईसीसी में हालांकि दोनों ही मांगों को खारिज कर दिया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, ''एंडी पाइक्रॉफ्ट ने वास्तव में सबको घटिया तमाशा देखने से बचा दिया। भारत ने मैच रेफरी को पहले ही बता दिया था कि यह हमारा फैसला है और हम इसका पालन करेंगे। बस। इतना सारा तमाशा करने के बाद आप (पाकिस्तान) मैच हार गए। तो फिर आप किस बात की शिकायत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह कोई स्कूल शिक्षक नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को यह नहीं कह सकते थे कि आओ हाथ मिलाओ। यह उनका काम नहीं है। आख़िर पाइक्रॉफ्ट की क्या गलती है।'' आईसीसी ने पीसीबी के इस दावे को खारिज कर दिया कि पाइक्रॉफ्ट ने खेल भावना का उल्लंघन किया है। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि वह केवल वही कह रहे थे जो एशियाई क्रिकेट परिषद के आयोजन स्थल प्रबंधक ने कहा था। अश्विन ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी बस अपने बोर्ड के निर्देशों का पालन कर रहे थे और पाइक्रॉफ्ट को जो सूचना दी गई थी वह अस्पष्ट नहीं थी। उन्होंने पाकिस्तान की माफ़ी मांगने की मांग पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, ''अगर मैं एंडी पाइक्रॉफ्ट होता, तो आप मुझसे माफ़ी मांगते। मैं किस बात के लिए माफ़ी मांगता।''

लियोनेल मेसी के दो गोल से इंटर मियामी ने डीसी यूनाइटेड को 3–2 से हराया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), (एपी) स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने पहले हाफ में एक गोल करने में मदद की तथा दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में डीसी यूनाइटेड पर 3–2 से जीत दर्ज की। मेसी ने 66वें मिनट में अपना पहला गोल दागा। इसके बाद उन्होंने 85वें मिनट में एक और गोल किया। इस तरह से इस सत्र में उनके कुल 22 गोल हो गए हैं, जो गोल्डन बूट अवॉर्ड की दौड़ में नैशविले एससी के सैम सुरिज से एक ज़्यादा है। इससे पहले मिडफ़ील्डर तादेओ अलेंदे ने 35वें मिनट में मेसी की मदद से इस सत्र का अपना आठवां गोल किया। डीसी यूनाइटेड ने 53वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली जब क्रिश्चियन बेंटेके ने ब्रैंडन सर्वानिया से मिले पास पर गोल किया। उसकी तरफ से जैकब मुर्रेल ने इंजरी टाइम में दूसरा गोल किया।

दिव्यांग क्रिकेट पुरस्कारों में रविंद्र पाटिल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर, (भाषा) मुंबई के अनुभवी खिलाड़ी रविंद्र पाटिल को यहां दिव्यांग क्रिकेट वार्षिक पुरस्कार समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि कर्नाटक के राजेश कन्नूर को प्लेयर ऑफ द ईयर का सम्मान मिला। दिव्यांग क्रिकेटरों की उपलब्धियों को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिए स्थापित इन पुरस्कारों में देश भर के कई खिलाड़ियों को राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) के सहयोग से भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में विदर्भ के गुरुदास राउत को विशेष योगदान पुरस्कार, मुंबई के विक्रांत केनी को प्लेयर्स च्वाइस (लोकप्रिय खिलाड़ी) तथा कर्नाटक के शिवशंकर को आइकॉनिक प्लेयर पुरस्कार मिला। राजस्थान के सुरेंद्र खोरवाल को सर्वश्रेष्ठ शानदार खिलाड़ी, गुजरात के आदिल ननसोला को वर्ष का उभरता सितारा और उत्तर प्रदेश के अनवर अली को सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। हैदराबाद के चंद्रभान गिरि को सर्वश्रेष्ठ कोच चुना गया। इस अवसर पर जम्मू कश्मीर को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय टीम घोषित किया गया। समारोह के दौरान यह घोषणा की गई कि जयपुर भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली दिव्यांग क्रिकेट श्रृंखला की मेजबानी करेगा।

गांगुली की सीएबी अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध वापसी तय

कोलकाता, (भाषा) पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की सोमवार को यहां होने वाली बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निर्विरोध अध्यक्ष पद पर वापसी तय है, लेकिन उनका दूसरा कार्यकाल अधिक चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि हाल के महीनों में संघ वित्तीय अनियमितताओं और विश्वसनीयता संबंधी चिंताओं से जूझ रहा है। गांगुली के नेतृत्व वाले पूरे पैनल – बबलू कोलाय (सचिव), मदन मोहन घोष (संयुक्त सचिव), संजय दास (कोषाध्यक्ष) और अनु दत्ता (उपाध्यक्ष) – का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष 53 वर्षीय गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली का स्थान लेंगे, जिन्हें लोढ़ा

समिति के निर्देशों के अनुसार कार्यकारी पदों पर छह साल की समय सीमा पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। हाल के दिनों में विवादों की एक श्रृंखला के कारण सीएबी की छवि को नुकसान पहुंचा है, जबकि रणजी ट्रॉफी टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। वित्त समिति के सदस्य सुब्रत साहा पर हाल ही में दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा हितों के टकराव का दोषी पाए जाने पर उन्हें उप–समिति की गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया। इससे पहले अगस्त में संयुक्त सचिव देबब्रत दास को वित्तीय कदाचार के आरोपों के चलते छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। गांगुली ने पिछले रविवार को नामांकन भरा था और तब उन्होंने बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के रूप में अपनी दूसरी पारी की प्राथमिकताएं बताई थी। इनमें बंगाल के प्रथम श्रेणी क्रिकेट को मजबूत करना, बंगाल प्रो टी–20 लीग को बढ़ावा देना, महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना और जमीनी स्तर पर ढांचे का विकास करना शामिल है। उन्होंने कहा, ''क्रिकेट व्यवस्था को आगे बढ़ाना होगा। मैं हमारे रणजी ट्रॉफी क्रिकेटरों से बात करने की कोशिश करूंगा, लेकिन टीम में बहुत ज़्यादा लोगों की ज़रूरत नहीं है। आख़िरकार, खिलाड़ियों का कौशल मायने रखता है। एक प्रशासक के तौर पर मैं उनकी हर संभव मदद करूंगा।'' अध्यक्ष के रूप में अपनी वापसी के बारे में गांगुली ने कहा, ''मैं उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया। ईडन गार्डन्स में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होने वाले हैं।'' गांगुली 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए 'स्ट्रीट–स्मार्ट क्रिकेटर' मिथुन मन्हास के नाम से सभी हैरान

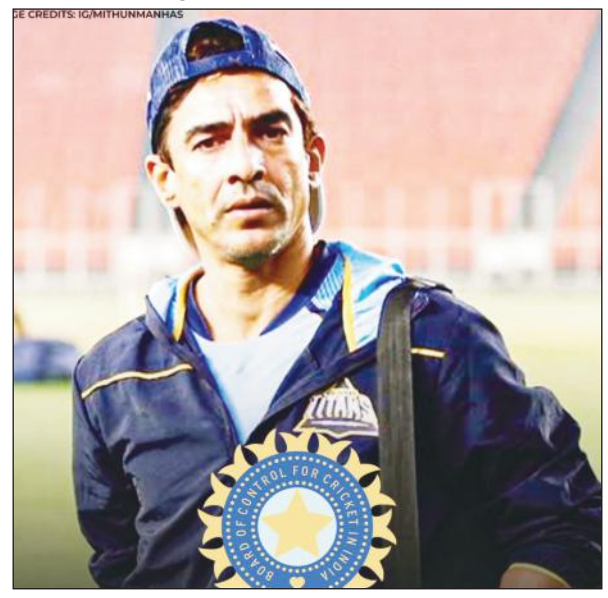

दुबई, (भाषा) प्रथम श्रेणी में 157 मैच खेल चुके अनुभवी क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई के 37वें अध्यक्ष बनने जा रहे हैं और यह चौंकाने वाली खबर लोगों को सिर्फ हैरान ही नहीं कर रही है बल्कि देश के क्रिकेट जगत को भी विश्वास नहीं हो रहा है क्योंकि किसी को भी इसकी उम्मीद नहीं थी। मन्सास ने कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं खेला है और प्रथम श्रेणी में उन्होंने 27 शतक से 9714 रन बनाए हैं जबकि लिस्ट ए मैचों में उनके 4126 रन हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चुनावों को करीब से देख चुके एक अनुभवी क्रिकेट प्रशासक ने सटीक टिप्पणी की। इस अनुभवी प्रशासक ने पीटीआई से गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''देखिए कि भाजपा नेतृत्व ने दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपने मुख्यमंत्री कैसे चुने। '' उन्होंने कहा, ''अगर किसी ने दावा किया होता कि वह जानता था कि रेखा गुप्ता, मोहन यादव और भजन लाल शर्मा शीर्ष पद हासिल करेंगे तो वह झूठ बोल रहा होता। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। '' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई के मामले में देखें तो विकल्प कम हैं। लेकिन मन्हास जैसे खिलाड़ी के लिए संयुक्त सचिव का पद अधिक उपयुक्त होता क्योंकि एक टेस्ट खिलाड़ी (रघुराम भट्ट) को कोषाध्यक्ष बनाया जा रहा है। '' इस अनुभवी प्रशासक ने कहा, ''जब चुनावी सूची में तीन टेस्ट खिलाड़ी थे जिनमें से दो (सौरव गांगुली, हरभजन सिंह) 100 से अधिक टेस्ट मैच खेल चुके हैं तो मन्हास का चयन निश्चित रूप से लोगों को हैरान करेगा। '' दिल्ली क्रिकेट सर्किट में जब कई क्रिकेटरों से संपर्क किया गया तो उनमें से अधिकांश ने सहमति व्यक्त की कि 45 वर्षीय मन्हास हमेशा एक प्रतिभाशाली और बुद्धिमान व्यक्ति रहे हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा, ''वह हमेशा लोगों के बीच लोकप्रिय रहे। वह उस दिल्ली टीम के कप्तान थे जिसमें कई बड़े स्टार और भारत के खिलाड़ी थे। वे उनके नेतृत्व में खेले। उन्होंने कहा, ''वह अंडर–16 खेलने के बाद जम्मू से आए थे। हम दिल्ली अंडर–19 और फिर भारत अंडर–19 और दिल्ली सीनियर टीम में साथ खेले। ''

चोपड़ा ने उन दिनों की एक घटना साझा करते हुए बताया, ''मैं और मिथुन एक मैच खेलने के लिए एक भीड़–भाड़ वाली ट्रेन में सूरत से मुंबई जा रहे थे। मुझे नींद आ रही थी और मैंने मिथुन से सीट के नीचे रखे अपने नए जूते के डिब्बे की देखभाल करने को कहा। मिथुन ने भी नए जूते खरीदे थे। उसने अपने पैर मेरे जूते के डिब्बे पर रख दिए ताकि वे चोरी नहीं हों।'' उन्होंने बताया, ''जब हम मुंबई उतरे तो मिथुन के नए जूते चोरी हो गए। वह दोस्तों को बनाना जानता था। मैंने उन्हें शुभकामनाओं का संदेश दिया। वह ऐसे समय में मध्यक्रम में खेले जब तीसरे नंबर (राहुल द्रविड़), चौथे नंबर (सचिन तेंदुलकर), पांचवें नंबर (सौरव गांगुली) और छठे नंबर (वीवीएस लक्ष्मण) की जगह पक्की थी। वह बदकिस्मत था लेकिन बहुत समझदार व्यक्ति। '' मन्हास की क्रिकेट की यात्रा और अब क्रिकेट प्रशासन की यात्रा हमेशा सही समय पर सही जगह पर रहने के बारे में है। दिल्ली के एक अन्य क्रिकेटर ने कहा, ''मिथुन एक 'स्ट्रीट स्मार्ट' व्यक्ति हैं। जब वह दिल्ली क्रिकेट में अपनी जगह पक्की कर रहा था तो उसे पता था कि स्वर्गीय अरुण जेटली दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में सबसे ताकतवर व्यक्ति थे और बहुत कम प्रथम श्रेणी क्रिकेटर दक्षिण दिल्ली के पॉश इलाके में उनके घर के पास रहने के बारे में सोचते। '' उन्होंने कहा, ''जब विराट के पिता का रणजी मैच के बीच में निधन हुआ और दिल्ली मुश्किल में थी तब मिथुन कप्तान था। इसके बावजूद मिथुन ने विराट से घर जाने को कहा और लेकिन वह खेलने पर अड़ा रहा तो मिथुन मान गया। '' उन्होंने कहा, ''वहीं उसके अधिकांश दोस्त वीरू (वीरेंद्र सहवाग) और युवी (युवराज सिंह) जैसे दिग्गज अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी थे। टी20 में औसत प्रदर्शन के बावजूद, उसने दिल्ली डेयरडेविल्स (जब सहवाग कप्तान थे), पुणे वारियर्स और किंग्स इलेवन पंजाब (युवराज) के लिए 55 आईपीएल मैच खेले। वीरू और मिथुन एक समय बहुत अच्छे दोस्त थे। ''लेकिन 2016–17 में जब गौतम गंभीर फिर से दिल्ली के कप्तान बने तो 35 साल से अधिक उम्र के मन्हास जम्मू–कश्मीर लौट गए, जहां वह कुछ समय तक खेले लेकिन फिर राज्य क्रिकेट बोर्ड में व्यवस्था सुधारने के काम के लिए प्रशासक बन गए जिसमें उनका प्रदर्शन मिला–जुला रहा।

बीसीसीआई सचिव सैकिया को उम्मीद, वनडे विश्व कप जीतने में सफल रहेगी भारतीय महिला टीम

मुंबई, (भाषा) भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को उम्मीद जताई कि भारतीय महिला टीम 30 सितंबर से गुवाहाटी में शुरू होने वाले विश्व कप में ट्रॉफी जीतने के लंबे इंतजार को खत्म करेगी। महिला वनडे विश्व कप इस बार भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। इससे पहले उद्घाटन समारोह होगा। भारत ने अभी तक महिला विश्व कप नहीं जीता है लेकिन इस बार उसे ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सैकिया ने यहां बीसीसीआई मुख्यालय में मीडिया से कहा, ''अतीत में गुवाहाटी में आईसीसी (पुरुष) विश्व कप के अभ्यास मैच आयोजित किए जाते थे। पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप गुवाहाटी से शुरू होगा। उद्घाटन मैच भारत और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''विश्व कप के मैच भारत के साथ–साथ श्रीलंका में भी हो रहे हैं, इसलिए हर कोई हमारी भारतीय टीम का समर्थन कर रहा है। भारतीय टीम ने हाल में इंग्लैंड में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था जो बड़ी उपलब्धि है।'' सैकिया ने कहा, ''भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब परिपक्व हो चुकी है और मुझे यकीन है कि वे आगामी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके खिताब का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म करने में सफल रहेगी।'' बीसीसीआई सचिव ने बताया कि महिला विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उद्घाटन समारोह के 40 मिनट भारतीय गायक जुबिन गर्ग को समर्पित होंगे, जिनका शुक्रवार को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान घायल होने के बाद निधन हो गया था। वह 52 वर्ष के थे। सैकिया ने कहा कि असम क्रिकेट संघ और बीसीसीआई गायक को श्रद्धांजलि देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सैकिया ने कहा, ''यह जुबिन की याद में 40 मिनट का कार्यक्रम होगा और संभवतः क्रिकेट जगत की ओर से उन्हें दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।'' उन्होंने बताया कि श्रेया घोषाल टूर्नामेंट के पहले मैच में पहली पारी समाप्त होने के बाद ब्रेक के दौरान भी प्रस्तुति देंगी।

भारत अंडर–19 ने ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 को सात विकेट से हराया

ब्रिसबेन, (भाषा) युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों के बाद विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू और वेदांत त्रिवेदी के नाबाद अर्धशतकों से भारत अंडर–19 क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां पहले युवा एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 को सात विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सामने नौ विकेट पर 225 रन ही बना सकी।इसके बाद मेहमान टीम ने इयान हीली ओवल में 117 गेंदे शेष रहते तीन विकेट गंवाकर आसानी से 227 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें कुंडू और त्रिवेदी क्रमशः 87 और 61 रन बनाकर नाबाद रहे। सभी की नजरें 14 वर्षीय सूर्यवंशी पर टिकी थीं जिन्होंने केवल 22 गेंद पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 38 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। सूर्यवंशी का दबदबा इतना था कि कप्तान आयुष म्हात्रे ने उनके साथ पहले विकेट की 50 रन की साझेदारी में केवल छह रन बनाए। सूर्यवंशी को तेज गेंदबाज हेडन शिलर (59 रन पर एक विकेट) ने आउट करके ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। दो गेंद बाद चार्ल्स लैचमुंड (46 रन पर दो विकेट) ने म्हात्रे (06)को आउट कर दिया। विहान मल्होत्रा भी नौ रन बनाने के बाद लैचमुंड का शिकार बने जिससे 10वें ओवर में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन हो गया और ऑस्ट्रेलिया की घरेलू मैदान पर जीत की उम्मीद जगी। हालांकि त्रिवेदी और कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और टीम को केवल 30.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कुंडू ने 74 गेंद की अपनी पारी में पांच छक्के और आठ चौके लगाए जबकि त्रिवेदी ने 69 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके लगाए। लचमुंड ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 के सबसे सफल गेंदबाज रहे। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 230 रन के भीतर रोक दिया जो पहले बल्लेबाजी करते हुए घरेलू टीम की उम्मीद से काफी कम था। हालांकि अगर जॉन जेम्स आक्रामक पारी नहीं खेलते तो मेजबान टीम इतने रन भी नहीं बना पाती। जेम्स ने 68 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 रन पर चार विकेट और फिर 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हेनिल पटेल 38 रन पर तीन विकेट चटकाकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। कनिष्क चौहान (39 रन पर दो विकेट) और किशन कुमार (59 रन पर दो विकेट) ने दो–दो विकेट चटकाए जबकि आरएस अंबरीश (50 रन पर एक विकेट) को एक विकेट मिला। टॉम होगन ने 81 गेंद में 41 रन की धीमी पारी खेली जबकि स्टीवन होगन ने 82 गेंद का सामना करने के बाद 39 रन ही बना सके जिससे भारतीय गेंदबाजों की पकड़ का पता चलता है।

विश्व कप जीतने के लिए परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना जरूरी: मूनी

नयी दिल्ली, (भाषा) आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी का मानना है कि परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाना और धैर्य बनाए रखना किसी भी चैंपियन टीम की पहचान है और आगामी महिला विश्व कप में इन गुणों की एक बार फिर परीक्षा होगी। सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अपनी इन दोनों ही खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया। उसने शनिवार को यहां तीसरे वनडे में 43 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 2–1 से अपने नाम कर ली। मूनी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि विश्व कप जीतने के लिए आपको परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाने वाली और सबसे अधिक धैर्य रखने वाली टीम बनना होगा।''

भारत ने विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पलटवार किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में जीत हासिल की। भारत की तरफ से स्मृति मंधाना ने 63 गेंदों पर 125 रन, हरमनप्रीत कौर ने 52 और दीप्ति शर्मा ने अंत में 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 138 रन की जबरदस्त पाली खेलने वाली मूनी ने कहा, ''हमने आज तब अपनी इन खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया जब स्मृति ने तेजी से रन बनाए और हरमनप्रीत के साथ बड़ी साझेदारी की। बाद में दीप्ति ने भी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन हमने अपना धैर्य बनाए रखा।''

अमूल ने घी, मक्खन, आइसक्रीम सहित 700 से ज्यादा उत्पाद पैक की कीमत घटाई

नयी दिल्ली, (भाषा) अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली जीसीएमएमएफ ने शनिवार को घी, मक्खन, आइसक्रीम, बेकरी और फ्रोजन स्नैक्स सहित 700 से अधिक उत्पाद पैक की खुदरा कीमतों में कमी की। कंपनी ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का फैसला किया है। नयी कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने एक बयान में 700 से अधिक उत्पाद पैक की कीमत घटाने की घोषणा की, जिससे उसके ग्राहकों को जीएसटी कटौती का पूरा लाभ मिलेगा। यह संशोधन 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगा। जीसीएमएमएफ ने कहा, ''यह संशोधन मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी उत्पादों, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, पीनट स्प्रेड, माल्ट आधारित पेय जैसी उत्पाद श्रेणियों में किया गया है।'' बयान के मुताबिक, ''मक्खन (100 ग्राम) का अधिकतम खुदरा मूल्य 62 रुपये से घटाकर 58 रुपये कर दिया गया है... घी की कीमत 40 रुपये घटकर 610 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं।'' इसी तरह अमूल प्रोसेस्ड चीज ब्लॉक (एक किलो) का अधिकतम खुदरा मूल्य 30 रुपये घटकर 545 रुपये प्रति किलो हो गया है। फ्रोजन पनीर (200 ग्राम) का नया अधिकतम खुदरा मूल्य 95 रुपये होगा, जो अभी 99 रुपये है। बयान में कहा गया, ''अमूल का मानना है कि कीमतों में कमी से डेयरी उत्पादों, खासकर आइसक्रीम, पनीर और मक्खन की खपत बढ़ेगी, क्योंकि भारत में इनकी प्रति व्यक्ति खपत अभी भी बहुत कम है।'' इससे पहले, मदर डेयरी ने भी 22 सितंबर से अपने उत्पादों की कीमत घटाने की घोषणा की थी।

विजयन 'नक्ली भक्त' हैं, चुनाव के लिए किया जा रहा अयप्पा संगमम का आयोजनः सतीशन

कोच्चि, (भाषा) केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने शनिवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को ''नकली भक्त'' करार देते हुए आरोप लगाया कि ''आगामी चुनाव को ध्यान में रखकर'' अयप्पा संगमम का आयोजन किया जा रहा है। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अयप्पा संगमम का आयोजन किया जा रहा है। कोठामंगलम में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सतीशन ने पत्रकारों के साथ बातचीत में दावा किया, ''मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने उद्घाटन के बाद एक नकली भक्त की तरह बात की। यह भक्ति, जो कभी उनपर फिट नहीं बैठी, आगामी चुनाव को ध्यान में रखकर रची गई एक चाल मात्र है।

वह पुलिस की मदद से सबरीमला में हुए अत्याचारों को छिपा रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान परंपराओं का उल्लंघन कर रहे हैं।'' सतीशन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में महिलाओं के प्रवेश और भक्तों पर दर्ज मामलों को वापस लेने से जुड़े हलफनामे को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''यह राजनीति का एक अलग रूप है जिसपर धर्म का रंग चढ़ाया गया है। हमारे लिए धर्म और भक्ति निजी मामले हैं।'' विपक्ष के नेता ने सबरीमला से संबंधित मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना की और कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की पिछली सरकार ने मंदिर के विकास के लिए 112 हेक्टेयर वन भूमि का अधिग्रहण किया था, लेकिन अब तक वहां कोई काम नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में सबरीमला में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है।

सीजीएल परीक्षा के करीब 10,000 अभ्यर्थियों से नये पोर्टल पर प्रतिकिया मिली : एसएससी

नयी दिल्ली, (भाषा) कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने शनिवार को कहा कि संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएलई) 2025 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से नये 'फीडबैक पोर्टल' पर उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है और इसके लॉन्च होने के एक सप्ताह के भीतर लगभग 10,000 अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 2,000 अभ्यर्थियों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा के दौरान कथित तकनीकी व्यवधान की सूचना दी। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आयोग अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से प्रत्येक मामले का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा, ''जहां व्यवधान वास्तविक पाया जाएगा, प्रभावित अभ्यर्थियों को फिर से परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा। पुनर्परीक्षाएं 26 सितंबर या उससे पहले निर्धारित की जाएंगी।" एसएससी ने रेखांकित किया कि वह परीक्षाओं के संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब तक, देश भर में 7.16 लाख अभ्यर्थी सफलतापूर्वक परीक्षा दे चुके हैं। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि 19 सितंबर तक, किसी भी पाली की परीक्षा रद्द या पुनर्निर्धारित नहीं की गई है जिससे यह संकेत मिलता है कि पूरी प्रक्रिया सुचारू रही।

अदालती आदेशों के खिलाफ अपील की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरतः मेघवाल

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि सरकारी विभागों में अदालती आदेशों को चुनौती देने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की जरूरत है। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के एक सम्मेलन को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कई बार अदालतों द्वारा ठोस फैसले दिए जाने के बावजूद सरकारी विभाग अपील दायर कर देते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कभी–कभी अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए अदालत या कैट के आदेशों को चुनौती देने के लिए अपील दायर करते हैं, क्योंकि फैसलों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों पर सवाल उठाए गए होते हैं। मेघवाल ने कहा कि उन्हें नियमित रूप से ऐसी फाइलें मिलती रहती हैं, जिनमें केंद्रीय विभाग ठोस अदालती आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने की योजना बना रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि सीएटी (कैट) को ई–फाइलिंग और डिजिटल सुनवाई जैसी नवीनतम तकनीकों का उपयोग करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भूगोल न्याय प्रदान करने में बाधा न बने। उन्होंने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ कम करने में न्यायाधिकरण की भूमिका की भी सराहना की।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर पुस्तक का विमोचन किया

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 25 साल के सार्वजनिक कार्यकाल में अपनाई गई आर्थिक नीतियों पर एक पुस्तक का विमोचन किया। "मोदीनॉमिक्सः द जर्नी ऑफ इन्क्लूसिव ग्रोथ" नामक पुस्तक स्कॉच ग्रुप के अध्यक्ष समीर कोचर द्वारा लिखी गई है। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मुरुगन ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के कार्यकाल को समेटने वाली ऐसी कृति लिखना निश्चित रूप से एक कठिन कार्य रहा होगा, क्योंकि इसमें गुजरात में और उसके बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र में शुरू की गई प्रत्येक नागरिक–उन्मुखी योजना को शामिल किया गया है।" उन्होंने कहा, "यह वास्तव में उपयुक्त है कि मोदीनॉमिक्स ऐसे समय में जारी किया जा रहा है जब हम सभी देश में सेवा पखवाड़ा मना रहे हैं।" एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पुस्तक में दृष्टि और परिणामों – वित्तीय समावेशन, कल्याणकारी वितरण, बुनियादी ढांचे और डिजिटल सशक्तीकरण – दोनों की पड़ताल की गई है, जिन्होंने भारत के परिवर्तन को आकार दिया है।

ग्लोबल अय्यप्पा संघ अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगाः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने व्यक्त की आशा

पथनमथिट्टा (केरल), (भाषा) केरल देवस्वओम मंत्री वी. एन. वासवन ने 'ग्लोबल अयप्पा संगम' में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजा गया संदेश शनिवार को पढ़ा, जिसमें उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संगम अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ समारोह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित करने के लिए वासवन का धन्यवाद किया और कहा कि भगवान अय्यप्पा 'धर्म' के 'दैवीय रक्षक' हैं। उन्होंने संदेश में कहा, ''उनकी पूजा धार्मिक जीवन के मार्ग को प्रकाशित करती है और भक्तों को सात्विक मूल्यों को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए प्रेरित करती है। '' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि सद्भाव, समावेशिता और एकता को मजबूत करने के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान और परंपराओं का प्रसार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''इस परिप्रेक्ष्य में 'ग्लोबल अयप्पा संगम' बहुत महत्व रखता है।'' उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री का यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस संगम को भाकपा के नेतृत्व वाले लिबरल डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के लिए 'राजनीतिक प्रदर्शन' करार दिया है। सबरीमला की तलहटी में पंबा नदी के तट पर विशाल अस्थायी संरचनाएं बनाई गई हैं, ताकि नदी के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाए बिना इस संगम का आयोजित किया जा सके। 'त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड' (टीडीबी) के अध्यक्ष पी.एस. प्रशांत के अनुसार, इस कार्यक्रम में 15 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु भी इसमें शामिल हुए, जिनमें तमिलनाडु से लगभग 1,000 श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा दल आया। यह कार्यक्रम बोर्ड की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में अगले सत्र से 100 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू होगा

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अगले शैक्षणिक सत्र से पहले चरण में राज्य भर के 100 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को बोर्ड से संबद्ध किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि यह पहल हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी और छात्रों व शिक्षकों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास करने को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, "प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक सीबीएसई स्कूल खोला जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी क्षेत्रों के छात्रों को सीबीएसई प्रणाली के तहत किफायती लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।"

भूदान आंदोलन के प्रणेता आचार्य विनोबा भावे

1947 में हमारा देश आजाद हुआ। अंग्रेज तो चले गए पर पीछे छोड़ गए एक ऐसा रूढ़िवादी भारतीय समाज जो अशिक्षा, जाति व्यवस्था और भयंकर गरीबी के संकट से जूझ रहा था। यकीनन जिससे निजात पाने के लिए अभी एक और लंबी लड़ाई लड़नी थी। अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारों तरफ से कमजोर बनाकर गई। कई लोग तो इस तरह से गरीब हो गए थे कि उनके पास रहने तक के लिए जगह नहीं थी। वर्ष 1951, लोगों के बीच खासकर ग्रामीणों तक यह खबर फैल गयी थी कि कोई संत निकला है जो दान में भूमिहीनों के लिए जमीन मांगता है और कहता है कि हवा, पानी और आसमान की तरह जमीन भी ईश्वर की बनाई हुई है जो सबके लिए है। आप मुझे अपना बेटा मानकर अपनी जमीन का छठा हिस्सा दे दीजिए। भूदान आंदोलन के जनक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं अहिंसा के प्रबल समर्थक आचार्य विनोबा भावे नवंबर 1951 में पूरे उत्साह के साथ दिल्ली से उत्तर प्रदेश की ओर पद यात्रा पर निकल पड़े। पूरे देश की नजर विनोबा के भूदान यज्ञ की ओर टिक गयी। भूदान आंदोलन की शुरुआत ऐसे समय में की गई जब देश में जमीन को लेकर रक्तपात होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। तेलंगाना और फिर उत्तर प्रदेश की भूदान यात्रा के तहत अप्रैल 1952 में सेवापुरी में हुए चौथे सर्वोदय समाज सम्मेलन में सर्व सेवा संघ ने अगले दो सालों में पूरे देश भर में 25 लाख एकड़ भूदान प्राप्त करने का संकल्प किया। इसी सम्मेलन में बिहार से कुछ अग्रणी समाज सेवक लक्ष्मी बाबू, ध्वजा बाबू, रामदेव बाबू और वैद्यनाथ बाबू आये थे जिनका इरादा विनोबा जी को बिहार लाना था। विनोबा ने इनसे बिहार में भूदान के तहत चार लाख एकड़ हासिल करने की बात कही। लक्ष्य काफी मुश्किल था बावजूद इसके इन नेताओं ने विनोबा की बात कबूल कर ली और इस तरह बिहार में विनोबा जी का आना तय हो गया। संयुक्त बिहार (झारखंड तब बिहार का अंग था) में भूदान और ग्रामदान अभियान के लिए विनोबा छह बार आए और गए। एक तरफ तो समाजवादी दल,सर्वोदयी नेताओं और रचनात्मक कार्यकर्ताओं और जनता के समर्थन तथा सहयोग से भूदान आंदोलन में तेजी आ रही थी वहीं दूसरी तरफ साम्यवादी कार्यकर्ताओं द्वारा इस आंदोलन का विरोध किया जा रहा था। विनोबा के बिहार में प्रवेश करते ही साम्यवादियों का विरोध और तेज हो गया। उनकी शिकायत थी कि भीख मांगने से क्रांति नहीं आ सकती है। विनोबा ने बिहार प्रवेश के पहले ही दिन दुर्गावती में कहा था कि मैं कम्युनिस्टों को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में क्रांति किस ढंग से हो सकती है यह मैं आपसे बेहतर जानता हूं। मैं वेदों से लेकर गांधी तक के सारे विचार घोलकर पी गया हूं। सब विचारों का अध्ययन किया है। वेदांत समझे बिना यहां कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। अगर आप आत्मा के टुकड़े करेंगे वर्ग बनाएंगे और कटुता तथा द्वेष फैलाएंगें तो उससे क्रांति नहीं होगी। मैं भूमिहीनों के लिए भीख नहीं उनका हक मांगने आया हूं। बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता और सरकार चला रहे श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह ने भूदान आंदोलन को अपना समर्थन दिया। महान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण भी भूदान आंदोलन में कूद पड़े। बिहार खादी समिति और बिहार गांधी स्मारक निधि ने भी भूदान कार्य में अपने को पूरा झोंक दिया। प्रांतीय भूदान आंदोलन समिति के लक्ष्मी बाबू सहित रामदेव बाबू, ध्वजा बाबू, रामचरण बाबू, गजानन दास, गोपाल झा शास्त्री, भवानी सिंह, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, रांची जिले पूरी तरह से सक्रिय हो गए। इसके अलावा संथालपरगना में मोतीलाल केजरीवाल, शाहाबाद में प्रद्युम्न मिश्र, भागलपुर में बोधनारायण मिश्र, शुभकरण चुड़ीवाला, मानभूमि में लालबिहारी सिंह और शीतल प्रसाद तायल, सारण जिले में हीरालाल सर्राफ, पटना जिले में अवध बिहारी सिंह, पूर्णिया जिले में वैद्यनाथ प्रसाद चौधरी, चंपारण जिले में बिहार कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित प्रजापति मिश्र ने भूदान आंदोलन में खुद को झोंक दिया। मुंगेर जिले में खादीग्राम भूदान आंदोलन का केन्द्र बन गया। दादा धर्माधिकारी, विमला ठकार, शंकरराव देव और धीरेन्द्र भाई जगह– जगह सभाएं करने

लगे जिससे भूदान आंदोलन के अनुकूल माहौल बनने लगा। बोधगया में जिले के करीब पांच सौ कार्यकर्ताओं ने एक लाख एकड़ भूमि भूदान में प्राप्त करने का संकल्प लिया। गया के बाद पलामू और रांची की पदयात्रा के बाद विनोबा लोहरदग्गा गए। वहां से सिंहभूम जिले में पदयात्रा आरंभ हुई। उनकी यात्रा से भूदान प्राप्ति में अच्छी प्रगति होने लगी थी। चांडिल पहुंचते–पहुंचते विनोबा की तबियत बिगड़ने लगी। 106 डिग्री बुखार रहने लगा था। विनोबा जी ने अंग्रेजी दवा लेने से इनकार कर दिया आखिरकार डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद और बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू के आग्रह पर उन्होंने दवा ली। स्वास्थ्य में सुधार के बाद विनोबा जी के चांडिल में रहते हुए सर्वोदय समाज का पांचवा वार्षिक सम्मेलन मार्च 1953 में हुआ। इसमें राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और जयप्रकाश नारायण ने भाग लिया।विनोबा ने इस सम्मेलन में देश भर से आए प्रतिनिधियों को अपने– अपने प्रांत जाकर अपना एक साल तक का समय भूदान कार्य के लिये देने की अपील की। चांडिल में 87 दिनों तक ठहरने के बाद अगला पड़ाव मानभूमि जिले के झरिया में था। यहां विनोबा ने कहा – हमने सुना कि झरिया एक बड़ा कुरूक्षेत्र है यहां लड़ाइयां चलती हैं। यहां कितने दुर्योधन दुःशासन और कितने कौरव पुत्र हैं हम नहीं जानते लेकिन यहां मजदूर अवश्य रहते हैं। उनसे काम लेना है और हर हालत में लेना है। कोयला निकलवाना है। अगर जमीन से कोयला नहीं निकला तो देश का मुंह काला हो जाएगा। कहते हैं कि यहां गुंडों का राज चलता है। एक गुंडे वे हैं जो गुंडे कहलाते हैं और दूसरे वे हैं जो सेनापति या कार्यकर्ता कहलाते हैं। जब तक देश की रक्षा गुंडों पर निर्भर है गुंडों का ही राज चलेगा भले चाहे जो नाम दें। अगला पड़ाव हजारीबाग जिले में रहा जहां से ताल्लुक रखने वाले बिहार के राजस्व मंत्री कृष्णवल्लभ सहाय और रामगढ़ के राजा कामाख्या नारायण सिंह ने भूदान कार्य में बड़ा सहयोग दिया। हजारीबाग में 21 दिनों की पदयात्रा के बाद विनोबा जी फिर गया पहुंचे। अब तक गया जिला पूरे भारत का मोर्चा बन चुका था। विनोबा के पवनार आश्रम और वर्धा से लोग गया पहुंच गए थे। स्कूल कॉलेज के नौजवान भी भूदान कार्य में जुट गए थे। गया जिला उस वक्त न केवल बिहार अपितु संपूर्ण देश की प्रयोग भूमि बना हुआ था। गया जिले में 27 दिनों के कार्यक्रम के बाद विनोबा जी पलामू जिले की ओर गए जहां रंका में विनोबा जी दो दिन ठहरे। रंका के राजा गिरिवरनारायण सिंह ने जोत और परती जमीन सहित कुल एक लाख दो हजार एक एकड़ जमीन दान में दे दी। पलामू के बाद वे फिर रांची गए और यहां उन्होंने बिहारवासियों के नाम एक पत्र जारी किया। पत्र में उन्होंने लिखा– मैं भूदान के सिलसिले में बिहार प्रदेश की यात्रा कर रहा हूं। बिहार से मैंने 32 लाख एकड़ की मांग की है जो भूमिहीनों में बांटी जा सके। अब यह तो नहीं हो सकता कि मै खुद हर गांव पहुंचूं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आप ही अपनी जमीन का दानपत्र हमारे कार्यकर्ता के पास पहुंचा दे। हमारा भरोसा है कि जैसे अहिंसा की ताकत से हमने राजनीतिक आजादी हासिल की वैसे आर्थिक आजादी का मसला भी आप हम मिलकर हल कर लेंगे। पूरे प्रदेश में भूदान प्राप्ति में गति आ गयी थी इसी क्रम में संथालपरगना जिले की यात्रा शुरू हुई जहां के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी मोतीलाल केजरीवाल ने अपनी संपत्ति और परिवार को गांधीजी के काम में अर्पित कर दिया था। सेवकों की एक बड़ी फौज भूदान कार्य के लिए उपलब्ध थी। अपनी यात्रा के क्रम में विनोबा देवघर पहुंचे। देवघर का शिवलिंग द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक है। लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन–पूजन को आते हैं लेकिन मंदिर में हरिजन प्रवेश निषिद्ध था। विनोबा जी दर्शन को जानेवाले नहीं थे लेकिन सरदार पंडा के आश्वासन और आग्रह पर विनोबा मंदिर में गए जहां कट्टरपंथी पंडों ने उनपर हमला कर दिया लेकिन विनोबा बचा लिये गए। देवघर की घटना पर देश भर में गहरी प्रतिक्रिया हुई और पंडों ने अपनी तरफ से हरिजनों के लिए मंदिर के दरवाजे खोल दिए। कट्टरपंथी पंडों के हमले को प्रसादी बताते हुए विनोबा दक्षिण भागलपुर की ओर प्रस्थान कर गए। दक्षिणी भागलपुर में 22 दिनों की पदयात्रा के बाद विनोबा मुंगेर आए। मुंगेर में विनोबा जी ने कहा– हमें एक लाख दानपत्र मिले हैं। यह कोई छोटी बात नहीं। मुंगेर में 17 दिनों की पदयात्रा के बाद विनोबा जी उत्तर बिहार की ओर बढ़े। मोकामा बेगूसराय होते हुए विनोबा जी ने पूर्णिया जिले में प्रवेश किया जहां 3,334 दानपत्रों से उनका स्वागत किया गया। इसमें 13,614 एकड़ जमीन थी। इसके बाद दरभंगा महराज कामेश्वर सिंह ने कुरसेला आकर एक लाख अठारह हजार एकड़ का दानपत्र विनोबा जी को समर्पित किया। पूर्णिया, सहरसा और बाद में दरभंगा जिले में मानो दानपत्रों की वर्षा ही शुरू हो गयी। यह वह दौर था जब दानपत्र मांगनेवालों की ही कमी थी देनेवालों की नहीं। जहां भी विनोबा जी जाते रास्ते में और पड़ावों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती। कवि दुखायल घूम–घूमकर अपने गीतों से भूदान का प्रचार कर रहे थे। इसी क्रम में विनोबा जी द्वारा भूमि वितरण कार्य शुरू क्रिया गया। सरकार द्वारा भूदान एक्ट पास किया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि दान में मिली जमीन का बंटवारा व्यवस्थित तरीके से हो सके। बिहार में भूमि वितरण की शुरूआत गया जिले से ही हुई। इस समय तक भूदान आंदोलन की पूरे देश में समर्पित सेवकों की एक अपनी सेना खड़ी हो गयी थी। शुरू के वर्षो में विनोबा जी ने लोगों से अपील की कि आप हमारी जेल कुछ समय के लिए कबूल कीजिए और भूदान का काम कीजिए। बिहार में ग्यारह सौ से अधिक लोगों ने जीवनदान का संकल्प लिया। विनोबा जी की बिहार यात्रा की अब समाप्ति हो रही थी। बिहार से विदाई के मौके पर आखिरी पड़ाव ढेकशिला में विनोबा जी को साढ़े सोलह हजार दानपत्रों से पचपन हजार एकड़ का दान समर्पित किया गया। विदाई के मौके पर विनोबा ने कहा कि मैं कह सकता हूं कि बिहार में ईश्वरीय प्रेम का साक्षात्कार हुआ। बिहार के लिए मेरे मन में एक स्वप्न था और है। यहां के लोगों ने मुझे आत्मीय भाव से माना और बहुत प्रेम दिया। मैं अधिक प्रेम संपन्न होकर यहां से जा रहा हूं इसलिए इस यात्रा को हम आनंद यात्रा कहते है। भूदान आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) की पदयात्रा की और 4.4 मिलियन एकड़ भूमि एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग 1.3 मिलियन भूमि गरीब भूमिहीन किसानों के बीच वितरित की गयी। दुखद है कि भूदान आंदोलन में दान की गई सभी ज़मीनें ज़रूरतमंदों को वितरित नहीं की जा सकीं जिसका कारण प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्टाचार और ज़मीन के बँटवारे से जुड़ी कानूनी जटिलताएँ रहीं। कई राज्यों में लाखों एकड़ भूमि का वितरण अटक गया और भू–मालिकों के वंशजों ने अवैध कब्जा कर लिया या फिर ज़मीन की खरीद–बिक्री कर ली गई। विशेषकर बिहार,झारखंड और उत्तर प्रदेश में, जहाँ प्रशासनिक उदासीनता और भूमाफियाओं के कब्जे के कारण दान की हुई जमीनें भूमिहीन किसानों तक नहीं पहुँच पाई।निमिषा सिंह

पटना में जल मेट्रो सेवा शुरू करने के लिए बिहार सरकार और आईडब्ल्यूएआई के बीच समझौता

पटना, (भाषा) पटना में शहरी जल परिवहन प्रणाली को आधुनिक व पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए बिहार सरकार के पर्यटन विभाग और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने शुक्रवार को गुजरात के भावनगर में एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पर्यटन विभाग के एक बयान में अनुसार केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और मनसुख मांडविया की मौजूदगी में 908 करोड़ रुपये की लागत से शहरी जल मेट्रो परियोजना के विकास को लेकर यह समझौता हुआ। इसमें कहा गया कि इस समझौता पत्र पर आईडब्ल्यूएआई के चेयरमैन सुनील कुमार सिंह और बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर ने हस्ताक्षर किए। परियोजना के तहत अत्याधुनिक हाइब्रिड इलेक्ट्रिक कैटामारन जलयान 'एमवी निशादराज' संचालित किया जाएगा जो बैटरी और ईंधन दोनों तरीके में चलने में सक्षम होगा। लगभग 100 यात्रियों की क्षमता वाला यह जलयान पूरी तरह वातानुकूलित होगा। बिहार के पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने बताया कि यह परियोजना पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी और शहरी परिवहन क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि जल मेट्रो का संचालन दीघा घाट से कंगन घाट तक किया जाएगा, जिसमें दीघा पर्यटन घाट, एनआईटी घाट और गायघाट जैसे प्रमुख ठिकानों पर ठहराव होगा। उन्होंने बताया कि पटना से इस सेवा का शीघ्र परीक्षण किया जाएगा और भविष्य में 10 और स्थानों को इससे जोड़े जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल पर्यटन को नयी दिशा मिलेगी बल्कि शहर के प्रदूषण और यात्रा समय में भी कमी आएगी। पटना देश के उन 18 शहरों में शामिल है, जहां दक्ष और आधुनिक शहरी जल परिवहन प्रणाली विकसित की जा रही है।

दिल्ली में सोमवार को साफ आसमान के बीच अधिकतम तापमान के 35 डिग्री सेल्सियस पहुंचने के आसारः आईएमडी

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी में आज आसमान साफ रहने के साथ ही अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी ने बताया कि रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत तापमान से एक डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.6 डिग्री कम था। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा तथा अधिकतम तापमान 35 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आईएमडी ने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 57 प्रतिशत दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार रविवार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 128 रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है।

संपादकीय

शक्ति की उपासना ही नहीं, आत्मा की जागृति भी है नवरात्रि

शारदीय नवरात्रि सिर्फ नौ दिनों का व्रत या पूजा का त्यौहार ही नहीं है, बल्कि हर रूप में शुद्ध आदर्शों, आध्यात्मिक शिक्षा और आंतरिक परिवर्तन की यात्रा है जो हमें हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में ऊँची सोच, मजबूत चरित्र और सच्ची भक्ति का पाठ पढ़ाती है। देवी के नौ स्वरूपोंकृशैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुश्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्रीकृमें प्रत्येक हमें वो गुण सिखाती है जिसे अपनाकर हम जीवन को बेहतर, संतुलित और सार्थक बना सकते हैं। इस संपादकीय में मैं यह बताऊँगी कि शारदीय नवरात्रि का महत्व क्या है और किन आदर्शों को हर देवी से सीखना चाहिए, ताकि नवरात्रि का उपवास सिर्फ शरीर का न हो, बल्कि आत्मा की तृप्ति भी हो। नवरात्रि हिन्दू संस्कृति में शक्ति, महिला ऊर्जा, आत्मा की चेतना और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि जीवन की चुनौतियाँ चाहे कितनी भी बड़ी हों, धैर्य, समर्पण और सकारात्मक सोच से हर विपत्ति को परास्त किया जा सकता है। जब हम देवी की नौ रूपों का आह्वान करते हैं, तो हम न सिर्फ उनकी पूजा कर रहे होते हैं बल्कि उन गुणों को अपना रहे होते हैं जो मानव जीवन को प्रेरणा और दिशा देते हैं। आज जब दुनिया में मानसिक तनाव, अनिश्चितताएँ और बदलाव तेजी से आ रहे हैं, तब नवरात्रि की शक्ति हमें आंतरिक मजबूती और नैतिकता की ओर ले जाती है। पहला दिन है माँ शैलपुत्री का, जो हिमालय की पुत्री हैं। उनसे हमें मिलती है स्थायित्व, धैर्य और संतुलन की सीख। यह बताती हैं कि चाहे जीवन कितना भी अस्थिर हो जाए, यदि मूलाधार मजबूत हो तो स्थिरता बनी रहती है। दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी का पूजन होता है, जिनसे हम सीखते हैं संयम, तप और आत्मानुशासन। जीवन में जब अधीरता होती है, विपरीत परिस्थितियाँ हों, तब संयम ही हमें आगे बढ़ने की शक्ति देता है। तीसरे रूप में चंद्रघंटा आती हैं, जो साहस और गरिमा की प्रतिमूर्ति हैं। उनसे हमें सीखनी चाहिए कि आत्मविश्वास और शांत आत्मा के साथ चुनौतियों का सामना करना चाहिए। चौथे दिन माँ कुश्मांडा, जिन्होंने सृष्टि की रचना की, हमें ऊर्जा, सृजनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण की शिक्षा देती हैं कि मुस्कान से भी जीवन में प्रकाश फैल सकता है। पाँचवे स्वरूप स्कंदमाता, माँ के रूप में, प्रेम और ममता की मिसाल हैं; उनके माध्यम से हम सीखते हैं कि स्नेह, परोपकार और परिवार की ज़िम्मेदारी में भी संतुलन होता है। छठे दिन माँ कात्यायनी, जो अन्याय से लड़ने वाली युद्ध कौशल रूपा देवी हैं, हमें आत्मसम्मान और साहस की मिसाल सिखाती हैं कि हमें दूसरों के भेदभाव या कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि न्याय के लिए आवाज़ उठानी चाहिए। सातवें दिन माँ कालरात्रि, जो तामसिक अज्ञान और अधोगति को नष्ट करती हैं, हमें यह सिखाती हैं कि भय का सामना कर उसे हटा देना चाहिए, क्योंकि वही भय सबसे बड़ी बाधा है आत्मविकास में। आठवें स्वरूप महागौरी, जो पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक हैं, उनसे हमें समझना चाहिए कि बाहरी सुंदरता से ज़्यादा अंदर की शुद्धता मायने रखती है, आत्मा की उज्जवलता, विचारों की पवित्रता। अन्तिम दिन सिद्धिदात्री जो सभी सिद्धियों की दाता हैं, हमें सिखाती हैं विपुलता, आत्मसाक्षात्कार और आशीर्वाद बाँटने की भावना कि जब हम अपने जीवन में सफलता पाएँ, तो उसका हिस्सा दूसरों के लिए छोड़ना चाहिए। शारदीय नवरात्रि का त्योहार धार्मिकता के साथ–साथ सामाजिक और व्यक्तिगत सुधार का माध्यम भी है। यह हमें भूतल पर उन आदर्शों की याद दिलाता है जिन्हें हम कभी नहीं भूलना चाहिए: सच्चाई, अहिंसा, सहिष्णुता, सेवा, मन की शुद्धता, आत्म–विश्वास, स्वावलंबन, दया और करुणा। मंदिरों में प्रतिदिन की आरती, मंत्रों का जाप और व्रतकृ ये सब बाह्य गतिविधियाँ हैं, पर असली अर्थ तब होता है जब ये गतिविधियाँ हमारे जीवन की आदतें बन जाएँ। जब हम नवरात्रि समाप्ति के बाद भी इन आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारें–जैसे कि दूसरों के साथ मृदुता से पेश आना, परिवार की देखभाल, समाज सेवा, संकट में दूसरों की मदद करना, अपने भीतर की शांति बनाये रखना–तब ही नवरात्रि अपने पूरे महत्व पर खरी उतरती है।

व्रत रखने से हमें संयम आता है; भजन–कीर्तन और प्रवचन से मन ऊँचा होता है; सच्चे मन से देवी की स्तुति करने से आत्मा को शांति मिलती है। विशेष रूप से आज की तेज़–तर्रार ज़िंदगी में, जहाँ धरती से जुड़े रिश्ते, परिवार का समय, आंतरिक संवाद सब पीछे छूटते जा रहे हैं, शारदीय नवरात्रि हमें वापस अपने आप से जोड़ने का अवसर देती है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि स्त्री शक्ति, माँ शक्ति, सिर्फ देवी के रूप में नहीं, बल्कि हर महिला और हर व्यक्ति के अंदर बसती है जो अपने दायित्व, करुणा और शक्ति से जीवन को आकार देती है। महिला सशक्तिकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय की सोच इन दिनों ज़रूरी है। देवी के नौ रूपों से मिलती शिक्षा हमें सिखाती है कि स्त्री न केवल घर की संरक्षक है बल्कि वह समाज की विकास की धुरी है। शैलपुत्री की स्थिरता, ब्रह्मचारिणी का त्याग, कात्यायनी का साहस– इन गुणों को समाज में भी हर महिला लेकिन हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। दूसरों के लिए सेवा–स्कंदमाता जैसा मातृत्व, भय से लड़ना–कालरात्रि की तरह, और अंत में सभी को आशीर्वाद–सिद्धिदात्री जैसा व्यवहार, ये सभी तथ्य हमारे जीवन और समाज को संवेदनशील, अनुशासित और उदार बनाते हैं। इसलिए शारदीय नवरात्रि सिर्फ त्योहार नहीं, आत्म–उत्थान, आदर्शों का मार्ग और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा है। जब हम देवी की नौ कथाओं को सिर्फ सुनने वाले नहीं, बल्कि उनके गुणों को आत्मसात कर जीने वाले बनें, तभी हमारी आत्मा सचमुच जगमगाएगी और हमारा समाज सशक्त बनेगा। जय माता दी।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

शारदीय नवरात्र : प्रकृति को मातृभाव से पूजने का अनुपम अवसर

दुर्गा सप्तशती में भगवती स्वयं कहती हैं कि 'शारदीय नवरात्र में जो वार्षिक महापूजा का अनुष्ठान किया जाता है, उस अवसर पर देवी माहात्म्य अर्थात दुर्गा सप्तशती का पाठ व श्रवण करने से सभी मनुष्यों पर मेरी कृपा दृष्टि बनी रहती है। दुःख, बाधाएं शांत हो जाती हैं और सुख–समृद्धि का एक नया वातावरण जन्म लेता है। दुर्भाग्यवश प्रकृति विज्ञान की पश्चिमी सोच ने दुर्गा सप्तशती के इस विचार को पर्यावरण विज्ञान के संदर्भ में उपेक्षित कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रकृति पूजक भारत जैसे देश में भी तरह–तरह की प्राकृतिक आपदाएं विस्फोटक होती जा रही हैं और प्रकृति विरोधी मधु कैटभ भी प्रकृति को दासी बनाने पर तुले हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर पर्यावरण प्रदूषण का महिषासुरी आक्रमण प्रकृति की सभी शक्तियों को चुनौती देने में लगा है। हवा, पानी, धरती, आकाश आदि इन सभी प्राकृतिक शक्तियों पर राज करने की हवस बढ़ती जा रही है और पर्यावरण प्रदूषक असुर विनाशकारी अस्त्र–शस्त्रों से प्रकृति परमेश्वरी के साथ युद्ध की तैयारी में जुट गये हैं। इसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भारतीय शक्ति पूजा का पूरी दुनिया को यह संदेश है कि शारदीय नवरात्र को महज एक धार्मिक पर्व ही न माना जाये, बल्कि इसे प्रकृति पूजा के रूप में मनाया जाये। भारत का यह राष्ट्रीय धर्म हो जाता है कि वह प्रकृति पूजा के पर्यावरण विज्ञान पर खुद अमल करे और विनाशकारी भौतिक विज्ञान के दुष्परिणामों से झुलसे अन्य देशों को भी गुमराह होने से बचाए। समस्त जनमानस को जागरूक रखने के लिए भारत के प्रकृति वैज्ञानिकों ने विश्व को 'दुर्गा सप्तशती' और देवी भागवत जैसे दो अमूल ग्रंथरत्न दिये। चिंता का विषय यह भी है कि पश्चिमी पर्यावरण विज्ञान की सोच ने भारतीय प्रवृत्ति की पूरी अवधारणा को कुंठित कर दिया है। उपभोक्तावाद और अंधविकासवाद के आक्रमणों से आज प्रकृति तनाव के दौर से गुजर रही है।

'प्रकृति का मातृभाव से पूजन': भारतीय चिंतक प्राचीनकाल से ही शक्ति पूजा के माध्यम से प्रकृति विज्ञान के गूढ़ रहस्यों से मानव समाज को अवगत कराता आया है। नवरात्र के अवसर पर प्रकृति को मातृभाव से पूजने का यही अर्थ है कि सृष्टि को नियमन करने वाली प्रकृति परमेश्वरी से हमारा प्रत्यक्ष साक्षात्कार हो सके।

मार्कण्डेय ऋषि को भी यह चिंता थी कि प्रकृति विज्ञान के धरातल पर भी मनुष्य नवदुर्गाओं के दर्शन कर सके। देवी कवच में जिन नौ दुर्गाओं के नाम आए हैं, वे इस प्रकार हैं–

'प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।'
'तृतीयं चंद्रघण्टेति, कूष्माण्डेति चतुर्थकम्॥'
'पचमं स्कंदमातेति, षष्ठं कात्यानीति च।'
'सप्तमं कालरात्रीति, महागौरीति चाष्टमम्।'
'नवम् सिद्धिदात्री च नवदुर्गा प्रकीर्तिताः॥'

'प्रथम शैलपुत्री': पर्यावरण संतुलन की दृष्टि से पर्वत राज हिमालय की प्रधान भूमिका है। यह पर्वत मौसम नियंता होने के साथ–साथ देशवासियों को राजनैतिक सुरक्षा और आर्थिक संसाधन भी मुहैया करता है। प्राचीनकाल से ही हिमालय क्षेत्र ने धर्म और संस्कृति के विभिन्न स्रोत भी प्रवाहित किये। हिमालय क्षेत्र के इसी राष्ट्रीय महत्व को उजागर करने के लिये ही देवी के नौ रूपों में 'शैलपुत्री' के रूप में स्मरण करके सर्वप्रथम स्थान दिया गया है।

'द्वितीय ब्रह्मचारिणी': देवी का दूसरा नाम ब्रह्मचारिणी है। इस देवी को प्रकृति के सच्चिदानंदमय ब्रह्म स्वरूप के रूप में निरूपित किया जा सकता है। ऋग्वेद के देवी सूक्त में अम्भृण ऋषि की पुत्री वाग्देवी ब्रह्मस्वरूपा होकर समस्त जगत को ज्ञानमय बनाती है और अपने रुद्रबाण से अज्ञान का विनाश करती है–

'अहं रुद्राय धनुरा तनोमि ब्रह्म द्विषे शखे हन्तवा उ।'
'अहं जनाय समदं कृष्णोम्यहं द्यावापृथिवी आ विवेश।।'

'तृतीय चंद्रघण्टेति': देवी की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा के नाम से

प्रसिद्ध है। सुवर्ण सदृश शरीरवाली इस देवी के तीन नेत्र और दस हाथ हैं। मस्तक में घंटा के आकार का अर्द्ध चंद्र विद्यमान रहने के कारण चंद्रघण्टा कहा जाता है। शस्त्र–अस्त्र से सुशोभित सिंहवाहिनी यह देवी प्रकृति विनाशक दैत्यों का संहार करने के लिये प्रहरी का दायित्व संभालती हैं किन्तु प्रकृति उपासकों के लिए यह अपना लावण्यमयी दिव्य रूप उद्भासित करती हैं, इसलिए सप्तशती के टीकाकारों ने इसे प्रकृति के आल्हादक और सौंदर्यमय शक्तित्व के रूप में परिभाषित किया है।

'कूष्माण्डेति चतुर्थकम्': चौथी दुर्गा का नाम कूष्माण्डा है। किंचित हास्य मुद्रा में अण्ड अर्थात ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण यह शक्ति कूष्माण्डा कहलाई। सूर्य मंडल में निवास करने वाली इस देवी की ऊर्जा दसों दिशाओं में व्यापक रहती है। सिंहवाहिनी, अष्टभुजा यह देवी अस्त्र–शस्त्रों से सुसज्जित रहती है। कुम्हड़े की बलि प्रिय होने के कारण भी यह कूष्माण्डा के नाम से प्रसिद्ध है। त्रिविधा आपदाओं का संचालन तंत्र प्रकृति के इस चौथे रूप में समाया हुआ है, इसलिए उत्तरांचल के ग्रामों में नवरात्र के अवसर पर प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए कुम्हड़े की बलि देने की प्रथा आज भी है।

'पंचम स्कन्दमातेति': पांचवीं दुर्गा का नाम स्कन्दमाता है। शैलपुत्री ने ब्रह्मचारिणी बनकर तपस्या करने के बाद शिव से विवाह किया और बाद में स्कंद इनके पुत्र के रूप में उत्पन्न हुआ। पौराणिक मूर्ति विज्ञान के अनुसार इस देवी की तीन आंखें और चार भुजाएं हैं। पद्मासना इस देवी की गोद में स्कंद नामक बालक विराजमान है। आधुनिक पर्यावरण विज्ञान के संदर्भ में स्कंदमाता प्रकृति को माता के समान देखने का ज्ञान प्रदान करती हैं। अथर्ववेद में माता भूमि पुत्रोहम पृथ्वियाः का प्रकृति दर्शन ही देवी के इस पौराणिक चरित्र में साकार हुआ है। नवरात्र के शुभागमन पर देव्यपराध क्षमापन स्त्रोत के माध्यम से हर वर्ष स्कंदमाता का ध्यान करते हुए भारत का प्रकृति विज्ञानी यही कामना करता है कि हे जगजननी प्रकृति माता! मनुष्य जाने या अनजाने स्वार्थवश, प्रकृति के प्रति अपराध करता रहता है परन्तु आप अपने इन कुपुत्रों के अपराध क्षमा कर दो। कारण यह है कि पुत्र कुपुत्र हो सकता है पर माता कुमाता कभी नहीं होती।

'तदेतत् क्षन्तव्यं जननि सकलोद्वारिणि शिवे।'
'कुपुत्रों जायते कचिदपि कुमाता न भवति॥'

'षष्ठं कात्यायनीति': कात्यायन ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर छठी दुर्गा पुत्री रूप से कात्यायन आश्रम में प्रकट हुई, इसलिए कात्यायनी कहलाई। यह भी प्रसिद्ध है कि वृन्दावन की गोपियों ने श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने के लिए मार्गशीर्ष के महीने में यमुना नदी के तट पर कात्यायनी की पूजा की थी। इससे यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी भी मानी जाती है। तीन नेत्र और आठ भुजाओं वाली इस देवी का वाहन सिंह है।

'तपोवन संस्कृति के जरिये पर्यावरण संरक्षण': सर्वविदित है कि तपोवन संस्कृति का पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महान योगदान रहा है। अभिज्ञान शाकुन्तलम् के अनुसार कण्व आश्रम में भी तपोवनवासी शकुन्तला के नेतृत्व में संस्कृति संरक्षण व संवर्धन का जो कार्यक्रम चला रहे थे, वह आज के पर्यावरण संरक्षकों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता है। उपभोक्ताभाव के मूल्यों से परे हटकर पर्यावरण प्रेमी शकुन्तला का यह नियम था कि वह तपोवन के पेड़–पौधों को जल दिये बिना पहले जल ग्रहण नहीं करती थी। आभूषण की शौकीन होने पर भी तपोवन की वनसंपदा का सौंदर्य प्रसाधन के रूप में प्रयोग नहीं करती थी। वनस्पतियों में पहली बार जब पुष्पोदगम् होता था तो पूरा तपोवन उत्सव मनाता था। प्रकृति का कात्यायनी रूप वस्तुतः प्रकृति के सुकुमार और नित्यकुमारी रूप का परिचायक है। प्रकृति के साथ गंधर्व विवाह के उपभोक्तावादी नारी मूल्यों के विरुद्ध इस शक्ति तत्व की यह विशेषता भी है कि पुरुषायत्त समाज व्यवस्था के विरुद्ध जाकर भगवती कात्यायनी पति की दासता का त्याग कर देती है और तपोवन प्रकृति के समान नित्य कौमार्य रूप का वरण कर लेती है। नारी स्वातंत्र्य 'कात्यायिनी' का प्रधान चरित्र है–

'देव कामार्थ कात्यायनाभमे आविर्भूता तेन'
'कन्यात्वेन स्वीकृतेति कात्यायनीति नाम भहवत्याः।'
'अभ्या निरंतर कुमारीत्वेन पन्यधीनतया स्वतंत्रत्वम्।।' (दुर्गा सप्तशती)

'सप्तमं कालरात्रीति': दुर्गा की सातवीं शक्ति 'कालरात्रि' है। इसे महाकाल आदि की शक्ति 'काली' या 'महाकाली' के नाम से भी जाना जाता है। नवरात्र की सातवीं तिथि को इस कालरात्रि का विशेष स्तवन किया जाता है। प्रलय तथा विध्वंस के प्राकृतिक प्रकोप देवी के इसी भयावह रूप की अभिव्यक्ति है। कालरात्रि की आकृति विकराल है। यह महाकाली मुर्दे पर सवार है। उसका चेहरा तीक्ष्ण दांतों और दहशत भरे हास्य से जगत को कंपकपा कर देता है। जिह्वा बाहर निकाले श्मशानवासी इस देवी के एक हाथ में खड्ग और दूसरे में नरमुण्ड रहता है। तीसरे हाथ में अभयदान की मुद्रा रहती है तो चौथा हाथ वरदान देने के भाव से ऊपर उठा रहता है।

'महागौरीति चाष्टमम्': 'काली' के भयावह रूप से शिव भी स्तब्ध रह गये थे, तब उन्होंने इस देवी को आक्रोश से 'काली' कह दिया। इस पर प्रकृति ने अपने इस भयावह रूप से मुक्ति पाने के लिए घोर तपस्या की और स्वयं को गौरवपूर्ण बना दिया। देवी का यह आठवां रूप 'महागौरी' के नाम से लोकविश्रुत है। सत्यम्–शिवम्–सुन्दरम् को व्यक्त करने वाली इसी सौम्य और सात्विक प्रकृति की मुद्रा की लोककामना की जाती है, इसलिए दुर्गाष्टमी के दिन इसी लोक कल्याणी महाशक्ति की पूजा का विशेष अनुष्ठान होता है। दुर्गा सप्तशती में कहा गया है कि गौरी के शरीर से प्रकट होने वाली प्रकृति सत्वगुण प्रधान है। सर्जनहारी प्रकृति के संरक्षण से लोक कल्याण संभव होता है। इसी ने पूर्व काल में शुम्भ नामक दैत्य का संहार किया और यही साक्षात सरस्वती भी है–

'गौरी देहात्समुद्भूता या सत्वैक गुणाश्रया।'
'साक्षात्सरस्वती प्रोक्ता शुष्मासुर निवर्हिणी॥'

'नवमं सिद्धिदात्री': दुर्गा की नौवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' कहलाती है। विश्व के सभी कार्यों को साधने वाली देवी के इस रूप को सर्वार्थसाधिका प्रकृति के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। ऋग्वेद की ब्रह्मस्वरूपा वाग्देवी स्वयं कहती हैं कि मैं जिसकी रक्षा करना चाहती हूं, उसे सर्वश्रेष्ठ बना दूं और सर्वज्ञान संपन्न बृहस्पति बना दूं। (ऋग्वेद 10–125–5) देवी पुराण के अनुसार भगवान शिव ने इसी शक्ति की उपासना करके सिद्धियां प्राप्त की थीं और वे अर्द्ध नारीश्वर कहलाये। सिंह वाहिनी, चतुर्भुजा यह देवी प्रसन्नवदना है। दुर्गा के इस स्वरूप की देव, ऋषि, सिद्ध, योगी, साधक व भक्त मोक्ष प्राप्ति के लिए उपासना करते हैं।

नवरात्रि विशेष– माँ के नौ स्वरूप : आधुनिक जीवन के नौ पाठ

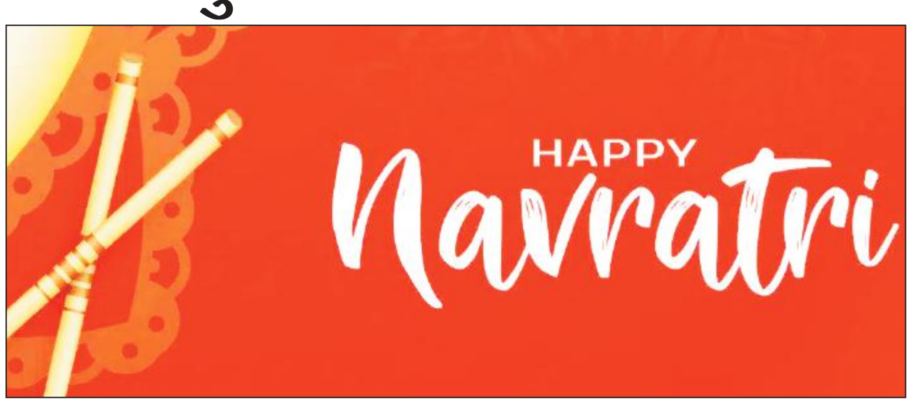

नवरात्र केवल देवी की पूजा का समय नहीं है बल्कि यह जीवन को दिशा देने वाला चेतना और परिवर्तन का महापर्व है। माँ के नौ रूप हमें सिर्फ धार्मिक शक्ति ही नहीं बल्कि आज की दुनिया के लिए जरूरी जीवन प्रबंधन, साहस, संवेदनशीलता और संतुलन सिखाते हैं। आज जब इंसान तनाव, प्रतिस्पर्धा, प्रदूषण और रिश्तों की उलझनों से जूझ रहा है, नवरात्र हर दिन एक नया पाठ लेकर आता है। आइए जानते हैं कि इन नौ दिनों को हम कैसे आधुनिक जीवन के नौ संकल्पों में बदल सकते हैं –

शैलपुत्री से सीखें आत्मविश्वास और स्थिरता
माँ पर्वतराज की पुत्री हैं – अडिग और अचल।

- आज की भाषा में, वे हमें कहती हैं: "डर मत, मजबूत रहो। लक्ष्य बदल सकता है, पर हिम्मत कभी नहीं।"

संकल्प : हर चुनौती में स्थिर रहना, भागना नहीं।

ब्रह्मचारिणी से सीखें धैर्य और अनुशासन
उनकी साधना हमें याद दिलाती है कि सफलता शॉर्टकट से नहीं, निरंतर प्रयास से मिलती है।

- आज के छात्रों और युवाओं के लिए सबसे बड़ा संदेश – धैर्य ही असली ताक़त है।

संकल्प : मोबाइल और स्क्रीन टाइम पर नियंत्रण, पढ़ाई और करियर पर फोकस।

चंद्रघंटा से सीखें साहस और स्पष्टता
वे रणभूमि की देवी हैं।

- आज के दौर में इसका अर्थ है – सही बात पर डटे रहना, चाहे पूरी भीड़ आपके खिलाफ हो।

संकल्प : अन्याय, भ्रष्टाचार और झूठ के विरुद्ध आवाज़ उठाना।

कुष्मांडा से सीखें सकारात्मकता और सृजन
मुस्कान से ब्रह्मांड रचने वाली माँ सिखाती हैं – नेगेटिविटी को मुस्कान से हराओ।

- यह दौर नकारात्मक खबरों और अफवाहों का है, यहाँ सकारात्मक रहना ही सबसे बड़ा साहस है।

संकल्प : हर दिन कुछ नया सीखना और रचनात्मकता को बढ़ाना।

स्कंदमाता से सीखें रिश्तों में ममता और जिम्मेदारी

- आज के व्यस्त जीवन में रिश्ते अक्सर पीछे छूट जाते हैं। माँ स्कंदमाता याद दिलाती हैं – परिवार ही असली शक्ति है।

संकल्प : हर दिन परिवार और अपनों के लिए समय निकालना।

कात्यायनी से सीखें सेवा और समाजहित
वे अन्याय के अंत और धर्म की स्थापना के लिए अवतरित हुईं।

- आज के समय में, यह है – समाज के कमजोर वर्ग की मदद करना।

संकल्प : हर माह ज़रूरतमंद को सहयोग देना (शिक्षा, भोजन, कपड़े आदि)।

कालरात्रि से सीखें निर्भयता
उनका भयंकर रूप कहता है –भय से मुक्ति ही असली आज़ादी है।

- आज के समय में यह सन्देश महिलाओं की सुरक्षा और आत्मरक्षा का प्रतीक है।

संकल्प : भय से नहीं, समाधान से जीना।

महागौरी से सीखें सादगी और पवित्रता

- वे बताती हैं – सच्ची सुंदरता महंगे कपड़े या ब्रांडेड लाइफस्टाइल में नहीं, बल्कि स्वच्छता और पवित्रता में है।

संकल्प : सरल जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और शुद्ध विचार अपनाना।

सिद्धिदात्री से सीखें संतुलन और संतोष
वे सभी सिद्धियाँ देने वाली माँ हैं।

- आज के समय में यह अर्थ है – ज़िंदगी में संतोष और मानसिक शांति सबसे बड़ी उपलब्धि है।

संकल्पः हर परिस्थिति में आभार व्यक्त करना और संतुलन बनाए रखना।

नवरात्रि का असली संदेशः नवरात्र हमें याद दिलाता है कि शक्ति हमारे भीतर ही है। अगर हम हर दिन एक–एक देवी के गुण को जीवन में उतार लें तो नवरात्र पूजा से आगे बढ़कर जीवन बदलने वाला पर्व बन जाएगा। यह केवल नौ दिन की भक्ति नहीं, बल्कि नौ संकल्पों से नया जीवन गढ़ने का अवसर है। आज के युवाओं, परिवारों और समाज को नवरात्र यही पुकार कर कहता है – "दीपक सिर्फ मंदिर में मत जलाओ, अपने भीतर भी एक दीप जलाओ। माँ की पूजा से पहले, माँ के गुणों को अपने जीवन में उतारो।" यही होगा सच्चा नवरात्र – चेतना, शक्ति और परिवर्तन का उत्सव।

प्रतिमाएं नहीं प्रतीक बनें नौ देवियां

डॉ घनश्याम बादल

हिंदू धर्म के सबसे बड़े पर्वों में से एक माने जाने वाले नवरात्र शुरू हो गए हैं । नौ दिन तक तन मन की शुद्धि के लिए किए जाने वाले नवरात्र व्रत केवल धार्मिक कर्मकांड मात्र नहीं हैं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी रखते हैं और प्रतीक रूप में एक गहरा संदेश देते हैं। भारत की संस्कृति और परंपराएँ अपने भीतर गहरे दार्शनिक अर्थ समेटे हुए हैं। नवरात्र का शाब्दिक अर्थ है "नौ रातें" और यह देवी–शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार दृ चैत्र और शारदीय नवरात्रि दृ मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शक्ति की आराधना और असुर शक्तियों पर विजय का प्रतीक है, परंतु यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि स्त्री–शक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्थान का उत्सव भी है। आज के समय में जब समाज महिला असमानता, सामाजिक भेदभाव, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन आदि अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है तब नवरात्र हमें अवसर देते हैं कि इन समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार करें और समाधान खोजें। नवरात्र की कथा के अनुसार, दुर्गा देवी ने महिषासुर जैसे राक्षस का वध कर देवताओं और मानवता को अत्याचार से मुक्ति दिलाई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि जब अन्याय और अत्याचार अपनी सीमा पार कर लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक शक्ति का उदय होता है। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है दृ चाहे वह सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष हो, अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज़ उठाना हो या व्यक्तिगत जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाना। भले ही कथा मित्र को पर आधारित हो लेकिन प्रतीक ग्रुप में यह आज भी बड़ा संदेश देती है।

आज यें नौ देवियाँ केवल धार्मिक प्रतिमाएं मात्रा नहीं अपितु आधुनिक प्रतीक भी हैं। यदि हम इन्हें आधुनिक दृष्टि से देखें तो प्रत्येक देवी एक मानवीय मूल्य और सामाजिक आदर्श का प्रतीक है। लिए एक नई दृष्टि के साथ इन देवियों के आधुनिक प्रति को एवं अर्थो पर दृष्टि डालते हैं।

शैलपुत्री : पर्वतपुत्री शैलपुत्री धरती और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं। आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, यह देवी हमें बताती हैं कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और टिकाऊ जीवन शैली अपनानी चाहिए। देवी ब्रह्मचारिणी तपस्या और अनुशासन का प्रतीक हैं। यह संदेश देती हैं कि शिक्षा, आत्मसंयम और स्पष्ट जीवन–दृष्टि से ही प्रगति संभव है। चंद्रघंटा साहस और वीरता की देवी हैं। वे सिखाती हैं कि समाज में अन्याय, अपराध और शोषण के खिलाफ निडर होकर खड़ा होना चाहिए। कूष्मांडा सृष्टि की रचयिता कुष्मांडा आधुनिक युग में रचनात्मकता, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। स्कंदमाता मातृत्व और पालन–पोषण की प्रतीक हैं वे हमें याद दिलाती हैं कि अगली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना हमारा कर्तव्य है। कात्यायनी दमन और अन्याय के अंत की प्रतीक। वे महिला सशक्तिकरण और न्यायपूर्ण समाज के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती हैं।

कालरात्रि अंधकार का नाश करने वाली देवी कालरात्रि हमें अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का संदेश देती हैं। मां महागौरी पवित्रता और शांति की प्रतीक हैं और समाज में स्वच्छता, समानता और मानसिक शांति का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। सिद्धिदात्री जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ज्ञान, उपलब्धि और परिपूर्णता की प्रतीक देवी हैं। वे प्रेरित करती हैं कि हम कौशल और ज्ञान से आत्मनिर्भर और समर्थ बनें। इन नौ देवियों को यदि हम नौ सामाजिक स्तंभ मानें तो नवरात्रि हमें आत्मसुधार और समाज–सुधार की एक पूरी रूपरेखा प्रदान करती है। सामाजिक सुधार की दृष्टि से भी नवरात्र का महत्व कम नहीं है बल्कि यह समाज को नई दिशा देने का काम कर सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण का संदेशः नवरात्रि का मूल ही स्त्री–शक्ति की उपासना है। नवरात्र में हम संकल्प लें कि बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना है यह संकल्प ही इस पर्व को सार्थक बना सकता है।

कुरीतियों का उन्मूलनः नवरात्रि आत्मशुद्धि का समय है। यह अवसर है कि हम अंधविश्वास, जातिवाद, छुआछूत, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा लें।

पर्यावरण संरक्षण : प्रकृति अपने आप में देवी का स्वरूप है। इस अतः नवरात्र में वृक्षारोपण, प्लास्टिक–मुक्त अभियान और जल–संरक्षण का संदेश समाज को दिया जा सकता है। पूजा में इको–फ्रेंडली सामग्री का प्रयोग करके हम इस पर्व को पर्यावरण के अनुकूल बना सकते हैं।

सामाजिक समरसताः नवरात्रि के दौरान होने वाले सामूहिक आयोजन जाति, धर्म और वर्ग भेद को मिटाने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा सकते हैं जो समाज को जोड़ने का काम करें।

आत्मसंयम और स्वास्थ्यः नवरात्रि में व्रत व उपवास का अलग ही महत्व है। इसे केवल धार्मिक नियम न मानकर स्वस्थ जीवनशैली, नशा–मुक्ति और मानसिक शांति का अभ्यास बनाया जा सकता है। अतः समग्र रूप में कहा जा सकता है कि नवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व मात्र नहीं बल्कि आत्म–संयम, सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन का अवसर है। नौ देवियाँ हमें साहस, ज्ञान, अनुशासन, मातृत्व, न्याय, रचनात्मकता और शांति का संदेश देती हैं। यें गुण मिलकर ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। यदि हम नवरात्रि को सामाजिक सुधार की दृष्टि से मनाएँ तो यह पर्व महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम बन सकता है।

'अर्थ' से पूर्व मेरा करियर खत्म मान लिया गया था,महेश भट्ट ने साझा की शुरुआती विफलताओं की कहानी"

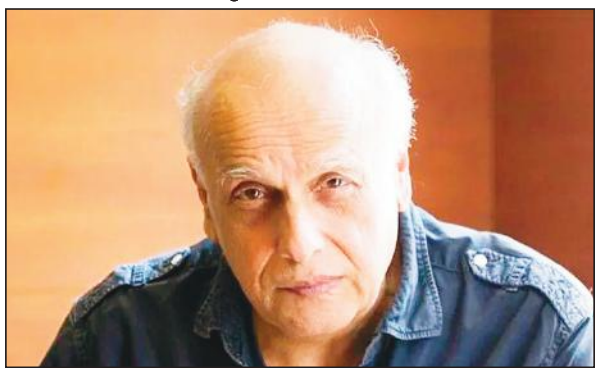

मुंबई, (भाषा) फिल्म निर्देशक महेश भट्ट ने कहा है कि वह आज भी खुद को एक ''लड़खड़ाता और ठोकर खाता इंसान'' मानते हैं, जिन्होंने जब फिल्म उद्योग में कदम रखा तब लगातार असफलताएं झेलीं। महेश भट्ट ने दिवंगत राज खोसला के सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। उन्होंने 1974 में 'मंजिलें और भी हैं' से निर्देशन में कदम रखा। हालांकि कबीर बेदी और प्रेमा नारायण अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली। इसके बाद उन्होंने 'विश्वासघात', 'नया दौर', 'लहू के दो रंग' जैसी फिल्में बनाईं, जो दर्शकों पर कुछ खास असर नहीं छोड़ पाईं। महेश भट्ट को तब सफलता मिली जब उन्होंने आत्मकथा पर आंशिक रूप से आधारित फिल्में––'अर्थ', 'जन्म', 'जख्म' बनायीं। उन्होंने कहा, ''20 की उम्र के बाद का एक दशक मेरे लिए बहुत खराब रहा। मेरी तीन–चार फिल्में आईं लेकिन लगातार नाकामयाब रहीं। 'अर्थ' फिल्म रिलीज होने के पहले समझ लिया गया कि मेरा करियर खत्म हो गया हैं।'' उन्होंने कहा, "मैं बस एक संघर्षरत, लड़खड़ाता और हकलाता हुआ इंसान हूं। कुछ फिल्में मैंने बनाईं जो अच्छी निकलीं लेकिन वे सेट पर मौजूद सामूहिक ऊर्जा और मेरे साथियों के योगदान के वजह से थीं।'' निर्देशक–निर्माता नानाभाई भट्ट के बेटे महेश भट्ट (76) ने बताया कि उन्होंने कभी खुद को फिल्मकार नहीं माना क्योंकि वह केवल रोजगार की तलाश में इस उद्योग में आए थे। उन्होंने कहा, "15 साल की उम्र में मेरी मां ने मुझसे कहा, ''तुम्हारे पापा मुश्किल में हैं, हमें पैसे की जरूरत है। तुम्हारी बहन 'एयरोस्पेस इंजीनियर' के रूप में काम करने लगी है। तुम यहां बैठे हो और मेरे सामने खा रहे हो, मुझे ये अच्छा नहीं लगता।" उन्होंने याद करते हुए कहा, "मैंने खाना वहीं रख दिया, हाथ पोंछे और अपने दोस्त असगर अली के पास जाकर चिल्लायाः ''मुझे कोई काम दिला।'' मैंने पवई स्थित किलिक निक्सन में टर्नर और फिटर के रूप में काम शुरू किया। मेरी पहली हफ्ते की तनख्वाह 58 रुपये थी... मैंने वो पैसे अपनी मां को दिए। मैंने बस खाने के लिए काम किया।" महेश भट्ट ने बताया कि वह अच्छे विद्यार्थी नहीं थे और कॉलेज छोड़ दिया था लेकिन उन्हें कहानियां सुनाकर जीवन में आगे बढ़ने की कला आती थी। उन्होंने कहा, "मेरा बचपन शायद सामान्य घरों के मानकों के अनुसार कुछ हद तक त्रस्त था। मैंने खुद को संभालने के लिए कहानियों का सहारा लिया। मेरी कहानी कहने की कला वहीं से शुरू हुई लेकिन जब मैंने शुरुआत की, तब भी मैं लड़खड़ाता रहा, गिरता रहा।'' भट्ट ने कहा, "अगर आप असफलता से डरते हैं तो इस उद्योग में मत आइए। यहां असफलता हमेशा साथ रहती है, सफलता एक संयोग मात्र है। अगर आप में सार्वजनिक रूप से असफल होने, आलोचना सहने का साहस है, तभी आइए, वरना उठिए और यहां से निकल जाइए।" जब उनसे पूछा गया कि उनकी निजी जिंदगी और फिल्में जैसे 'अर्थ', 'जख्म' और 'वो लम्हे' अक्सर एक–दूसरे में कैसे जुड़ी रहीं तो भट्ट ने कहा कि उनके लिए यह सहज था क्योंकि सिनेमा ही उनकी अभिव्यक्ति का माध्यम था।

फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए चुने जाने पर करीना कपूर, अनिल कपूर और अन्य ने दी बधाई

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे, करीना कपूर खान और अनिल कपूर सहित कई मशहूर हस्तियों ने नीरज घायवान निर्देशित फिल्म ''होमबाउंड'' के भारत की ओर आधिकारिक तौर पर ऑस्कर के लिए चुने जाने पर फिल्म की टीम को शुभकामनाएं दीं और इसे ''गर्व का क्षण" बताया। करण जौहर और अदार पूनावाला द्वारा निर्मित इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई है। वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले अकादमी पुरस्कार की सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में फिल्म ''होमबाउंड'' को शुक्रवार को चुना गया। अनन्या ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर शुक्रवार को फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए घायवान के निर्देशन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''वाह!! यह अविश्वसनीय है। पूरी टीम को बधाई। सिनेमाघरों में इस खूबसूरत और दिल को छू लेने वाली फिल्म को देखने का बेसब्री से इंतजार है। आप जो भी बनाते हैं वह बहुत अच्छा होता है। आप सभी के लिए बहुत खुश हूं।'' करीना ने कहा कि वह फिल्म देखने के लिए उत्साहित हैं। करण जौहर को बधाई। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे देखने के लिए मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।" अनिल ने कपूर ने कहा कि उन्हें इतना गर्व है कि उसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा, ''इतना गर्व है कि उसे शब्दों में बयां नही किया जा सकता। फिल्म 'होमबाउंड' ऑस्कर में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है। पूरी टीम और ईशान खट्टर, जाह्नवी कपूर और विशाल जेठवा को बधाई। आपका सफर, आपकी प्रतिभा और पर्दे पर आपकी ईमानदारी इस पल को वाकई खास बनाती है।'' सारा अली खान ने कहा, ''बधाई हो। यह बहुत बड़ी बात है!! फिल्म 'होमबाउंड' की पूरी टीम के लिए बहुत खुश हूं।" शनाया कपूर ने कहा, ''पूरी टीम को बधाई! 26 तारीख का बेसब्री से इंतजार है! यह गर्व और अविश्वसनीय क्षण है।''

शाहिद कपूर ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कहा, ''बधाई हो।'' फिल्म को कान फिल्म महोत्सव में अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी में चुना गया था और हाल ही में टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी यह प्रदर्शित की गई थी। 'होमबाउंड' को चयन समिति के अध्यक्ष एन. चंद्रा द्वारा ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। यह फिल्म पत्रकार बशारत पीर के 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के लेख "टेकिंग अमृत होम" से प्रेरित है, जिसका शीर्षक भी (ए फ्रेंडशिप, ए पैनडेमिक एंड ए डेथ बिसाइड द हाईवे) है। यह उत्तर भारत के एक छोटे से गांव के दो बचपन के दोस्तों की कहानी है, जिनमें से एक मुसलमान और दूसरा दलित है, जो पुलिस की नौकरी पाने के लिए प्रयासरत हैं, जो उन्हें वह सम्मान दिलाने का वादा करती है, जिससे वे लंबे समय से वंचित हैं।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बाद दीपिका ने शाहरुख के साथ शुरू की 'किंग' की शूटिंग

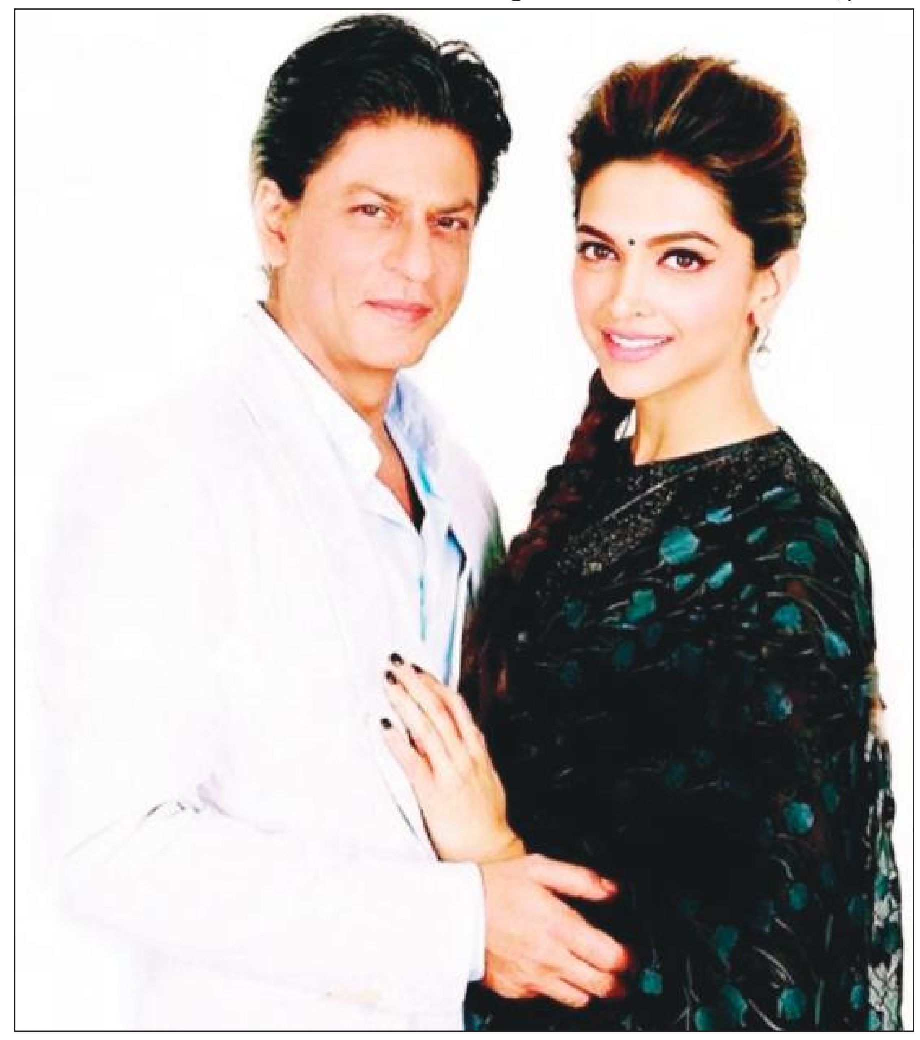

नयी दिल्ली, बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अभिनेता शाहरुख खान के साथ अपनी आगामी फिल्म ''किंग'' की शूटिंग शुरू करने पर सोशल मीडिया पर दिल को छू जाने वाली एक पोस्ट लिखी। दीपिका और शाहरुख की यह छठी फिल्म होगी। इससे पहले उन्होंने ''ओम शांति ओम'' (2007), ''चेन्नई एक्सप्रेस'' (2013), ''हैप्पी न्यू इयर'' (2014), ''पठान'' (2023) और ''जवान'' (2023) में साथ काम किया था। दीपिका कुछ दिन पहले, 2024 में आई तेलुगु ब्लॉकबस्टर ''कल्कि 2898 एडी'' के सीक्वल से बाहर हो गई थीं। अभिनेत्री ने एक मूल्यवान सीख देने के लिए शाहरुख का आभार जताया और कहा कि उन्होंने अपने हर फैसले में इस बात को लागू किया। अभिनेत्री ने लिखा, ''उन्होंने (शाहरुख) ने लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान मुझे जो पहली सीख दी थी वह फिल्म बनाने का अनुभव था। उन्होंने कहा था कि आप जिन लोगों के साथ मिलकर फिल्म बनाते हैं, वे फिल्म की सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।'' दीपिका (39) ने शाहरुख का हाथ पकड़े हुए एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की और लिखा, "मैंने तब से गांठ बांध ली और अपने हर फैसले में इस सीख को लागू किया है। और शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं।''बताया जा रहा है कि इस नयी फिल्म 'किंग' में शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी होंगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को ''कल्कि 2898 एडी'' के निर्माताओं ने घोषणा की थी कि दीपिका फिल्म के सीक्वल में नहीं होंगी। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करने वाले 'वैजयंती मूवीज' स्टूडियो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह खबर साझा की थी। पोस्ट में कहा गया था, "आधिकारिक तौर पर घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण... 'कल्कि2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। पहली फिल्म बनाने की लंबी यात्रा के बावजूद हम साझेदारी कायम नहीं रख पाए। 'कल्कि2898 एडी' जैसी फिल्म उस प्रतिबद्धता और उससे भी कहीं ज्यादा की हकदार है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।" फिल्म जून 2024 में प्रदर्शित हुई थी और वैश्विक स्तर बॉक्स ऑफिस पर इसने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।

रूस के काल्मिकिया में किया जाएगा भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के कपिलवस्तु स्थित पिपरहवा में रखे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का रूस के काल्मिकिया में प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य इन अवशेषों को प्रदर्शनी के लिए ले जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यहां रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, केंद्र सरकार का संस्कृति मंत्रालय आगामी 24 सितंबर से एक अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन आयोजित कर रहा है। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मौर्य पवित्र अवशेषों को रूस ले जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। मौर्य प्रतिनिधिमंडल के साथ 23 सितंबर को भारतीय वायुसेना के विमान से रूस रवाना होंगे। प्रतिनिधिमंडल अपने साथ भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषों को ले जाएगा। बयान के अनुसार, काल्मिकिया ऐसा क्षेत्र है जहां बौद्ध धर्मावलम्बियों की खासी आबादी है और वहां बौद्ध धर्म केवल मजहब ही नहीं बल्कि संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। मौर्य ने बताया कि कपिलवस्तु अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा भारत की 'सॉफ्टपावर' और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, " इससे पहले थाईलैंड और वियतनाम में भगवान बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी है। थाईलैंड और वियतनाम की सफलता ने वैश्वक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ायी है।" मौर्य ने बताया कि रूस में होने वाली प्रदर्शनी इस गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएगी और भारत की सांस्कृतिक छवि को और निखारेगी जिससे द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ सांस्कृतिक व राजनीतिक रिश्तों में और गहराई आएगी।

महलों का शहर मैसूर दशहरा उत्सव के लिए तैयार

मैसुरु, (भाषा) वर्ष का वह समय एक बार फिर आ गया है, जब यह ऐतिहासिक नगरी सालाना दशहरा उत्सव की तैयारियों में रंग–बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सज उठती है। वर्ष 1610 में शुरू हुई नवरात्रि पर्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी शहर में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला आरंभ हो गई है, जो न सिर्फ स्थानीय निवासियों बल्कि देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। 'नाडा हब्बा' (राज्य उत्सव) के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व में इस बार कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के साथ–साथ शाही वैभव की झलक भी देखने को मिलेगी। इसी बीच, इस बार के मैसूर दशहरा समारोह के उद्घाटन को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया, क्योंकि राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित किया है। चंद्र पंचांग के अनुसार इस वर्ष का ग्यारह दिवसीय दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होकर विजयादशमी यानी दो अक्टूबर को समाप्त होगा। दशहरा को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। यह त्योहार तत्कालीन मैसूर राजवंश के शाही संरक्षण में मनाया जाता था। अब यह त्योहार कर्नाटक सरकार के तत्वावधान में मनाया जाता है। मुश्ताक 22 सितंबर को सुबह 10:10 से 10:40 के शुभ वृश्चिक लग्न में चामुंडी हिल्स स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर में वेद मंत्रोच्चार के बीच देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दशहरा समारोह का उद्घाटन करेंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया, उनके कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें राज्य सरकार द्वारा मुश्ताक को समारोह के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने को बरकरार रखा गया था। आलोचकों का कहना है कि इस पर्व की शुरुआत वैदिक अनुष्ठानों और देवी चामुंडेश्वरी को पुष्प अर्पण से होती है, ऐसे में मुश्ताक को आमंत्रित करना धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का अनादर है। इस सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी आपत्ति जताई थी, खासकर तब जब मुश्ताक का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर उन्होंने कन्नड़ भाषा की 'देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजा पर आपत्ति जताई थी। हालांकि, मुश्ताक का कहना है कि उनके पुराने भाषण को तोड़–मरोड़कर सोशल मीडिया पर पेश किया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

होटल में 7,500 रुपये तक किराये वाले कमरे सोमवार से 525 रुपये तक सस्ते होंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) नई जीएसटी दरें लागू होने के साथ ही होटल में 7,500 रुपये या उससे कम किराये वाले कमरे सोमवार से 525 रुपये तक सस्ते हो जाएंगे। आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने कहा कि होटल उद्योग के लिए, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बिना माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने से वृद्धि को समर्थन मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और होटल देश भर में मेहमानों को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इस समय 7,500 रुपये तक के दैनिक किराये वाले होटल के कमरों पर आईटीसी के साथ 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, इस कटौती से कमरे का किराया सात प्रतिशत सस्ता होगा। इसी प्रकार यात्रियों को भोजन पर जीएसटी का लाभ भी मिलेगा। रेडिसन होटल समूह के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) निखिल शर्मा ने पीटीआई–भाषा को बताया कि सरलीकृत कर संरचना होटल संचालकों और यात्रियों के लिए स्पष्टता लाएगी। रमाडा जैसे ब्रांड के मालिक, विन्धम होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के यूरेशिया बाजार के प्रबंध निदेशक राहुल मैकरियस ने कहा कि भारत का यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र मजबूती से बढ़ रहा है और जीएसटी सुधार बिल्कुल सही समय पर आया है।

विपक्ष को जेन जी का एक और झटका!, डूसू के बाद अब एबीवीपी ने हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में लहराया जीत का परचम

हैदराबाद। विपक्ष को जेन जी ळमर्द– ने एक और झटका दिया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ (डूसू) में अध्यक्ष समेत 3 पदों पर जीत दर्ज करने के बाद अब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी ने हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में अपना परचम लहराया है। एबीवीपी ने सेवा लाल विद्यार्थी दल (एसएलवीडी) के साथ मिलकर हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ का चुनाव लड़ा। हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ में एबीवीपी–एसएलवीडी गठबंधन के शिव पालेपु ने अध्यक्ष पद जीत लिया। वहीं, देवेंद्र ने उपाध्यक्ष पद जीता। महासचिव पद पर श्रुति प्रिया और संयुक्त सचिव पद पर सौरभ शुक्ला की जीत हुई। एबीवीपी–एलएलवीडी गठबंधन की वीनस सांस्कृतिक सचिव चुनी गईं। वहीं, हैदराबाद यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के खेल सचिव पद पर गठबंधन के ज्वाला ने कब्जा जमाया। इससे पहले एबीवीपी ने बीते दिनों ही दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ में अध्यक्ष, महासचिव और संयुक्त सचिव के अहम पद जीते हैं। एबीपीवी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में कांग्रेस के एनएसयूआई को जोरदार पटकनी दी थी। एनएसयूआई सिर्फ उपाध्यक्ष का पद हासिल कर सकी थी। इससे पहले एबीवीपी ने 2024 में पटना यूनिवर्सिटी, पंजाब यूनिवर्सिटी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, दिल्ली यूनिवर्सिटी और गुवाहाटी यूनिवर्सिटी समेत कई यूनिवर्सिटीज के छात्रसंघ चुनाव में परचम लहराया था। एबीवीपी ने अपनी सक्रियता बढ़ाई है। साथ ही यूनिवर्सिटीज के प्रशासन से बात कर छात्रों को होने वाला तमाम दिक्कतों को दूर भी कराया है। इसके साथ ही बीजेपी और एबीवीवी नेताओं की रणनीति ने भी छात्रसंघों में उसकी पैठ कराने में काफी मदद की है। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के बाद हैदराबाद छात्रसंघ में एबीवीपी की जीत से विपक्ष को जोरदार झटका लगना तय है। क्योंकि विपक्ष हाल के दिनों में लगातार जेन जी और युवा वर्ग का आह्वान करता रहा है कि वो बीजेपी और केंद्र सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों। वहीं, दिल्ली यूनिवर्सिटी और हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों ने हालांकि विपक्ष के आह्वान के खिलाफ अपना रुख जाहिर कर दिया है। एबीवीपी की दिल्ली और हैदराबाद यूनिवर्सिटी में जीत से बीजेपी को भी युवाओं में से ज्यादातर के अपने पक्ष में होने का पता चला है। जाहिर है इससे बीजेपी का मनोबल भी बढ़ेगा।

काजीरंगा विश्वविद्यालय में नगालैंड के छात्र सुरक्षितः मंत्री

कोहिमा, (भाषा) नगालैंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री तेम्जेन इम्ना अलोंग ने रविवार को कहा कि असम के जोरहाट स्थित काजीरंगा विश्वविद्यालय में पढ़ रहे राज्य के छात्र सुरक्षित हैं।मंत्री का यह बयान दिवंगत असमिया गायक जुबिन गर्ग के बारे में एक नगा छात्र द्वारा की गई टिप्पणी से उत्पन्न हुए तनाव के बाद आया है। अलोंग ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटनाक्रम शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुआ और देर रात दो बजे तक जारी रहा। यह तनाव बी.टेक के एक छात्र की टिप्पणी से स्थानीय भावनाएं आहत होने के बाद पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है, जबकि विश्वविद्यालय में नामांकित 300–400 से अधिक नगा छात्र सुरक्षित हैं। इस बीच, काजीरंगा विश्वविद्यालय तनाव के विवाद के केंद्र में रहे नगा छात्र ने रविवार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। अपने बयान में, छात्र लिसेरी एस. संगतम ने कहा, "मैं अपने कार्यों और आचरण के लिए क्षमाप्रार्थी हूं जिससे असम के नागरिकों की भावनाओं को ठेस पहुंची। दिवंगत प्रिय गायक जुबिन गर्ग का अनादर करने का मेरा कोई इरादा नहीं था। हालांकि, मैं असम के सभी समुदायों से क्षमा चाहता हूं।" छात्र ने कहा, "दिवंगत जुबिन गर्ग दा और उनके प्रशंसकों से क्षमा याचना करते हुए, भविष्य में ऐसी हरकतें दोबारा नहीं दोहराई जाएंगी।" संगतम ने कहा कि वह असम के लोगों और उन सभी समुदायों से क्षमा मांगते हैं जिन्हें ठेस पहुंची है। मंत्री ने त्वरित हस्तक्षेप और नगालैंड अधिकारियों के साथ समन्वय के लिए असम सरकार, पुलिस और काजीरंगा विश्वविद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री ने कहा, "स्थिति अब सामान्य है। भीड़ के गुस्से में बेकाबू हो जाने के अलावा कोई बड़ी चोट या अप्रिय घटना नहीं हुई।" अलोंग ने माना कि गर्ग की मौत पर व्यापक शोक को देखते हुए छात्र की टिप्पणी अनुचित थी, और उन्होंने असम तथा अपने देश में नगा लोगों से सोशल मीडिया पर संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा, "जब हमारा अपना कोई लड़का ऐसी गलती करता है, चाहे वो जानबूझकर हो या अनजाने में, तो सबसे पहले तो गुस्से में या खुशी में ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। ये बिल्कुल गलत है। क्योंकि हम भी समझते हैं, दिवंगत जुबिन गर्ग जी असम के लोगों के दिल के बहुत करीब हैं और बिना संवेदनशीलता के बोले गए ऐसे विचार गलत हैं।" छात्र या वहां पढ़ रहे अन्य नगा छात्रों के खिलाफ संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में मंत्री ने मामले को संवेदनशील बताया, लेकिन उम्मीद जताई कि काजीरंगा विश्वविद्यालय कोई कठोर कदम नहीं उठाएगा।

समुद्री खाद्य प्रदर्शनी में 15 से अधिक देशों की कंपनियां भाग लेंगी

नयी दिल्ली, (भाषा) अमेरिका, यूरोपीय संघ, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, बेल्जियम, जापान और चीन जैसे प्रमुख बाजारों सहित 15 से अधिक देशों के प्रतिभागी बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली समुद्री खाद्य प्रदर्शनी 'इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो' में भाग लेंगे। एक बयान में कहा गया है कि वैश्विक आयोजन का 24वां संस्करण 'वर्ल्ड फूड इंडिया–2025' का हिस्सा होगा, जो भारत सरकार का प्रमुख वैश्विक खाद्य नवाचार कार्यक्रम है। एशिया का प्रमुख समुद्री खाद्य व्यापार मेला, इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो (आईआईएसएस–2025), 25 से 28 सितंबर तक नयी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीईएआई) द्वारा किया जा रहा है। बयान के अनुसार, इसमें 260 से अधिक स्टॉल, तकनीकी सत्र और गोलमेज परिचर्चाएं शामिल होंगी। इसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ, वियतनाम, यूएई, जर्मनी, बेल्जियम, जापान, चीन सहित 15 से अधिक देशों के प्रतिभागी भाग लेंगे। मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डिवेलपमेंट अथॉरिटी (एमपीईडीए) द्वारा आयोजित एक रिवर्स बायर–सेलर मीट भारतीय निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़कर व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेगी। सीईएआई के अध्यक्ष पवन कुमार ने कहा, ''हम अपनी स्वर्ण जयंती मना रहे हैं और यह शो भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत करने तथा नए बाजारों में विस्तार करने में मदद करेगा।'' सीईएआई के महासचिव के.एन. राघवन ने कहा, ''हमारा ध्येय वाक्य 'सस्टेनेबली हार्वेस्टेड, ह्यूमैनली सोर्स्ड' हमारे नैतिक और जिम्मेदार मछली पालन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मंच कौशल विकास, स्थायित्व और नवाचार जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेगा।''

भारत में बिजली क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन में 50 वर्षों में केवल दूसरी बार गिरावट : अध्ययन

नयी दिल्ली, भारत में बिजली क्षेत्र से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में इस साल की पहली छमाही में पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले एक फीसदी की, जबकि सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बृहस्पतिवार को जारी एक नये अध्ययन से यह बात सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक, यह पिछले लगभग पांच दशक में बिजली क्षेत्र से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में दर्ज की गई महज दूसरी गिरावट है। ब्रिटेन स्थित 'कार्बन ब्रीफ' के लिए सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की ओर से किए गए अध्ययन में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में दर्ज की गई वृद्धि में भारत का लगभग 40 फीसदी योगदान रहा है। अध्ययन के अनुसार, साल 2024 में ऊर्जा क्षेत्र से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भारत की हिस्सेदारी आठ प्रतिशत थी, जबकि देश में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है और इसका प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक औसत से काफी कम है। अध्ययन में कहा गया है कि 2025 की पहली छमाही में भारत में कुल बिजली उत्पादन में 9 टेरावाट प्रति घंटे (टीडब्ल्यूएच) की वृद्धि हुई, लेकिन जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन में 29 टीडब्ल्यूएच की गिरावट आई, जबकि सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन 17 टीडब्ल्यूएच, पवन ऊर्जा से 9 टीडब्ल्यूएच, पनबिजली परियोजनाओं से 9 टीडब्ल्यूएच और परमाणु ऊर्जा से 3 टीडब्ल्यूएच बढ़ा। सीआरईए ने सरकारी डेटा का विश्लेषण किया, जिससे पता चलता है कि जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन में 65 फीसदी गिरावट के लिए बिजली की मांग में धीमी वृद्धि जिम्मेदार है, जबकि 20 प्रतिशत कमी गैर–जलविद्युत स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि और 15 प्रतिशत कमी अधिक जलविद्युत उत्पादन के कारण आई। अध्ययन के मुताबिक, कम तापमान, भरपूर बारिश और औद्योगिक गतिविधियों में कमी ने बिजली की खपत पर अंकुश लगाया। मार्च से मई 2025 तक, सामान्य से 42 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे जलविद्युत उत्पादन में वृद्धि हुई।

वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान पर राज्यों का कुल खर्च 10 साल में 2.5 गुना बढ़ाः कैग

नयी दिल्ली, (भाषा) वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान पर सभी राज्यों का खर्च वित्त वर्ष 2013–14 के 6,26,849 करोड़ रुपये से 2.49 गुना बढ़कर 2022–23 में 15,63,649 करोड़ रुपये हो गया। राज्यों के वित्त पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, राज्यों के राजस्व व्यय का एक बड़ा हिस्सा या तो प्रतिबद्ध व्यय है या पहले से तय है। वेतन, पेंशन और सार्वजनिक ऋण तथा देनदारियों पर ब्याज भुगतान को 'प्रतिबद्ध व्यय' माना जाता है। वित्त वर्ष 2013–14 से 2022–23 तक 10 साल के दौरान राज्यों का राजस्व व्यय, उनके कुल व्यय का 80–87 प्रतिशत था। संयुक्त जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में यह लगभग 13–15 प्रतिशत था। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने राज्य वित्त 2022–23 पर अपनी तरह के पहले प्रकाशन में कहा कि वित्त वर्ष 2022–23 में राजस्व व्यय, कुल व्यय का 84.73 प्रतिशत और संयुक्त जीएसडीपी का 13.85 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2022–23 में, 35,95,736 करोड़ रुपये के कुल राजस्व व्यय में प्रतिबद्ध व्यय 15,63,649 करोड़ रुपये था। इसके अलावा सब्सिडी पर 3,09,625 करोड़ रुपये और अनुदान सहायता पर 11,26,486 करोड़ रुपये खर्च हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, वेतन सबसे बड़ा घटक था, उसके बाद पेंशन व्यय और ब्याज भुगतान का स्थान था। हालांकि, नौ राज्यों (आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल) में ब्याज भुगतान पेंशन व्यय से अधिक था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वित्त वर्ष 2022–23 में 17 राज्यों ने राजस्व अधिशेष, पांच राज्यों ने राजस्व घाटे और छह ने शून्य राजस्व घाटे का लक्ष्य रखा है।

केरल के मुख्यमंत्री ने न्यू जर्सी के गवर्नर मर्फी को निवेश के लिए आमंत्रित किया

कोच्चि, फोकस न्यूज, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी मर्फी और अमेरिका के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन्हें केरल में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। एक सरकारी बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान विजयन ने राज्य के मजबूत बुनियादी ढांचे, उच्च साक्षरता और व्यवसायों के लिए सरल प्रक्रियाओं के साथ ही निवेशक–अनुकूल वातावरण के बारे में बताया। विजयन ने कहा कि केरल और न्यू जर्सी विकास के क्षेत्र में कई समानताएं साझा करते हैं और इस बात पर जोर दिया कि निवेश और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। बयान में आगे कहा गया, ''केरल में उद्योगों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। पर्यटन, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों ने राज्य को निवेशकों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बना दिया है। चार हवाई अड्डे, 18 बंदरगाह और सरल औद्योगिक प्रक्रियाएं केरल को आकर्षक बनाती हैं।'' शिक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता उच्च शिक्षा संस्थानों को उत्कृष्टता केन्द्रों में उन्नत करके केरल को ज्ञान आधारित समाज बनाना है।

राजस्थान में 22 सितम्बर से मनाया जाएगा 'जीएसटी बचत उत्सव'

जयपुर, राजस्थान में 22 सितम्बर से 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में माल व सेवा कर (जीएसटी) दरों में संशोधन से गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योगपतियों सहित समाज के सभी वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देशवासियों को त्योहारों पर जीएसटी दरों में कमी की अनूठी सौगात दी गई है। इसका व्यापक लाभ सुनिश्चित करने के लिए जन–जागरूकता आवश्यक है। शर्मा जीएसटी दरों के संबंध में मंत्रियों और विधायकों की बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में 22 से 29 सितंबर तक जीएसटी सुधार एवं दर युक्तिकरण जन–जागरूकता कार्यक्रम 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के साथ ही व्यवसायी वर्ग को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि इस कदम से दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं सस्ती होंगी और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। शर्मा ने कहा कि कर कम होने से वस्तुओं की मांग बढ़ेगी, व्यापारी लाभान्वित होंगे तथा उद्योगों को सरल कर संरचना का लाभ मिलेगा।

अहिल्या बाई और राजा भोज की नगरी धार से गूंजा राष्ट्रवाद और विकास का संदेश

पवन वर्मा

विश्वकर्मा जयंती के दिन मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक नगर धार की धरती एक बार फिर इतिहास का साक्षी बनी। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए न सिर्फ भारत के समृद्धशाली, ऐतिहासिक इतिहास की याद दिलाई, बल्कि आधुनिक भारत के भविष्य की भी स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत की। यह भाषण एक ओर जहां राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत था, वहीं दूसरी ओर आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास की भी मजबूत पैरवी करता नजर आया। प्रधानमंत्री के इस संबोधन ने धार की ऐतिहासिकता को नए मायनों में जीवंत कर दिया।

'पराक्रम, प्रेरणा और सांस्कृतिक चेतना की भूमि धार' : प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत धार की महिमा का बखान करते हुए की। धार, जो मध्यकालीन भारत में मालवा की राजधानी रही है और महाराजा भोज जैसे महान राजा की कर्मभूमि रही है, उसे उन्होंने पराक्रम और प्रेरणा की धरती बताया। महाराजा भोज का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका शौर्य हमें राष्ट्र गौरव की रक्षा के लिए प्रेरित करता है और मानवता की सेवा का संकल्प देता है।

'आतंक पर करारा प्रहार और आत्मविश्वास की हुंकार': प्रधानमंत्री मोदी का भाषण राष्ट्र सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ कड़ी नीति के संकल्प से भी परिपूर्ण था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने हमारे देश की बहनों–बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था, तब भारत ने "ऑपरेशन सिंदूर" के माध्यम से उनका करारा जवाब दिया। यह नामकरण ही प्रतीकात्मक रूप से देश की संस्कृति और अस्मिता की रक्षा का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत अब किसी की परमाणु धमकी से डरने वाला नहीं रहा। यह घर में घुसकर मारने वाला भारत है। यह कथन सिर्फ शब्द नहीं हैं, यह 21वीं सदी के भारत की डिफेंस डॉक्ट्रिन का बयान है कि हम आत्मरक्षा के साथ–साथ निर्णायक कार्रवाई की नीति अपनाते हैं।

'हैदराबाद मुक्ति आंदोलन की भी चर्चा': प्रधानमंत्री ने 17 सितंबर की ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करते हुए हैदराबाद मुक्ति आंदोलन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसी दिन सरदार पटेल के नेतृत्व में हैदराबाद को भारतीय संघ में शामिल किया गया था। उन्होंने इस दिन को "हैदराबाद लिबरेशन डे" के रूप में मनाने की परंपरा शुरू कर देश की एकता की उस ऐतिहासिक घटना को अमर कर दिया है, जिसे दशकों तक भुला दिया गया था।

'विकसित भारतः चार स्तंभों पर खड़ा भविष्य': प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में विकसित भारत के उस विज़न की बात की, जिसे 140 करोड़ भारतीयों ने संकल्प के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने इस संकल्प को चार स्तंभों पर आधारित बताया– नारी शक्ति,युवा शक्ति,गरीब और किसान। इन चार स्तंभों के ज़रिए भारत को एक समावेशी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है। मोदी के अनुसार, यदि इन चार वर्गों को सशक्त किया जाए तो भारत दुनिया की किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम होगा।

'अहिल्या की धरती से स्वस्थ नारी और सशक्त राष्ट्र का नारा': कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने नारी सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि धार से जो कार्यक्रम आरंभ हो रहा है, वह केवल इस जिले या राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की माताओं और बहनों के लिए समर्पित है। यह कार्यक्रम केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं है, बल्कि यह सशक्त परिवार और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है। इस योजना को विशेष रूप से जनजातीय समाज की महिलाओं से जोड़ने की कोशिश की जा रही है, जो अब तक मुख्यधारा की योजनाओं से अपेक्षाकृत दूर रही हैं।

'औद्योगिक क्रांति की नई शुरुआतः टेक्सटाइल पार्क': विश्वकर्मा जयंती के दिन प्रधानमंत्री ने देश के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क की आधारशिला रखी। यह केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं है, बल्कि यह स्थानीय रोजगार, आत्मनिर्भरता और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।यह टेक्सटाइल पार्क मेक इन इंडिया और लोकल फॉर ग्लोबल के विज़न को साकार करेगा। इससे टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई ऊर्जा मिलेगी और करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

'शिक्षा और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सपना': प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी याद दिलाया कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने एक शिक्षित, स्वावलंबी और आत्मगौरव से परिपूर्ण भारत का सपना देखा था। उन्होंने गुलामी की जंजीरों को तोड़ा, ताकि आने वाली पीढ़ियां तेज गति से प्रगति कर सकें। प्रधानमंत्री का मानना है कि आज का भारत उन्हीं मूल्यों और संकल्पों से प्रेरित होकर विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है।

'भारत अब निर्णायक शक्ति': धार में दिया गया प्रधानमंत्री मोदी का यह भाषण एक सामान्य राजनीतिक वक्तव्य नहीं था। यह एक राष्ट्रवादी चेतना, सामाजिक समावेश, आर्थिक विकास, सैन्य आत्मविश्वास, और ऐतिहासिक स्मृति के सम्मान का शक्तिशाली समागम था। प्रधानमंत्री मोदी का यह भाषण न केवल अतीत की गौरवगाथा को सामने लाता है, बल्कि आने वाले भारत की दिशा और दशा भी तय करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत अब केवल एक विकासशील देश नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, एक संवेदनशील समाज, और एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। धार से गूंजा प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश सिर्फ एक शहर या राज्य के लिए नहीं था,बल्कि यह पूरे भारत के लिए है और शायद इसी को कहते हैं – "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।"

भारत और कनाडा संबंधों में 'नया अध्याय' जोड़ने की दिशा में काम करने पर राजी

नयी दिल्ली, (भाषा) विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को कहा कि भारत और कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए हैं, जिसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना शामिल है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनकी कनाडाई समकक्ष नथाली ड्रोइन ने नयी दिल्ली में व्यापक मुद्दों पर वार्ता की जिसका मुख्य उद्देश्य 2023 में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर हुए राजनयिक विवाद के बाद गंभीर तनाव से गुजर रहे द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना था। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को वार्ता के व्यापक परिणामों की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है,''दोनों पक्ष आगे बढ़ने के रास्ते पर मिलकर काम करने और द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने की दिशा में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून में कनाडा के कनैनिस्किस में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ बातचीत की थी। बयान के मुताबिक, बैठक में दोनों नेताओं ने भारत–कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए 'रचनात्मक' कदम उठाने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने डोभाल–ड्रोइन वार्ता पर कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष कार्नी के बीच हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने का भी एक अवसर था। इसमें कहा गया है, ''दोनों पक्षों ने राजनीतिक नेतृत्व के उच्चतम स्तरों पर विश्वास के पुनर्निर्माण और सहयोग के विस्तार की स्पष्ट गति को स्वीकार किया।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर 'लाभकारी' चर्चा की, जिसमें आतंकवाद निरोध, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने और खुफिया सूचनाओं के आदान–प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''वे सुरक्षा सहयोग को सशक्त बनाने और जुड़ाव के मौजूदा तंत्र को और मजबूत करने पर सहमत हुए।'' दोनों एनएसए के बीच यह वार्ता भारत और कनाडा द्वारा एक–दूसरे की राजधानियों में राजनयिक नियुक्त करने के तीन सप्ताह बाद हुई। भारत–कनाडा के संबंध तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों के बाद चरमरा गए थे जिनमें वर्ष 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े मामले से भारत का संबंध होने की संभावना जताई गई थी। पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को तब वापस बुला लिया था, जब ओटावा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने कनाडा के भी इतने ही राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था।

ट्रंप ने एच1बी वीजा शुल्क 100,000 अमेरिकी डॉलर करने की घोषणा की, भारतीयों पर असर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर सालाना एक लाख अमेरिकी डॉलर किए जाने का प्रावधान है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने "कुछ गैर–आप्रवासी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध" संबंधी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि एच–1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग "राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा" है। घटनाक्रम के बाद आव्रजन वकीलों और कंपनियों ने एच–1बी वीजा धारकों और उनके परिवार के सदस्यों से कहा कि अगर वे काम या छुट्टी के सिलसिले में अमेरिका से बाहर हैं, तो अगले 24 घंटों के भीतर वापस आ जाएं, वरना 21 सितंबर की रात 12 बजकर एक मिनट से प्रभावी होने वाले इस फैसले के चलते वे फंस सकते हैं, क्योंकि उन्हें अमेरिका में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। ट्रंप के एच–1बी वीजा शुल्क में बदलाव की घोषणा करने के बाद त्योहारों के लिए स्वदेश जा रहे कई भारतीय पेशेवरों के सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान से उतरने की खबरें हैं। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत कुल एच–1बी वीजा में से लगभग 71 प्रतिशत भारतीयों को जारी किए गए हैं। चीनी इस वीजा कार्यक्रम के दूसरे सबसे बड़े लाभार्थी हैं। फिलहाल एच–1बी वीजा शुल्क नियोक्ता के आकार और अन्य लागत के आधार पर लगभग 2,000 अमेरिकी डॉलर से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक है। भारतीय पेशेवरों के बीच बेहद लोकप्रिय ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं और इन्हें अगले तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। ट्रंप के फैसले का भारतीय पेशेवरों पर गहरा असर पड़ेगा, जिन्हें प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्र की कंपनियां एच1बी वीजा पर नियुक्त करती हैं। उद्योग निकाय नैस्कॉम ने शनिवार को कहा कि एच–1बी वीजा आवेदन शुल्क बढ़ाकर एक लाख डॉलर करने के अमेरिका के कदम से भारत की प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियों पर असर पड़ेगा, क्योंकि इससे विदेश में चल रही उन परियोजनाओं की व्यावसायिक निरंतरता बाधित होगी, जिनमें समायोजन की जरूरत हो सकती है। नैस्कॉम ने इस बढ़ी हुई राशि को लागू करने के लिए निर्धारित 21 सितंबर की समय–सीमा पर भी चिंता जताई और कहा कि एक दिन की समय–सीमा दुनियाभर के व्यवसायों, पेशेवरों और छात्रों के लिए काफी अनिश्चितता पैदा करती है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने एच–1बी वीजा शुल्क में वृद्धि के फैसले को "अमेरिका को उच्च कौशल वाले श्रमिकों से वंचित करने का एक लापरवाही भरा प्रयास" करार दिया, जिन्होंने लंबे समय से हमारे कार्यबल को मजबूत किया है, नवाचार को बढ़ावा दिया है और लाखों अमेरिकियों को रोजगार देने वाले उद्योगों के निर्माण में मदद की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सलाहकार रह चुके और आव्रजन नीति पर एशियाई–अमेरिकी समुदाय के नेता अजय भुटोरिया ने एच–1बी वीजा शुल्क में वृद्धि संबंधी ट्रंप के फैसले से अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के खतरे में पड़ने की आशंका जताई। भुटोरिया ने कहा, "एच–1बी कार्यक्रम, जो नवाचार के लिए एक जीवनरेखा है और जिसने दुनियाभर से शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित किया है, उसे वीजा शुल्क में भारी वृद्धि के चलते अभूतपूर्व बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, जिससे विविध प्रतिभाओं पर निर्भर छोटे व्यवसाय और स्टार्टअप बर्बाद हो जाएंगे।"

यूएससीआईएस के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 2025 में 5,505 स्वीकृत एच–1बी वीजा के साथ अमेजन (एच–1बी वीजा पर 10,044 कर्मचारी) के बाद इस कार्यक्रम की दूसरी सबसे बड़ी लाभार्थी है। यूएससीआईएस के अनुसार, एच1बी कार्यक्रम के अन्य शीर्ष लाभार्थियों में माइक्रोसॉफ्ट (5,189), मेटा (5,123), एप्पल (4,202), गूगल (4,181), डेलॉइट (2,353), इंफोसिस (2,004), विप्रो (1,523) और टेक महिंद्रा अमेरिकाज (951) शामिल हैं। ट्रंप ने घोषणापत्र में कहा कि एच–1बी वीजा कार्यक्रम अमेरिका में ऐसे अस्थायी श्रमिकों को लाने के लिए तैयार किया गया था, जो अतिरिक्त, उच्च–कुशल कार्य कर सकें, लेकिन इसका जानबूझकर दुरुपयोग किया गया, ताकि अमेरिकी श्रमिकों की सहायता करने के बजाय उनकी जगह कम वेतन वाले, कम–कुशल श्रमिकों को नियुक्ति किया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "एच–1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने वीजा धोखाधड़ी, धन शोधन की साजिश और विदेशी श्रमिकों को अमेरिका आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल एच–1बी–आधारित आउटसोर्सिंग कंपनियों की पहचान की है और उनकी जांच की है।" ट्रंप ने कहा कि एच–1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग रोकने के लिए इसका इस्तेमाल करने की इच्छुक कंपनियों पर अधिक शुल्क लगाना आवश्यक है, ताकि वे सर्वश्रेष्ठ अस्थायी विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति करें। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ, जो एच1–बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं, इस नये कदम से चिंतित होंगे, ट्रंप ने कहा कि नहीं, वे "बहुत खुश" होंगे।

एच–1बी वीजा शुल्क बढ़ाने से अमेरिका को भारत से ज्यादा होगा नुकसानः जीटीआरआई

नयी दिल्ली, (भाषा) आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच–1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर प्रति कर्मचारी 100,000 अमेरिकी डॉलर करने के फैसले से भारत से ज्यादा अमेरिका को नुकसान होने की संभावना है। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने बताया कि भारतीय आईटी कंपनियां पहले से ही अमेरिका में 50–80 प्रतिशत स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार दे रही हैं, जो कि कुल मिलाकर लगभग 1,00,000 अमेरिकी नागरिक हैं। जीटीआरआई ने कहा, "इसलिए यह कदम अधिक नए रोजगार नहीं पैदा करेगा। इसके बजाय, यह ऑन–साइट भारतीयों को नियुक्त करना स्थानीय लोगों की तुलना में अधिक महंगा बना देगा।" थिंक टैंक ने आगे कहा कि अमेरिका में पांच वर्षों के अनुभव वाले एक आईटी मैनेजर को 1,20,000 से 1,50,000 डॉलर तक वेतन मिलता है, जबकि एच–1बी वीजा पर आने वाले को इससे 40 प्रतिशत कम और भारत में काम करने वाले को 80 प्रतिशत कम वेतन मिलता है। जीटीआरआई के अजय श्रीवास्तव ने कहा, "इस भारी शुल्क का सामना करते हुए, कंपनियां ऑफशोरिंग को तेज करेंगी, यानी भारत से ही रिमोट वर्क बढ़ेगा। इसका मतलब है कम एच–1बी आवेदन, स्थानीय स्तर पर कम भर्ती, अमेरिकी ग्राहकों के लिए परियोजना लागत में वृद्धि और नवाचार की रफ्तार में कमी।" उन्होंने आगे कहा कि भारत को इस शुल्क वृद्धि का लाभ उठाने की योजना बनानी चाहिए, और लौटने वाली प्रतिभा का उपयोग सॉफ्टवेयर, क्लाउड और साइबर सुरक्षा में घरेलू क्षमता निर्माण के लिए करना चाहिए, जिससे अमेरिका के इस संरक्षणवादी कदम को भारत के डिजिटल 'स्वराज मिशन' के लिए एक दीर्घकालिक बढ़ावा बनाया जा सके। उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप का 19 सितंबर को एच–1बी वीजा शुल्क बढ़ाने का निर्णय भारत से अधिक अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकता है।" राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए जिससे कंपनियों द्वारा भारत सहित अन्य देशों से कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वीजा पर शुल्क बढ़ा दिया गया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शनिवार को स्पष्ट किया कि एच–1बी वीजा का 1,00,000 डॉलर का शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा।

सरकार ने कारोबारी सुगमता के लिए मंत्रालयों को 12,167 एचएसएन कोड आवंटित किए

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार ने नियामकीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा ने के लिए 31 मंत्रालयों और विभागों को 12,167 एचएसएन कोड आवंटित किए हैं।नामकरण की सुसंगत प्रणाली (एचएसएन) कोड के तहत प्रत्येक उत्पाद को वर्गीकृत किया जाता है। इससे दुनिया भर में वस्तुओं के व्यवस्थित वर्गीकरण में मदद मिलती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम के दौरान उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा तैयार एचएसएन कोड के मानचित्रण पर मार्गदर्शन पुस्तक का विमोचन किया। इसका मकसद विनिर्माण विकास, निवेश प्रोत्साहन और कारोबारी सुगमता के लिए डेटा आधारित नजरिये को बढ़ावा देना है।

जीएसटी कटौतीः साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी, तेल सस्ते होंगे

नयी दिल्ली, रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने के लिए अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की है। ऐसे में सोमवार से साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी दैनिक जरूरत की वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। इस कदम से आगामी त्योहारी सत्र, जो नवरात्रि के साथ शुरू होता है, के दौरान खपत में वृद्धि और बिक्री में उछाल आने की उम्मीद है। एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी 2.0 के लाभों को बिना किसी देरी के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इन कंपनियों ने 22 सितंबर से साबुन, शैम्पू, बेबी डायपर, मंजन, रेजर और आफ्टर–शेव लोशन सहित अपने उत्पादों की अधिकतम खुदरा मूल्य की संशोधित सूची जारी की है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती का लाभ देना है। प्रॉक्टर एंड गैंबल, इमामी और एचयूएल जैसी कंपनियों ने नई मूल्य सूची जारी की हैं। इसके बारे में कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से उनके संबंधित वितरकों और उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है। प्रॉक्टर एंड गैंबल ने अपने उत्पादों की एक संशोधित सूची जारी की है। इसमें उसने विक्स, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन, पैम्पर्स (डायपर), जिलेट, ओल्ड स्पाइस और ओरल–बी आदि ब्रांड के उत्पादों की कीमतों में कमी की है। पीएंडजी इंडिया ने बच्चों के देखभाल से जुड़े उत्पादों के दाम भी कम किए हैं। इन उत्पादों में डायपर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत और बेबी वाइप्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो जाएगा। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी जिलेट और ओल्ड स्पाइस की कीमतों में भी कमी करने जा रही है। इमामी बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, नवरत्न आयुर्वेदिक तेल और झंडू बाम आदि की कीमतें भी कम हो रही हैं। एचयूएल ने भी जीएसटी सुधारों के बाद 22 सितंबर से डव शैम्पू, हॉर्लिक्स, किसान जैम, ब्रू कॉफी, लक्स और लाइफबॉय साबुन सहित अपने उपभोक्ता उत्पाद रेंज की कीमतों में कमी करने की घोषणा की है। जीएसटी परिषद ने इस महीने की शुरुआत में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

फेड की ब्याज दरों में कटौती, त्योहारी मांग, वैश्विक चिंताओं के बीच सोने में तेजी बनी रहेगी

नयी दिल्ली, (भाषा) वैश्विक मौद्रिक नीतियों में ढील, एशिया में त्योहारी मांग, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और लगातार बने भू–राजनीतिक जोखिमों के कारण आगामी सप्ताह में सोने की कीमतों में तेजी बनी रह सकती है। विश्लेषकों ने यह जानकारी दी। विश्लेषकों ने कहा कि व्यापारी अमेरिका और भारत के बीच होने वाली आगामी व्यापार वार्ताओं, साथ ही वाशिंगटन और बीजिंग के बीच बातचीत पर बारीकी से नजर बनाए रखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा, आवास संबंधी आंकड़े, व्यक्तिगत उपभोग व्यय और उपभोक्ता धारणा जैसे महत्वपूर्ण अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज में जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''एशिया में त्योहारी मांग में मजबूती से सर्राफा को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जबकि ईटीएफ और केंद्रीय बैंक शुद्ध खरीदार बने रहेंगे।

एच1बी मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन, आईटी उद्योग के साथ बातचीत जारीः सरकारी सूत्र

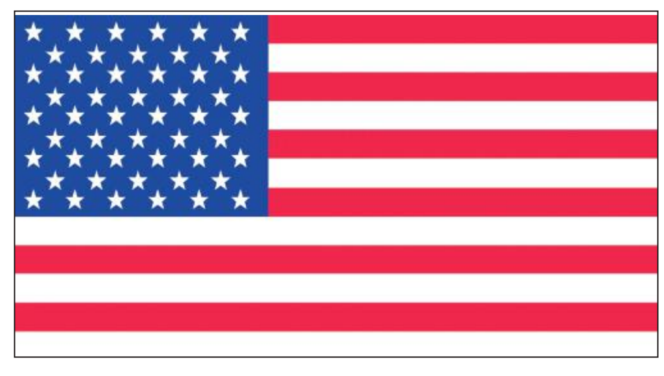

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत सरकार एच1बी मुद्दे पर आगे का रास्ता खोजने के लिए आईटी उद्योग और अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आवेदन शुल्क में वृद्धि अमेरिकी कंपनियों पर और भी ज्यादा असर डालेगी, क्योंकि ये कंपनियां उच्च कुशल पेशेवरों के लिए खासतौर से इस वीजा कार्यक्रम का इस्तेमाल करती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिससे एच1बी वीजा आवेदनों का शुल्क सालाना एक लाख अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाएगा। नियोक्ता के आकार और अन्य लागतों के आधार पर एच1बी वीजा शुल्क अभी तक लगभग 2,000 अमेरिकी डॉलर से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक था। सूत्रों ने कहा कि भारत सरकार इस पर आगे का रास्ता निकालने के लिए अमेरिकी सरकार, आईटी उद्योग और नैस्कॉम के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। सूत्रों ने बताया कि चूंकि अमेरिकी कंपनियां इन वीजा की प्रमुख उपयोगकर्ता हैं, इसलिए वे भी इस मामले पर अमेरिकी सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही हैं। यूएससीआईएस वेबसाइट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 (30 जून, 2025 तक के आंकड़े) के लिए अमेजन 10,044 एच–1बी वीजा स्वीकृतियों के साथ सूची में सबसे ऊपर है। शीर्ष दस लाभार्थियों की इस सूची में टीसीएस (5,505) दूसरे स्थान पर है। उसके बाद माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प (5,189), मेटा (5,123), एप्पल (4,202), गूगल (4,181), कॉग्निजेंट (2,493), जेपी मॉर्गन चेज (2,440), वॉलमार्ट (2,390) और डेलॉयट कंसल्टिंग (2,353) का स्थान है। शीर्ष 20 की सूची में इंफोसिस (2,004), एलटीआईमाइंडट्री (1,807), और एचसीएल अमेरिका (1,728) शामिल हैं।

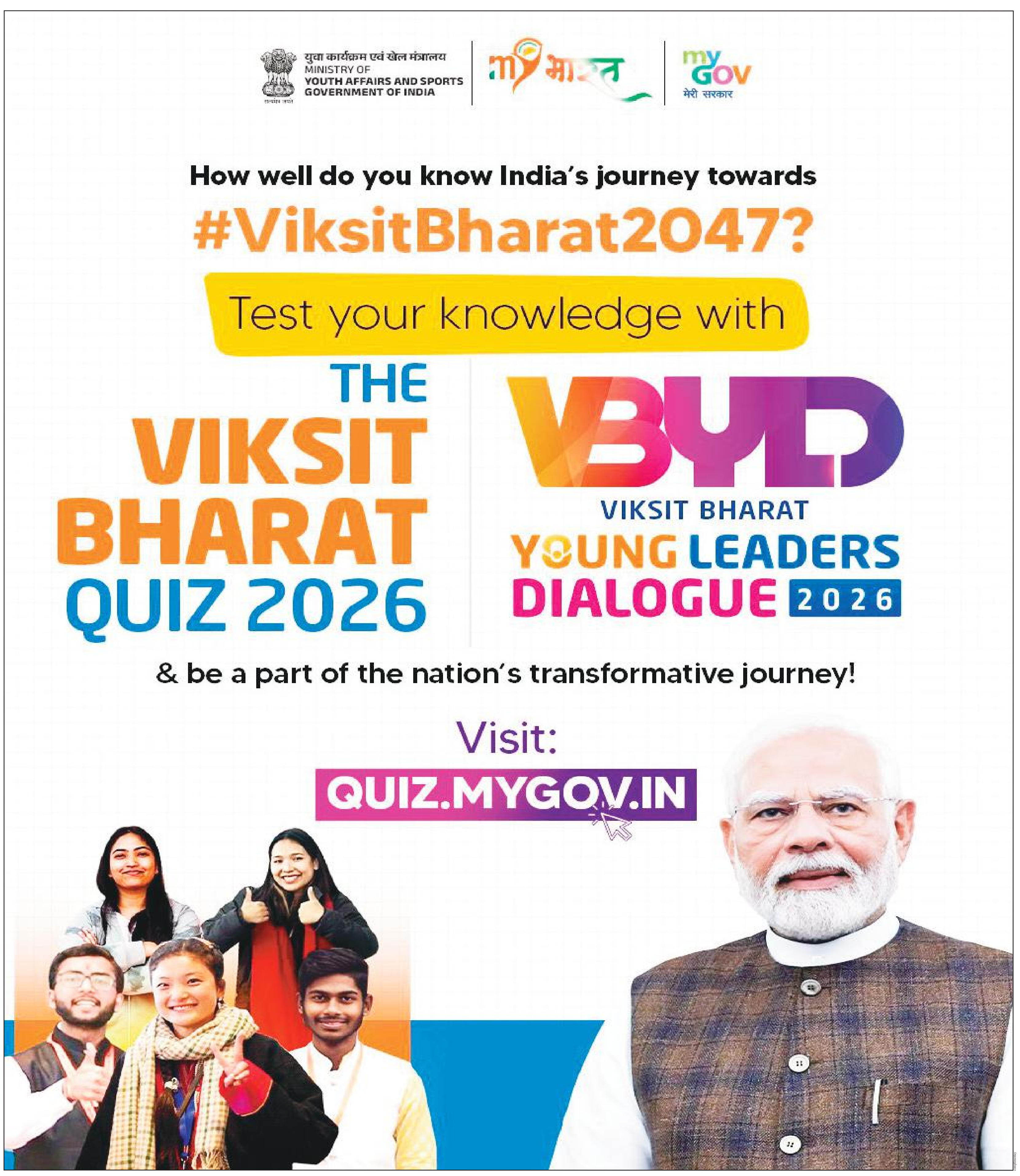

Delhi CM Rekha Gupta hails Sant Rajinder Singh Ji Maharaj as Guiding Light at 29th Global Conference on Mysticism

New Delhi, Focus News: World-renowned Spiritual Master and head of Sawan Kirpal Ruhani Mission, Sant Rajinder Singh Ji Maharaj, on Sunday presided over the concluding session of the 29th Global Conference on Mysticism (GCM). He was joined on stage by Hon'ble Delhi Chief Minister Smt. Rekha Gupta Ji, the distinguished Guest of Honour, along with BJP MLA Shri Ashok Goel Ji, Member of Parliament Shri Manoj Tiwari Ji, eminent faith leaders and international delegates. The eight-day global conference, held at Kirpal Bagh, Delhi and Sant Darshan Singh Ji Dham, Burari, Delhi drew tens of thousands of seekers from across India and abroad. The Conference coincided with the birthday of Sant Rajinder Singh Ji Maharaj, also celebrated worldwide as International Meditation Day. In his address, Sant Rajinder Singh Ji Maharaj emphasised the growing need for inner transformation through meditation. "As the 29th GCM comes to a close, it opens before us a path of self-realisation. Each faith has two sides: exoteric (outer) and esoteric (inner). The outer rituals may differ but at its core, every faith points in the same direction — God. It teaches us about finding God through the transformational power of meditation," Sant Rajinder Singh Ji Maharaj said addressing a large gathering. "Just as a teacher imparts worldly knowledge, saints bestow us with inner wisdom. They are the catalytic agents who help us understand our true identity as souls and find God within. Through their own experiences of the Divine, they help us connect with the Divine Light of God, helping us fulfill life's true purpose." The CM hailed Sant Rajinder Singh Ji Maharaj as a "guiding light" and commended the revered Spiritual Master for "showing the path of enlightenment to millions". "It's my great fortune to be here on this auspicious occasion, on the birthday of a true guide," CM said, extending warm wishes to the Spiritual Master. "Sant Rajinder Singh Ji Maharaj's life beautifully blends science and spirituality. Even after achieving the highest education as a scientist, he chose to serve humanity leading them on the path of spiritual enlightenment, spreading the message of inner peace and selfless service." The Chief Minister sought the blessings of the Spiritual Master, adding that one can only gain in the august presence of such great saints. MLA Shri Ashok Goel Ji praised Sant Rajinder Singh Ji Maharaj for guiding humanity from darkness to Light, commending his immense contribution to humanity. Shri Manoj Tiwari Ji, said he was drawn by the Spiritual Master's magnetic aura and felt deeply blessed to be in his radiant presence, suggesting that his birthday be celebrated as the sacred "Manifestation Day". The programme commenced with a Gurbani rendition by respected Mata Rita Ji, along with Western delegates, who sang a hymn by Guru Arjan Dev Ji Maharaj, "Koi Bole Ram Ram Koi Khudai (Some call Him, 'Raam, Raam' and some call Him, 'Khuda-i'.) Faith leaders and international delegates also shared insights into meditation and spirituality, including M.M. Dr Swami Premanand Ji, M.M. Swami Devendranand Giri Ji Maharaj, Sri Sri Bhagwan Acharya Ji, Rabbi Ezekiel Isaac Malekar, Syed Farid Ahmad Nizami, Shri Vivek Muni Ji Maharaj, Acharya Yeshi Phuntsok, Father and Deepak Valerian Tauro. USA's Carlos Lozano and Laura Rios of the United Kingdom were the international speakers.

Acharya Phuntsok Ji urged the attendees to imbibe the teachings of saints to attain inner peace. Swami Devendranand Giri Ji praised Sant Rajinder Singh Ji Maharaj for spreading peace and love worldwide, while Sri Sri Bhagwan Acharya Ji spoke of his transformative work for humanity. International speaker Lozano said Sant Rajinder Singh Ji has ushered in a "Golden Age of Spirituality". The Conference concluded with the reading of the Declaration by Rabbi Ezekiel, which was unanimously adopted by the participating spiritual leaders. As part of the conference, several humanitarian initiatives were undertaken. The 41st Free Eye Checkup and Cataract Surgery Camp was held at Kirpal Bagh on September 14. On September 20, a Vastra Vitran Camp was organised to distribute clothes, shoes, books, etc. to the needy. Over the last 35 plus years, Sant Rajinder Singh Ji has provided a blueprint for those who are searching for meaning and purpose of life. He is internationally recognised for his work towards promoting inner and outer peace through meditation and spirituality.

LEAD Impact Conclave: LG Kavinder calls for Sustainable and Inclusive Development of Ladakh

Jammu, Focus News: Lieutenant Governor of Ladakh, Shri Kavinder Gupta, today addressed the LEAD Impact Conclave in Jammu and said that Ladakh has witnessed unprecedented growth since becoming a Union Territory, with the Administration committed to sustainable and inclusive governance. The Lieutenant Governor said that Ladakh's transformation reflects its focus on renewable energy adoption, paperless governance, and modern administrative reforms, making it a model for other States and Union Territories. "Our endeavour is to ensure that Ladakh becomes a benchmark of balanced development, where economic progress is pursued in harmony with our cultural values and sensitive ecosystem," the Lieutenant Governor said. He reiterated that Education, Health, and Tourism remain the foremost priorities of the Administration. "We are committed to providing quality education, strengthening healthcare infrastructure, and promoting tourism as a key driver of livelihood generation, especially for our youth," he said. Speaking on health initiatives, Shri Gupta highlighted the recent launch of the "Swasth Nari, Sashakt Parivar Abhiyaan" campaign, aimed at improving women's health and family well-being through awareness, screening, and timely access to medical facilities. He said that the campaign reflects the Administration's resolve to ensure that every family in Ladakh has access to quality healthcare services. The Lieutenant Governor also stressed the importance of strengthening the cooperative movement in Ladakh. "Our Administration is working to promote cooperatives, empower Self-Help Groups, and connect local producers with wider markets, thereby creating sustainable livelihoods and ensuring that the benefits of growth reach every household," he said. Referring to Ladakh's identity, Shri Gupta said that Pashmina is our pride, and with the GI Tag, artisans—particularly women—are gaining recognition and building better incomes.

Commending the spirit of the conclave, the Lt Governor said that such platforms bring together citizens, NGOs, businesses, and institutions to work collectively for the region's growth. "We will not just make plans but implement them. We will turn ideas into action and make Ladakh a land of hope and opportunity where development is inclusive, modern, and environmentally responsible," the Lieutenant Governor concluded. Social entrepreneurs, civil society members, and representatives from diverse sectors attended the conclave and expressed their commitment to Ladakh's progress.

28th NATIONAL CONFERENCE ON e-GOVERNANCE BEGINS IN VISHAKHAPATNAM FROM 22ND SEPTEMBER

New Delhi, Focus News: The Department of Administrative Reforms & Public Grievances (DARPG) and the Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), in collaboration with the State Government of Andhra Pradesh, are organising the 28th National Conference on e-Governance (NCeG) 2025 on September 22–23, 2025, in Vishakhapatnam, Andhra Pradesh. The theme for this year's conference is 'Viksit Bharat: Civil Service and Digital Transformation.' The two-day conference will be inaugurated by Shri N. Chandrababu Naidu, Chief Minister of Andhra Pradesh, and Dr. Jitendra Singh, Minister of State (Independent Charge) for the Ministry of Science and Technology, Ministry of Earth Sciences, Minister of State in the Prime Minister's Office, Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions, Department of Atomic Energy, and Department of Space, Government of India. The two-day event will also be graced by the presence of Shri Pawan Kalyan, Hon'ble Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh and Shri N. Lokesh, Minister for IT, Human Resources Development of Andhra Pradesh. During the conference, the National Awards for e-Governance 2025 will be conferred upon 19 exemplary initiatives. These awards include 10 gold, 6 silver, and 3 jury award- across six categories- awarded to Central, State, District authorities, Gram Panchayats, and Academic/ Research Institutions. The conference aims to bring together government officials, industry experts, and academicians to discuss innovative and transformative approaches to ensure secure and sustainable e-service delivery in India; thereby contributing to the vision of a Viksit Bharat. The Conference will feature 6 plenary sessions and 6 breakout sessions. Overall, about 70 speakers from diverse backgrounds will share their experiences and present the best practices on a wide range of sub-themes, such as :

Vizag as IT Hub
AI for Viksit Bharat : Driving Inclusive & Scalable Solutions
Civil Service and Digital Transformation
Cybersecurity in e-Governance: Safeguarding Trust, Infrastructure, and Digital Sovereignty
Benchmarking & Advancement of Service Delivery
Agri Stack-A Digital Solution for Agriculture
Excellence in e-Governance Initiatives by Gold Awardees of NAeG 2025-I
Excellence in e-Governance Initiatives by Gold Awardees of NAeG 2025-II
Gram Panchayat & Grassroots level Innovations in e-Governance
e-Governance Initiatives of Government of Andhra Pradesh
Innovations for Bharat: Catalysts in e-Governance & Digital Empowerment
International Subsea Cables and AI Data Centres as a Backbone for e-Governance

On the occasion of Seva Parv, KVIC launches the grand Khadi Mahotsav 2025

Mumbai, Focus News: On the occasion of Seva Parv, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) is organizing Khadi Mahotsav 2025 across the country from 17th September to 23rd October to promote the message of "Har Ghar Swadeshi, Ghar-Ghar Swadeshi" to every household. On 17th September, KVIC Chairman Shri Manoj Kumar inaugurated Khadi Mahotsav 2025 from the Prime Minister Shri Narendra Modi's parliamentary constituency, Varanasi. Following this, on 18th and 19th September, KVIC's Central Office in Mumbai hosted a series of programs connecting Swadeshi, cleanliness, and self-reliance with people's participation. As part of Seva Parv 2025, a special Cleanliness Drive-05 was organized at Juhu Beach, Mumbai, on 18th September. The campaign was piloted by KVIC Chairman Shri Manoj Kumar, who gave the message of "Serv the Nation by cleanliness". He urged officials, employees, and local citizens to actively participate in building a clean and green India. Hundreds of KVIC officials and employees enthusiastically joined the campaign.

On 19th September, students, employees, and officials who won in various competitions were felicitated with certificates and awards by the Chairman. Addressing the gathering, Shri Manoj Kumar said that with the mantra of "Har Ghar Swadeshi, Ghar-Ghar Swadeshi," KVIC, under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, is carrying the Swadeshi Revolution to every citizen. He further said that inspired by the Prime Minister's call—"Seva hi Sankalp, Rashtra Pratham hi Prerna" (Service is our resolve, Nation First is our momentum)—KVIC is moving ahead on the path of nation's service. Highlighting the importance of Khadi, he said, "Once, famous brands were our priority, but today Khadi has become our priority. Khadi is no longer just a fabric; it is the strong foundation of 'Atmanirbhar Bharat' as envisioned by Mahatma Gandhi." Manoj Kumar also shared that Khadi has now evolved into the true spirit of "Har Ghar Swadeshi" by connecting not just by all the other village artisans from farm to fashion. In the last 11 years, Khadi has transformed significantly, with its business crossing the milestone of ₹1.70 lakh crore. He emphasized that under the guidance of the Hon'ble Prime Minister, KVIC has emerged as strongest pillar of cottage industries, with vigorous efforts to rise Swadeshi to the global stage. Mentioning Prime Minister's words—"We may endure hardships for our nation, but we shall build an Atmanirbhar Bharat"—he reiterated KVIC's commitment.

On this occasion, KVIC's Chief Executive Officer, Ms. Roop Rashi, said that initiatives like 'Seva Parv' and GST benefits are enabling the younger generation to truly understand the values of Khadi and Swadeshi. She remarked that Khadi is not merely a fabric, but a symbol of artisans' dedication and people's collective support, embodying the spirit of self-reliance and cultural identity. She further emphasized that every child can become an ambassador of Khadi. At the Khadi Mahotsav, officers and employees at the Central Office, Mumbai, pledged their commitment to Swadeshi with the spirit of 'Vocal for Local'. Dressed in traditional Khadi attire, they also walked for a 'Khadi Yatra'. In addition, a vibrant Swadeshi Rangoli competition was organized, in which all participated enthusiastically.

INDIAN NAVY STRENGTHENS TIES WITH MOZAMBIQUE NAVY DURING PORT CALL OF FIRST TRAINING SQUADRON AT MAPUTO

New Delhi, Focus News: In a demonstration of enduring maritime friendship, the Indian Navy's First Training Squadron (1TS) comprising INS Tir, INS Shardul, INS Sujata, and ICGS Sarathi concluded its four-day port visit to Maputo, Mozambique from 16-19 Sep 2025. During the deployment, 1TS engaged in a series of joint training to enhance operational interoperability with the Mozambique Navy. Activities included Joint Diving Operations, Firefighting, VBSS Ops and Bridge Machinery Control integration drills. Cross-training visit of Indian Navy trainees to Marine Commando School at Katembe, Sargent School at Boane, and the Army Practising School at Manhica fostered mutual understanding and cooperation. Sea riders of the Mozambique Navy embarked onboard 1TS ships for joint EEZ surveillance. Capt Tijo K Joseph, Senior Officer of 1TS, along with Commanding Officers of visiting ships, paid courtesy calls to Rear Admiral Eugenio Dias Da Silva Muatuca, Chief of the Mozambique Navy; Maj Gen Ezequiel Muianga, Inspector of FADM; Col Candido Jose Tirano, Commandant of Maputo Air Force Base. These high-level interactions underscored the growing defence cooperation between the two nations. Community outreach formed a vital component of the deployment. More than 1,000 school children toured the ships, gaining insights into operational capabilities of the Indian Navy. A medical camp was set up at Naval Headquarters Mozambique and local hospital at Maputo. More than 100 patients were provided medical care and an awareness campaign on prevention of critical disease, emergency response and first aid was conducted.

NHRC, India in partnership with Ministry of External Affairs to organise ITEC Executive Capacity Building Programme on human rights for senior-level functionaries of NHRIs of the Global South

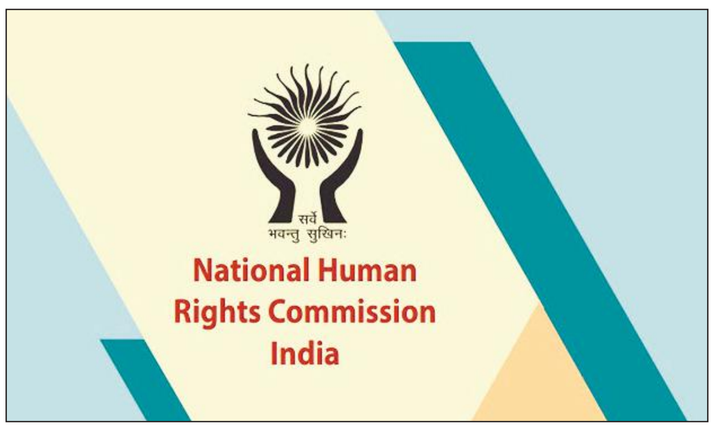

New Delhi, Focus News: The National Human Rights Commission (NHRC), India in collaboration with the Ministry of External Affairs (MEA), is organising a six-day Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) Executive Capacity Building Programme on human rights for senior-level functionaries of the National Human Rights Institutions (NHRIs) of the Global South in New Delhi from 22nd to 27th September, 2025. The programme aims to strengthen the capacities of National Human Rights Institutions (NHRIs) from the Global South. This reflects NHRC India's ongoing commitment to global human rights dialogue, South-South cooperation and the collective advancement of rights-based governance. This customised programme has been developed in accordance to the need of NHRIs of participating countries and feedback provided during the three earlier ITEC capacity building programmes organised by the Commission. Senior level functionaries from 12 NHRIs from Mauritius, Jordan, Georgia, Philippines, Qatar, Fiji, Uzbekistan, Bolivia, Nigeria, Mali, Morocco and Paraguay are likely to attend the programme. Drawing from NHRC India's experience of over three decades, the programme seeks to promote deeper understanding, mutual learning and meaningful collaboration among NHRIs for advocacy, enforcementand institutional strengthening across the Global South. Eminent persons with domain knowledge and expertise in capacity building and imparting training will be the resource persons. The programme will be inaugurated by Chairperson of the NHRC, India Justice V. Ramasubramanian. The expected outcome includes developing a better understanding of international dimensions of human rights; a deeper understanding of NHRC, India's work in the field of human rights protection and its best practices, which can be adopted by the other NHRIs; improved networking among NHRIs, fostering collaborations and partnerships at regional and international levels; and enhanced capability to contribute towards the protection and promotion of human rights. The participants will engage in interactive sessions with eminent persons and practitioners in the field, cultural immersion and field visits. This programme stands as a testament to NHRC India's enduring commitment to fostering a world where human rights are respected, protected and celebrated. It aims to serve as a dynamic platform for dialogue, learning and cooperation among NHRIs of the Global South.

Ministry of Rural Development Signs MoU for Technical Assistance Under DAY-NRLM

New Delhi, Focus News: The Ministry of Rural Development signed five Memorandums of Understanding (MoU) with the National Institute of Rural Development and Panchayati Raj (NIRD&PR), Hyderabad, and four National Resource Organizations (NROs) i. e. State Rural Livelihoods Missions (SRLMs) of Andhra Pradesh, Bihar, Jharkhand, and Telangana—for strengthening interventions under the Deendayal Antyodaya Yojana–National Rural Livelihoods Mission (DAY-NRLM). These states have been recognized for their pioneering work in digitisation, with Bihar also leading in Food, Nutrition, Health, and WASH (FNHW) interventions. The MoUs were signed by Shri T.K. Anil Kumar, Additional Secretary (Rural Livelihoods), Ministry of Rural Development with Dr. Vanishree Joseph, Director, NRLM Resource Cell, NIRD&PR; Shri Ananya Mittal, CEO, JSLPS (Jharkhand), and senior officers representating Smt. Karuna Vakati, State Mission Director, Andhra Pradesh SRLM; Shri Himanshu Sharma, CEO, Bihar Jeevika and Ms. D. Divya, CEO, Telangana SERP at NRLM Conference Hall, New Delhi. Through this MoU, which was signed on 19th of this month, the NIRD&PR will focus on building the capacities of SRLM functionaries and community cadres, creating a multi-thematic pool of resource persons, conducting induction and leadership training, and documenting best practices. It will also extend technical and strategic support to strengthen community institutions, enhance livelihood opportunities, promote digital innovations, and deepen social inclusion. This partnership further reaffirms NIRD&PR's role as a national hub for knowledge, training, and innovation in rural development. The Ministry also acknowledged the contribution of National Resource Organizations (NROs), whose technical support has been vital in advancing LokOS, a digital platform developed to improve governance and strengthen seamless operations in Self-Help Groups (SHGs) and their federations. Digitisation through LokOS will enhance accountability and financial integration building self-reliant rural communities through technology.

National Medical Commission Chairman Dr Abhijat Chandrakant Sheth Presides over 11th Convocation Ceremony of Atal Bihari Vajpayee Institute of Medical Sciences & Dr Ram Manohar Lohia Hospital

New Delhi, Focus News: Dr Abhijat Chandrakant Sheth, Chairman of National Medical Commission presided over the 11th Convocation Ceremony of the Atal Bihari Vajpayee Institute of Medical Sciences (ABVIMS) and Dr Ram Manohar Lohia Hospital, here today. Dr Sunita Sharma, Director General of Health Services (DGHS) and Dr Vinod Kotwal, Additional Secretary, Ministry of Health and Family Welfare were also present. Speaking on the occasion, Dr. Sheth congratulated the graduating students as well as their parents and faculty members for their dedication in guiding and motivating the students towards a service in healthcare. He emphasized the government's commitment to increasing the number of doctors in the country to meet the World Health Organization's recommendation of maintaining a uniform doctor-patient ratio of 1:1000 nationwide. Dr. Sheth also shared ongoing efforts to achieve a balanced undergraduate (UG) to postgraduate (PG) ratio of 1:1, aiming to elevate the quality of India's healthcare system to the standards of developed countries. Dr. Sheth also highlighted innovative initiatives being introduced by the National Board of Examinations in Medical Sciences and the National Medical Commission (NMC), such as integrating skill-based and virtual learning alongside traditional physical education, to fulfill the requirements of competency-based medical education. He encouraged the students to prioritize their own health and well-being, to persevere through challenges, and to remain lifelong learners. Dr. Vinod Kotwal emphasized that today's occasion represents the culmination of years of hard work by the students and remarked, "This marks the beginning of your lifelong commitment to the health and well-being of the nation." She also congratulated ABVIMS for its recent NABH accreditation, which "stands as a recognition of the institution's steadfast dedication to quality, safety, and patient-centered care". Dr. Kotwal urged the students to continue pursuing knowledge, discovery, and service with integrity, compassion, and respect as their guiding principles. "Medicine is not just about curing disease; it's about caring for the patients who suffer," she said.

Dr. Sunita Sharma, in her address to the graduating students, noted, "You are not merely receiving a degree today; you are shouldering a profound responsibility—to heal, to lead, and to serve the nation in whatever capacity you choose." Whether pursuing clinical care, medical research, or education, she advised, "Let your work be driven by empathy, evidence, and excellence."

Guidebook on Mapping of Harmonized System of Nomenclature (HSN) Codes unveiled byUnion Minister of Commerce & Industry Piyush Goyal

New Delhi, Focus News: Union Minister of Commerce and Industry, Shri Piyush Goyal, released the Guidebook on Mapping of Harmonized System of Nomenclature (HSN) Codes prepared by the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) on 20th September 2025 during the event on "Celebrating 10 Years of Make in India and Discussion on Next Gen-Reforms 2.0" in New Delhi. The Guidebook which provides allocation of 12,167 HSN Codes to 31 Ministries and Departments of the Government of India, aims to promote the adoption of data-driven approach for manufacturing development, investment promotion, and trade facilitation. It shall serve as the foundation for building a resilient and competitive manufacturing ecosystem. Emphasizing the significance of this exercise, Shri Goyal mentioned that the Guidebook is a significant stride towards strengthening domestic production capacity and fostering sectoral growth. Additionally, it will also support more effective Trade Agreement negotiations which are aligned with national economic priorities and domain strengths. With the facilitation for identification of the relevant Ministry or Department for specific HSN Codes, this initiative will streamline regulatory processes and further enhance ease of doing business. He added that the Guidebook shall play an integral role in accomplishing the vision of Viksit Bharat by 2047, where governance is responsive to the needs of the industry.The origin of the development of the Guidebook lies in the observation of persistent challenges arising during trade negotiations, import substitution efforts and redressal of industry concerns due to the absence of definitive mapping of HSN Codes. Further, unmapped Codes were misclassified as 'Residual Products' due to unclear ownership. To address the matter, DPIIT followed a holistic and proactive approach, by undertaking the value-chain and use-case analysis for each of the 12,167 HSN Codes sourced from the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) Tariff Manual. Following this, a thorough review of the Allocation of Business (AoB) Rules, 1961, was done for mapping of each HSN Code based on the nature and end-use of the product. Once the preliminary mapping was completed, several Inter-Ministerial Consultations, multiple Joint Working Group meetings, over 300 one-on-one meetings with Ministries and Departments, and numerous Industry Stakeholder consultations were conducted. The feedback received was systematically analyzed and incorporated to ensure reflection of ground-level realities. The exercise eventually led to the mapping of 12,167 HSN Codes to 31 Ministries and Departments. This extensive and consultative effort culminated in the development of the Guidebook, which now stands as a foundational resource for advancing manufacturing and trade related goals. The Guidebook on Mapping of HSN Codes is a critical enabler for Ministries and Departments to translate policy intent into actionable outcomes.

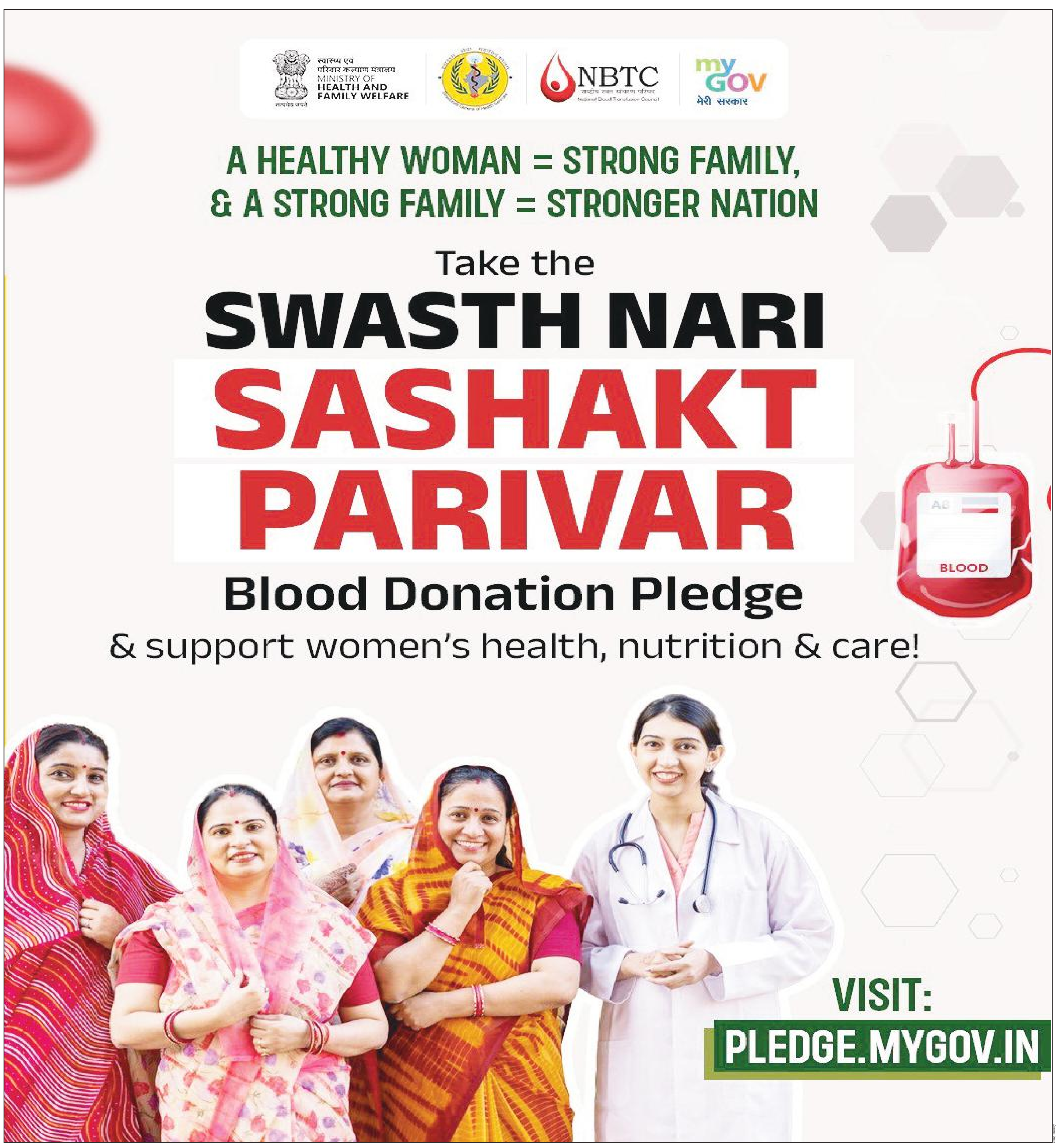

गांधी परिवार ने वायनाड में श्री नारायण गुरु को पुष्पांजलि अर्पित की

वायनाड (केरल), फोकस न्यूज, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को जिले में श्री नारायण गुरु को उनके महासमाधि दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित की। तीनों नेताओं ने सुबह कलपेट्टा स्थित श्री नारायण धर्म परिपालन (एसएनडीपी) योगम कार्यालय का दौरा किया और गुरु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रियंका ने कहा, ''हमें श्री नारायण गुरुजी को उन सभी बातों के लिए याद रखना चाहिए, जिसकी उन्होंने हमें शिक्षा दी। सभी के लिए समानता और करुणा की अवधारणा, जिसकी समाज में बहुत आवश्यकता है। हम उन्हें नमन करने के लिए यहां आए हैं।'' बाद में, प्रियंका ने समस्त केरल जमीयत–उल उलेमा के अध्यक्ष सैयद मुहम्मद जिफरी मुथुकोया थंगल से मलप्पुरम स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। थंगल ने इसे एक ''मैत्रीपूर्ण मुलाकात'' बताया और कहा कि प्रियंका ने यह इच्छा जताई थी कि जब भी वह केरल आएंगी तो उनसे अवश्य मिलेंगी। थंगल ने कहा, ''पिछले हफ्ते उन्होंने मुझसे संपर्क किया और मैं मिलने के लिए राजी हो गया। मैंने उनसे केरल और पूरे भारत में सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि वह (प्रियंका) और उनका परिवार इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' थंगल के अनुसार, प्रियंका ने उनसे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने प्रियंका को समस्त केरल जमीयत–उल उलेमा की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा, ''मैं कोई राजनीतिक नेता नहीं हूं, लेकिन मैं नेताओं के समक्ष मुद्दे उठाता हूं। इसी तरह, मैंने प्रियंका गांधी के समक्ष भी कुछ चिंताएं रखीं।'' प्रियंका पिछले 10 दिनों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में हैं तथा वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों के प्रमुख साहित्यिक, सांस्कृतिक और धार्मिक हस्तियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिल रही हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि उनका दौरा सोमवार को समाप्त होगा। पार्टी नेताओं ने बताया कि सोनिया और राहुल गांधी के भी सोमवार को लौटने की उम्मीद है। वे शनिवार को वायनाड पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में 'नमो युवा रन'

गुरुग्राम, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत हरियाणा के कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में 'नमो युवा रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में मैराथन का उद्घाटन किया जबकि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में 'नमो युवा रन' को हरी झंडी दिखाई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि यह मैराथन महज पांच किलोमीटर की दौड़ नहीं बल्कि देश की प्रगति के लिए एक मार्च है जो प्रत्येक युवा में समर्पण, दृढ़ता और कड़ी मेहनत की भावना पैदा करती है। मुख्यमंत्री ने भी मैराथन में शामिल होकर प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाई। सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने योग्यता आधारित भर्ती सुनिश्चित करके युवाओं की क्षमताओं का सम्मान किया है और पिछले 10 वर्षों में उन्हें 1.80 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व, दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने नागरिकों को 'नए भारत' का सपना दिखाया है। इस बीच कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि कुरुक्षेत्र देश के उन 75 जिलों में शामिल है जहां युवाओं ने नमो युवा दौड़ के लिए बड़ी संख्या में पंजीकरण कराकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। गुरुग्राम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने लेजर वैली पार्किंग से नमो युवा रन को हरी झंडी दिखाई और प्रतिभागियों तथा नागरिकों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। यहां एक अधिकारी ने बताया कि मैराथन में 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। मनोहर लाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की क्षमता को नष्ट करता है और समाज को कमजोर करता है। अगर युवा नशे से दूर रहें और शिक्षा, खेलकूद व कौशल विकास पर ध्यान दें तो न केवल उनका अपना भविष्य सुरक्षित होगा बल्कि पूरा समाज तरक्की करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपने को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया और इस मिशन में समाज के हर वर्ग को योगदान देना चाहिए। हरियाणा के मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान किया जा रहा है। इस अवसर पर युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि 'नमो युवा रन' युवाओं में अनुशासन, सहनशीलता और धैर्य पैदा करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

सरकार 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा शुरू करने की योजना बना रही: प्रधान

चेन्नई, फोकस न्यूज, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को यहां कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करने पर विचार कर रही है। प्रधान ने कहा कि उचित स्तर पर शिक्षण पद्धति में आमूलचूल बदलाव होना चाहिए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इसकी सिफारिश की गई है। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में एक कार्यक्रम में कहा, ''हम 11वीं और 12वीं कक्षा में कौशल आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने पर काम कर रहे हैं।'' पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करने की अवधारणा के बारे में प्रधान ने कहा कि पहले की शिक्षा प्रणाली प्रमाणपत्र और डिग्री पर केंद्रित थी। उन्होंने आईआईटी मद्रास में दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025 में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा कि हमें डिग्री और प्रमाणन की आवश्यकता है, लेकिन हमें छात्रों को सक्षम भी बनाना होगा।'' प्रधान ने कहा, ''एनईपी 2020 की प्राथमिक सिफारिशों में से एक कौशल आधारित शिक्षा है।'' उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय छठी कक्षा से ही कौशल आधारित शिक्षा शुरू करने पर भी काम कर रहा है। प्रधान ने कहा, ''पहले कौशल आधारित शिक्षा वैकल्पिक थी। कौशल आधारित शिक्षा चयनात्मक थी। लेकिन अब से कौशल एक विषय के रूप में शिक्षा का एक औपचारिक हिस्सा होगा।'' कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने के बारे में उन्होंने कहा कि शिक्षा की पिछली पद्धति विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा, ''अब हम कौशल विकास की भी योजना बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, छात्र गणित, भाषा, कंप्यूटर भाषा लेखन – यानी कोडिंग, ड्रोन तकनीक या कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। यह एक नया युग है।'' उन्होंने कहा, ''हमें अपने युवाओं को प्रशिक्षित करना होगा, उन्हें (नये पाठ्यक्रम ढांचे के साथ) जोड़ना होगा।'' आईआईटी मद्रास के कुछ छात्रों और स्टार्टअप शुरू करने वाले कुछ छात्रों के साथ अपनी पूर्व की बातचीत का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, ''मैं प्रोफेसर (आईआईटी–एम निदेशक) कामकोटि और उनकी टीम का बहुत आभारी हूं। वे संयुक्त रूप से विशेष प्रतिभा वाले छात्रों को बढ़ावा दे रहे हैं और उन्हें सुविधा प्रदान कर रहे हैं।'' बाद में, उन्होंने आईआईटी मद्रास परिसर में छात्रों के साथ ली गई कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाएं संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भारतीय कंपनी को किसी इजराइली कंपनी के साथ गठजोड़ करना है तो उसे हिब्रू भाषा सीखनी होगी। उन्होंने कहा, ''कोई अंग्रेजी या मंदारिन सीख सकता है। हम हिब्रू भी सीख सकते हैं। लेकिन, मैं तमिल भाषा सीखना चाहूंगा क्योंकि तमिलनाडु एक जीवंत सोच वाला समाज है।'' उन्होंने कहा कि देश में 1.75 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। उन्होंने कहा, ''नया विमर्श यह है कि ये स्टार्टअप संस्थापक नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन गए हैं। आईआईटी एक–दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वर्ष 2047 तक केंद्र के विकसित भारत के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए एक दार्शनिक दस्तावेज है और अगले दो दशकों में एनईपी 2020 की प्रत्येक सिफारिश को लागू किया जाना है।

गोयल आज व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका जाएंगे

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 22 सितंबर को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका का दौरा करेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। मंत्री न्यूयॉर्क जाएंगे और उनके साथ मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अन्य अधिकारी भी होंगे। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का एक दल 16 सितंबर, 2025 को भारत आया था। इस दौरान व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई थी और इस संबंध में प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया था। मंत्रालय ने कहा, ''इन चर्चाओं के क्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 22 सितंबर 2025 को अमेरिका का दौरा कर रहा है।''

विधायक न होने के बावजूद मुझे 20 करोड़ रुपये का कोष मिला: शिवसेना नेता सरवणकर

मुंबई, शिवसेना के पूर्व विधायक सदा सरवणकर ने कहा है कि विधायक न होने के बावजूद उन्हें 20 करोड़ रुपये का कोष मिला, जबकि मौजूदा विधायक को दो करोड़ रुपये मिलते हैं। एक वायरल वीडियो में सरवणकर को लोगों से कहते सुना जा सकता है, "वर्तमान विधायक को दो करोड़ रुपये मिलते हैं, लेकिन जब मैं विधायक नहीं हूं तब भी मुझे 20 करोड़ रुपये मिलते हैं।" सिद्धिविनायक ट्रस्ट के प्रमुख सरवणकर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना (उबाठा)के महेश सावंत से हार गए थे।